दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — राहत भरी तैयारियों पर हावी दलाली...
4 अभिव्यक्ति — कोरोना, इम्यूनिटी और वैश्विक मयखाने....
9 मनोरंजन/खेल — मजदूरों की मदद के लिए सामने आये आयुष्मान...
11 व्यापार — रिजर्व बैंक की घोषणाओं से शेयर बाजार...

www.navpradesh.com
रायपुर, शनिवार 28 मार्च 2020, चैत्र शुक्ल पक्ष-चतुर्थी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-48 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए लोगों को कुछ भी नहीं करना है, सिर्फ घर में रहना है। इतना मामूली काम करने में भी कई नादानों की नानी मर रही है। पूरे देश में लॉकडाउन घोषित किया गया है फिर भी लोग अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बाज नहीं आ रहे है। पुलिस उन्हे समझा रही है और उद्दंड लोगों को डंडे भी लगा रही है लेकिन वे सुधरने का नाम नहीं ले रहे है। इन मानवता के दुश्मनों के खिलाफ और ज्यादा सख्ती बरतने की सख्त जरूरत है। वरना पूरे देश में कर्फ्यू लगाने की नौबत आ जाएगी।

सीएम बघेल ने फोन पर एम्स डायरेक्टर से जाना कोरोना पीड़ितों का हाल

नवप्रदेश संवाददाता

- एम्स डायरेक्टर डॉ. नागरकर ने बताया सभी मरीजों की हालत स्थिर
- डॉ. नागरकर ने नव प्रदेश से खास चर्चा में कहा-अच्छी बात किसी को भी बुखार नहीं
- एम्स के डॉक्टर प्रदेश के मेडिकल कॉलेज, अस्पतालों के डॉक्टरों की मदद के लिए तैयार

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार को एम्स के डायरेक्टर डॉ. नितिन एम. नगरकर से टेलीफोन पर बात कर एम्स में भर्ती कोरोना पीड़ित मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान एम्स के डायरेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री बघेल को बताया गया कि कोरोना वायरस के पीड़ित एम्स में भर्ती सभी मरीजों की स्थिति सामान्य है। एम्स प्रबंधन द्वारा उनका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। वहीं इस संबंध में डॉ. नागरकर ने नवप्रदेश से खास बातचीत में बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि अभी एम्स में चार कोरोना पीड़ित मरीजों का इलाज चल रहा है। सभी की हालत स्थिर है। किसी को भी बुखार नहीं है। नवप्रदेश के इस सवाल पर कि क्या एम्स के डॉक्टर राजनांदगांव व बिलासपुर में भर्ती एक-एक मरीज को लेकर भी उनका इलाज कर रहे चिकित्सकों को सलाह दे रहे हैं, डॉ. नागरकर ने बताया कि ऐसी किसी भी स्थिति में एम्स के डॉक्टर प्रदेश के मेडिकल कॉलजों व अस्पतालों की मदद के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अब तक 350 सैंपल टेस्ट, 6 पॉजिटिव

डॉ. नागरकर ने बताया कि शुक्रवार दोपहर तीन बजे तक की स्थिति में एम्स में छत्तीसगढ़ के कुल 350 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं। इनमें से 6 ही कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से चार मरीजों को इलाज एम्स रायपुर में चल रहा है।

एम्स में वायरस टेस्टिंग की क्षमता दोगुना हुई

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कोरोना वायरस के पॉजीटिव रोगियों की हालत स्थिर बनी हुई है। एम्स के विशेषज्ञों की टीम उनकी चिकित्सा अवस्था पर निरंतर निगाह रखे हुए है और उन्हें नियमित रूप से काउंसलिंग प्रदान की जा रही है। एम्स ने माइक्रोबायलॉजी विभाग की वीआरडीएल लैब की क्षमता को दोगुना कर लिया है। अब यहां अधिकतम 300 सैंपल प्रतिदिन टेस्ट किए जा सकते हैं। एम्स द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार चारों रोगियों की स्थिति अभी भी स्थिर बनी हुई है। वे चिकित्सकों द्वारा प्रदान की जा रही चिकित्सा का बेहतर रेस्पांस दे रहे हैं। वरिष्ठ चिकित्सकों और नर्सिंग स्टॉफ की एक टीम निरंतर उन्हें चिकित्सा सेवाएं और काउंसलिंग प्रदान कर रही है।

जगदलपुर मेडिकल कॉलेज की टीम पहुंची एम्स रायपुर

डॉ. नागरकर ने यह भी बताया कि वर्तमान में कोरोना संक्रमण के खतरे से निपटने संबंधी प्रशिक्षण के लिए जगदलपुर मेडिकल कॉलेज की टीम एम्स रायपुर आई हुई हैं। एम्स के डॉक्टर उन्हें कोरोना के उपचार संबंधी जरूरी जानकारियां दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए एम्स में सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

खास खबर

सोनिया ने अपनी पूरी सांसद निधि इस्तेमाल करने की दी मंजूरी

नई दिल्ली, (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कोरोना वायरस-कोविड-19' की लड़ाई में अपने संसदीय क्षेत्र उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिला प्रशासन अपनी सांसद निधि का पूरा इस्तेमाल करने की मंजूरी दी है। श्रीमती गांधी ने शुक्रवार को रायबरेली के जिला अधिकारी को पत्र लिखकर कहा है कि कोरोना महामारी के खिलाफ जारी लड़ाई में वह अपनी सांसद निधि के पूरे इस्तेमाल की जिला प्रशासन को संस्तुति देती हैं।

सेना ने लॉन्च किया 'ऑपरेशन नमस्ते'

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए भारतीय सेना मैदान में उतरी है। सेना ने ऑपरेशन नमस्ते लॉन्च किया है। आर्मी चीफ एम एम नरवणे ने शुक्रवार को कहा कि महामारी के खिलाफ लड़ने के लिए सेना की जिम्मेदारी है कि वह सरकार की मदद करे।

सचिन ने राहत कोष में दिए 50 लाख

मुंबई, (वार्ता)। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए शुक्रवार को प्रधानमंत्री राहत कोष और मुख्यमंत्री राहत कोष में 25-25 लाख रुपये की मदद दी। भारत रत्न सचिन ने इस कठिन दौर में मदद का हाथ आगे बढ़ाया और 50 लाख रूपये की राशि दान दी। उन्होंने कुछ दिनों पहले लोगों से लॉकडाउन का सख्ती से पालन करने अपील भी की थी।

कर्नाटक: 10 महीने के बच्चे को हुआ कोरोना

बेंगलुरु ए.। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में एक 10 महीने के बच्चे के कोरोना से संक्रमित होने का मामला सामने आया है। दक्षिण कन्नड़ की डेप्युटी कमिश्नर सिंधु बी रूपेश ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सस्ता लोन, ईएमआई में राहत

कोरोना से इकॉनमी को बचाने के लिए आरबीआई की बड़ी घोषणाएं

- रिजर्व बैंक ने रेपो दर 0.75% की कटौती की

मुंबई (वार्ता)। कोरोना वायरस की वजह से देशभर में लॉकडाउन की वजह से अर्थव्यवस्था पर तगड़ी चोट लगी है। अर्थव्यवस्था को और अधिक नुकसान से बचाने के लिए वित्त मंत्रालय के बाद रिजर्व बैंक ने भी बड़ी घोषणाएं की हैं। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने रेपो रेट, रिवर्स रेपो रेट और सीआरआर में कटौती की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने कर्जधारको के लिए भी राहत का ऐलान किया है।

रिजर्व बैंक ने रेपो दर 0.75 प्रतिशत की कटौती की। कटौती के बाद रेपो दर 4.4 प्रतिशत पर आ गई है। इससे आने वाले दिनों में कर्ज सस्ता मिलेगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि रिवर्स रेपो दर में 0.90 प्रतिशत की कमी की गई है। नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में 1 प्रतिशत की कटौती की गई। सीआरआर 3 प्रतिशत पर आ गया है। गवर्नर ने कहा, रेपो दर में कमी से कोरोना वायरस महामारी के आर्थिक प्रभाव से निपटने में मदद मिलेगी। आरबीआई ने कहा है कि सीआरआर में कटौती, रेपो दर आधारित नीलामी समेत अन्य कदम से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

किस्तों की वसूली पर तीन महीने की रोक

आरबीआई ने कर्ज देने वाले सभी वित्तीय संस्थानों को सावधिक कर्ज की किस्तों की वसूली पर तीन महीने तक रोक की छूट दी। गवर्नर ने कहा, कार्यशील पूंजी पर ब्याज भुगतान को टाले जाने को चूक नहीं माना जाएगा, इससे कर्जदार की रेटिंग (क्रेडिट हिस्ट्री) पर असर नहीं पड़ेगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि देश की वृहत आर्थिक बुनियाद 2008 में वित्तीय बाजार संकट के मुकाबले मजबूत। मौद्रिक नीति समिति ने अनिशचित आर्थिक माहौल को देखते हुए अगले साल के लिए आर्थिक वृद्धि, मुद्रास्फीति के बारे में अनुमान नहीं जताया।

यह बड़ा कदम, सबको मिलेगी मदद : पीएम मोदी

कोरोना संकट में आरबीआई के राहत ऐलान के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने कोरोना वायरस के असर से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए बड़ा कदम उठाया है और इससे मिडिल क्लास को फायदा होगा। कोरोना वायरस से उपजे हालात के बीच आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास के प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, 'कोरोना वायरस से अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव से बचाने के लिए आज आरबीआई ने बड़े कदम उठाए हैं। घोषणाओं से तरलता में सुधार होगा, मध्यम वर्ग और व्यवसायों को मदद मिलेगी।

लोगों को घबराने की जरूरत नहीं

शक्तिकांत दास ने कहा, देश में बैंक व्यवस्था मजबूत, निजी बैंकों में जमा बिल्कुल सुरक्षित, लोगों को घबराकर पैसा निकालना नहीं चाहिए। दास ने कहा कि कच्चे तेल के दाम और मांग में कमी से मुख्य (कोर) मुद्रास्फीति कम होगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा, कोरोना वायरस महामारी के कारण अर्थव्यवस्था पर असर, वैश्विक मंदी की आशंका है। शक्तिकांत दास ने कहा कि आरबीआई की स्थिति पर कड़ी नजर, नकदी बढ़ाने के लिए हर कदम उठाये जाएंगे। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि वित्तीय बाजार की स्थिरता और आर्थिक वृद्धि संभालने के लिए परंपरागत या लीक से हट कर, सभी प्रकार के विकल्प विकल्प खुले हैं।

कौन से लोन आएंगे दायरे में?

खजुरिया ने बताया कि पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड पर बकाया मोरेटोरियम के दायरे में नहीं है। हालांकि, कंज्यूमर गुड्स खरीदने के लिए लिया गया लोन इसके दायरे में होगा।' कार लोन और होम लोन पर यह सुविधा ली जा सकती है। हालांकि, हो सकता है कि मोरेटोरियम सभी के लिए ना हो, बैंक अभी इस पर योग्यता और नियम-शर्तें ला सकते हैं।

किस्त चुकाने में फायदा या रोकने में? : मिश्रा ने कहा, 'मोरेटोरियम का मतलब है कि जुर्माना नहीं वसूल किया जाएगा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ब्रिटिश पीएम जॉनसन भी कोरोना पॉजिटिव

- ब्रिटेन में अब तक 12 हजार लोग संक्रमित, 578 लोगों की हो चुकी है मौत

लंदन ए.। ब्रिटेन में राजघराने तक पहुंचने के बाद अब कोरोना वायरस की चपेट में सरकार भी आ गई है। देश को कोविड 19 के इन्फेक्शन से बचाने की कोशिशों में जुटे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। वह सरकार की ओर से इस आपदा से निपटने का काम करते रहेंगे। ब्रिटेन में अब तक 12,000 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और 578 लोगों की मौत हो चुकी है। बोरिस जॉनसन में कोरोना इन्फेक्शन के लक्षण देखे गए और वह इस वक्त डाउनिंग स्ट्रीट में सेल्फ-आइसोलेशन में हैं। इंग्लैंड के चीफमेडिकल ऑफिसर प्रफेसर क्रिस विटी की सलाह पर उनका टेस्ट कराया गया था जिसके बाद वह कोरोना पॉजिटिव निकले हैं। इससे पहले प्रिंस ऑफवेल्स प्रिंस चार्ल्स भी कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। ब्रिटेन ने उन यूरोपीय देशों में है जिसने लॉकडाउन घोषित कर रखा है।

स्वास्थ्य मंत्री मैट हैंकॉक भी संक्रमित

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के बाद अब स्वास्थ्य मंत्री मैट हैंकॉक भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। ब्रिटिश स्वास्थ्य राज्य मंत्री मैट हैंकॉक ने खुद ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। एक ही दिन में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मैट के कोरोना वायरस से संक्रमित होने से ब्रिटेन में सनसनी फैल गई है।

विश्व में 23,950 की मौत, 526,544 लोग संक्रमित

बीजिंग/ जेनेवा/ नयी दिल्ली (वार्ता)। *विश्व के अधिकतर देशों में फैल चुके कोरोना वायरस 'कोविड 19' का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और अब तक इस खतरनाक वायरस से 23,950 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करीब 526,544 लोग इससे संक्रमित हुए हैं।*

कोरोना : 11 हजार कैदियों को रिहा करेगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबई ए.। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने प्रदेश की जेलों में बंद 11 हजार कैदियों को रिहा करने का फैसला लिया है। प्रदेश के होम मिनिस्टर अनिल देशमुख ने इस बात की ऐलान किया है। इससे पहले दिल्ली, हरियाणा और पंजाब भी कैदियों को रिहा करने का कदम उठा चुके हैं।

महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने गुरुवार को बताया, 'महाराष्ट्र की जेलों में कैद करीब 11 हजार कैदियों, जिन्हें सात साल से कम सजा मिली है। उन्हें पैरोल पर रिहा किया जाएगा। देशमुख ने ट्वीट कर इस फैसले की जानकारी दी। गृहमंत्री ने कहा, करीब 11 हजार कैदी या आरोपी जो सात साल की सजा के प्रावधान वाले मामलों में बंद हैं, उन्हें पैरोल पर रिहा किया जा सकता है। उन्होंने बताया, 'मैंने पूरे राज्य के कारागारों को उचित आदेश जारी कर दिया है। महाराष्ट्र में करीब 60 जेलें हैं, जिन पर यह फैसला लागू होगा।' हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद या आर्थिक अपराध के मामलों में बंद कैदियों को रिहा नहीं किया जाएगा। हरियाणा में कोरोना वायरस फैलने की आशंका के बीच जेल में कैदियों के दबाव को कम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार जेल प्रशासन ने अहम फैसले लिए हैं।

देश में अब तक कोरोना के 724 केस

नई दिल्ली (वार्ता)। पिछले 24 घंटे के दौरान भारत में कोरोना संक्रमण के 75 नए मामले सामने आए हैं और 4 लोगों की जान गई है। अब तक देश में कोरोना संक्रमण के कुल 724 मामले हुए हैं, जबकि 17 लोगों की मौत हुई है। यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने शुक्रवार शाम को दी। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के उपचार में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

24 घंटे में 75 नए मामले, 4 की गई जान: स्वास्थ्य मंत्रालय

विदेश से आए 15 लाख पर राज्यों ने की लापरवाही : गौबा

पिछले दो महीने में विदेशों से आए लोगों की कोविड-19 की जांच में बड़ी लापरवाही मामला सामने आया है। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर कहा है कि पिछले दो महीने में 15 लाख यात्री विदेशों से भारत आए, लेकिन इन सभी की कोविड19 की जांच नहीं हुई है। कोविड19 की जांच हुए लोगों की रिपोर्ट और कुल यात्रियों की संख्या में बड़ा अंतर दिख रहा है। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने राज्य सरकारों को बताया कि है कि पिछले दो महीने में 15 लाख से ज्यादा लोग विदेश से भारत ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रवासी मजदूरों के रहने, खाने का इंतजाम करें राज्य सरकार : गृह मंत्रालय

गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा, 'राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे प्रवासी मजदूरों के लिए भोजन, पानी और स्वच्छता की व्यवस्था करें। गृह मंत्रालय निरंतर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बात कर रही है। कोशिश की जा रही है कि लॉकडाउन के दौरान जरूरी सामानों की आपूर्ति में दिक्कत ना हो। गृह सचिव ने राज्यों से कहा है कि वे हॉस्टल में फंसे वर्किंग लोगों और छात्रों का भी ख्याल किया जाए। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

भारत में कोरोना वायरस — 1.35 अरब से अधिक जनसंख्या वाले देश में प्रत्येक संक्रमित व्यक्ति पर नजर रखना संभव नहीं

'लॉकडाउन ही नहीं, हमें कई और उपायों से जीतनी होगी यह जंग'

नई दिल्ली (ए.)। तीन सप्ताह का लॉकडाउन और उसके बाद 1.35 अरब से अधिक जनसंख्या वाले देश में प्रत्येक संक्रमित व्यक्ति पर नजर रखने और उसका इलाज करने के लिए मजबूत सार्वजनिक नीति और इसके प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता होती है जो न केवल सरकारों के कार्रवाई बल्कि व्यक्तियों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। आज सुबह जब मैनें अपने टीवी को खोला तो भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र को कोरोनावायरस से उत्पन्न विषम परिस्थितियों के विषय पर संबोधित कर रहे थे। इस संबोधन की खास बात यह थी कि उन्होंने अगले 21 दिनों तक के लिए राष्ट्रीय स्तर के लॉकडाउन की घोषणा कर दी। 1.35 अरब आबादी वाले इस देश में यह तो महत्वपूर्ण है ही कि किसी आपदा से निपटने के लिए लॉकडाउन किया जा रहा है पर यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि लॉकडाउन के बाद क्या होगा।

भारत ने भी की है कोरोना पर बड़ी तैयारी

भारत में भी इस महामारी को नियंत्रित करने और सही सूचनाओं के प्रसार के लिए स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक वेबसाइट प्रारंभ किया है जिससे भ्रामक तथ्यों और अफवाहों को रोका जा सके और नागरिकों को सभी सूचनाएं एक ही स्थान पर मिल सके। जिस तरह ऐमजॉन, अल्फाबेट और ऐपल जैसी अन्य तकनीकी संस्थानों के स्वयंसेवकों ने बोस्टन और हार्वर्ड युनिवर्सिटीज के मार्गदर्शन में कोविडनियरयू जैसी तकनीक को विकसित किया जिससे संक्रमित व्यक्तियों को अपने प्रारंभिक लक्षणों को दर्ज करवाने, उनका मार्गदर्शन और उनका ट्रैक रखने का कार्य बखूबी किया जा रहा है जिससे इस महामारी को फैलने से नियंत्रित करना आसान हो गया है। भारत में भी आईटी कंपनियों के लीडर्स को भी ऐसी तकनीक विकसित करनी चाहिए, जिससे इस महामारी के फैलाव को रोका जा सके।

कोरोना के वैक्सीन की खोज में जुटे वैज्ञानिक

अभी तक के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर के लगभग 150 देशों में यह कोरोनावायरस फैल चुका है और उसमें तरह-तरह के कई शोधकर्ता, वैज्ञानिक, प्रयोगशालाएं और लोक निति के ज्ञाता तथा विशेषज्ञ रणनीतिकार शिद्दत से इस वैश्विक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दुनिया में कोरोना से 24 हजार की मौत, कहीं दुआ तो कही मदद को उठे हाथ

नई दिल्ली (ए.)। दुनिया में कोरोना से 24 हजार की मौत, कहीं दुआ को तो कही मदद को उठे हाथकोरोना वायरस ने अपना असली रूप मार्च में दिखाना शुरू किया जिस महीने अकेले 4 लाख लोग इसकी चपेट में आ गए। चीन के वुहान शहर में सबसे पहले दस्तक देने वाले इस वायरस ने पूरी दुनिया का भ्रमण कर लिया है और जो-जो इसके रास्ते आया इसने हर किसी को अपने चपेटे में ले लिया। मरने वालों की संख्या 24 हजार का आंकड़ा पार कर गई है तो संक्रमित लोगों की संख्या 5,38,693 है। कई देशों ने लॉकडाउन को विकल्प के रूप में चुना है तो कुछ ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग करने पर ध्यान दे रहे हैं। वहीं, गिरती अर्थव्यव्था को सुधारने के लिए बेलआउट पैकेज की भी घोषणा की गई है। इन सबके बीच 3 अरब आबादी बुरी तरह से प्रभावित है जो बंदी का सामना कर रही है। आइए विस्तार से जानतें हैं कौन से देश हैं सबसे ज्यादा हलकान और इससे निपटने के लिए कैसी चल रही है लड़ाई।

WHO ने लगाई फटकार

WHO चीफ ने कोरोना वायरस को रोकने में नाकाम रहने पर वर्ल्ड लीडर्स को फ्टकार लगाई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में एक महीने या फ्रि दो महीने पहले ही प्रभावी रूप से काम किए जाने की जरूरत थी।

भारत बंद: कहीं पैदल ही घर चल दिए कामगार, कहीं मदद को उठे हाथ

पीएम नरेंद्र मोदी ने 21 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की है ताकि कोरोना के प्रसार को रोका जा सके। उन्होंने देशवासियों से लॉकडाउन को सफ्ल बनाने की मांग की है। इस बीच लॉकडॉउन के कारण कई लोग जगह जगह फंस गए हैं इनमें से अधिकांश दिहाड़ी मजदूर हैं जो परिवहन के साधन बंद हो जाने के बाद पैदल ही सैकड़ों मील दूर अपने घर निकल गए हैं। वहीं, कई ऐसे हैं जिनके पास खाने को कुछ नहीं। ऐसे ही लोगों के लिए देशभर में हजारों लोग मदद को आगे आए हैं और उनके खानेपीने का प्रबंध कर रहे हैं।

10 देश में 4 लाख मरीज, 20 हजार मौत

अमेरिका, चीन, इटली, स्पेन, जर्मनी, ईरान, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, ब्रिटेन और साउथ कोरिया टॉप 10 प्रभावित देशों में हैं और दुनिया के 538,693 संक्रमित लोगों में 4 लाख लोग इन्हीं देशों में हैं। वहीं, मृतकों की बात करें तो 24 हजार में से 20 हजार लोगों की मौत इन्हीं देशों में हुई है।

चीन, इटली को पछाड़ टॉप पर पहुंचा अमेरिका

इस संकट की घड़ी में कई देश बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इनमें विश्व का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका भी शामिल है जिसने चीन और इटली को पछाड़ दिया है। यहां संक्रमित लोगों की संख्या 85 हजार हो गई है और मरने वालों का आंकड़ा 1200 से ऊपर है।

मेडिकल स्टाफ के लिए ऐसे बजाईं तालियां

भारत में 22 मार्च को जनता कर्फ्यू का आयोजन किया गया जिसमें पूरे देश में शाम 5 बजे कोरोना से निपटने में जुटे मेडिकल कर्मियों, सैन्यकर्मियों, पुलिसकर्मियों के लिए लोगों ने तालियां बजाईं। अब ऐसा ही नजारा दुनिया के दूसरे हिस्से में देखने को मिल रहा है। स्पेन में मेडिकल कर्मियों की गाड़ियां गुजरीं तो लोग उनके लिए ताली बजाते नजर आए। लंदन से भी ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं।

पाकिस्तान: डॉक्टरों को भी दुआओं का सहारा

पाकिस्तान में संक्रमित लोगों की संख्या 1209 है और 9 लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान के पास कोरोना से निपटने के लिए जरूरी संसाधन नहीं है। अमेरिका, विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक से आर्थिक मदद पाने के बाद अब इमरान खान ने आईएमएफ का दरवाजा खटखटाया है जो समय समय पर इसकी मदद करता आया है। यहां डॉक्टर्स भी अपने शिफ्ट की शुरुआत से पहले दुआ का सहारा ले रहे हैं।

कोरोना संक्रमण का सबसे बड़ा गढ़ बना अमेरिका

अमेरिका में संक्रमित मरीजों की संख्या 85,390 पहुंच गई है, जो चीन से ज्यादा

- चीन और इटली को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका कोरोना से संक्रमितों मरीजों के मामले में सबसे आगे
- ट्रंप के दावे के बाद भी अमेरिका इस महामारी पर काबू करने में बुरी तरह से असफ्ल नजर आ रहा

वाशिंगटन (ए.)। सुपर पावर अमेरिका चीन और इटली को पीछे छोड़ते हुए कोरोना वायरस से संक्रमितों मरीजों के मामले में सबसे आगे निकल गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तमाम दावे के बाद भी अमेरिका इस महामारी पर काबू करने में बुरी तरह से असफ्ल नजर आ रहा है। कोरोना महामारी जंगल की आग की तरह से पूरे अमेरिका को अपने चपेट में लेती जा रही है। गुरुवार को अमेरिका में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 85,390 पहुंच गई जो इस महामारी के गढ़ चीन से भी ज्यादा है। अमेरिका में अब तक 1200 से ज्यादा लोग इस महमारी की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं। अमेरिका के बाद चीन का नंबर है जहां पर कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 81,340 और इसके बाद इटली है जहां 80,589 लोग संक्रमित हैं। भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 700 को पार कर गई है जबकि 20 लोग इस महमारी से मारे गए हैं।

न्यू यॉर्क में न बेड, न मेडिकल स्टाफ

न्यू यॉर्क में हालात इतने खराब हो चुके हैं कि यहां जरूरत के मुताबिक न तो बेड हैं और न ही इलाज करने के लिए स्टाफ। ऐंड्रू ने बताया कि रिटायर हो चुके मेडिकल स्टाफको मदद के लिए बुलाया गया है। उन्होंने संसाधनों की मांग की है। काओमो ने बताया कि न्यू यॉर्क में 30,000 वेंटिलेटर्स की जरूरत है लेकिन सिर्फ400 भेजे गए।

तेजी से खराब हो रहे हैं हालात

उन्होंने सवाल किया, 'सिर्फ 400 वेंटिलेटर का वह क्या करेंगे। आप उन 26,000 लोगों को चुनिए जिन्हें मरना होगा।' ऐंड्रू के इस बयान के बाद 4,000 वेंटिलेटर और भेजे गए लेकिन वे सभी जरूरत से बहुत कम हैं। ऐंड्रू ने चेतावनी दी है कि जो न्यू यॉर्क में हो रहा है वह वॉशिंगटन और इलिनॉई भी होगा। उनका कहना है कि हालात बहुत तेजी से बहुत ज्यादा खराब हो रहे हैं।

टेस्टिंग को लेकर घिरे डोनाल्ड ट्रंप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने रवैये को लेकर आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। हिलरी क्लिंटन की बेटी और राइटर चेल्सिया क्लिंटन ने टेस्टिंग की अहमियत बताते हुए कहा है, 'हमारे पास इतनी क्षमता होनी चाहिए कि हम हर किसी को टेस्ट कर सकें। यह पब्लिक हेल्थ के लिए बेहद जरूरी है और इकॉनमी के लिए भी अच्छा है।'

महाशक्ति अमेरिका की खुल रही पोल

इससे पहले अमेरिकी वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका कोरोना वायरस का सबसे बड़ा गढ़ बन सकता है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश अमेरिका इस महामारी का सबसे बड़ा शिकार हो सकता है। माना जा रहा है कि 33 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में अभी कोरोना वायरस के संक्रमण मामले और बढ़ सकते हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों से महाशक्ति अमेरिका की पोल भी दुनिया के सामने खुलती जा रही है। अमेरिका के न्यू यॉर्क में गुरुवार को एक दिन में 100 मौतें कोरोना वायरस के कारण चली गईं। इसके साथ ही यहां मरने वालों की कुल संख्या 1295 हो गई है।

अकेले न्यू यॉर्क में कोरोना की चपेट में आने से 385 लोगों की मौत हो चुकी है। पूरे देश की बात करें तो यहां 74,573 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए जबकि सिर्फ 46 ही इलाज के बाद ठीक हो सके। न्यू यॉर्क में कोरोना के 37,258 मामले सामने आ चुके हैं। यहां हालात कितने बुरे हैं इसका अंदाजा न्यू यॉर्क के गवर्नर ऐंड्रू काओमो के बयान से लगता है। उन्होंने ट्रंप सरकार पर नाराजगी जताते हुए इस बात का खुलासा किया है कि हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की हालत कितनी खराब है।

महासंकट में 'मेड इन चाइना' टेस्ट किट ने स्पेन को दिया धोखा, करोड़ों यूरो का लगा चूना

बिजिंग(ए.)। चीन में बने सामानों की गुणवत्ता को लेकर अक्सर दुनियाभर में सवाल उठते रहते हैं। अब कोरोना महासंकट के बीच इसका एक ताजा उदाहरण देखने को मिला है। इस महामारी की विनाशलीला झेल रहे स्पेन ने कोरोना वायरस की तेजी से जांच के लिए चीन से जांच किट खरीदे लेकिन वे कोरोना पॉजिटिव मरीजों को डिटेक्ट ही नहीं कर पा रहे हैं। इससे कोरोना संकट पर विजय पाने की स्पेन की मुहिम को बड़ा झटका लगा है।

चेक रिपब्लिक में भी बेकार निकले चीनी किट

स्पेन के एक स्वास्थ्य अधिकारी फेरनांडो सिमोन ने कहा कि स्पेन में इन चीनी किट से 9 हजार जांचें की गईं लेकिन उनके परिणाम बहुत अच्छे नहीं थे। उन्होंने कहा कि हम इन जांच किट को लौटाने जा रहे हैं। स्पेन ने चीन से कहा है कि वे अपने जांच किट वापस ले। चीनी जांच किट के धोखे से अब स्पेन में इस महामारी को काबू पाने के प्रयासों को बड़ा झटका लगा है। इस बीच चेक रिपब्लिक के जांचकर्ताओं ने कहा है कि चीनी किट सही से काम नहीं कर रहे हैं। उधर, चीन ने इस कंपनी से पल्ला झाड़ लिया है। उसने कहा है कि बायोइजी कंपनी के पास आधिकारिक लाइसेंस ही नहीं है। स्पेन में कोरोना वायरस से अब तक 4,365 लोग मारे गए हैं और 57,786 लोग संक्रमित हैं।

देश में कोरोना वायरस का प्रसार बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। स्पेन में कोरोना वायरस से संक्रमण के 8,271 नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारी फ्र्नांडो साइमन ने बताया है कि आने वाले समय में संख्या के और बढ़ने की आशंका है। स्पेन में 14 मार्च से ही लागू लॉकडाउन के बावजूद यहां मौतों और इन्फेक्शन के केस बढ़ते ही जा रहे हैं। चीन दुनियाभर में अपनी छवि सुधारने के लिए मेडिकल उपकरण दान कर रहा है लेकिन चीनी जांच किट के धोखे से उसके प्रयासों को झटका लगा है।

स्पेन ने 6 लाख जांच किट खरीदे

बिजनस इनसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक 10 से 15 मिनट में नतीजे देने वाले इन चीनी जांच किट को लेकर स्पेन के माइक्रोबायलॉजी के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है। चीनी जांच किटों ने ऐसे समय पर स्पेन को धोखा दिया है जब यह यूरोपीय देश दुनिया में सबसे ज्यादा कोरोना वायरस प्रभावित है। इटली के बाद स्पेन में सबसे ज्यादा लोग कोरोना वायरस से मारे गए हैं। इन जांच किट को चीन की कंपनी बायोइजी ने बनाया है। स्पेन ने दक्षिण कोरिया और चीन से छह लाख 40 हजार जांच किट खरीदे हैं।

कोरोना की जांच में बेकार हैं चीनी टेस्ट किट

इस महासंकट से निपटने के लिए स्पेन ने चीन से तेजी से जांच करने वाले किट मंगाए जो केवल 30 मरीजों की ही सही जांच कर पा रहे हैं। जबकि मानकों के मुताबिक इन रैपिड किट को कम से कम 80 मामलों की सही जांच करनी चाहिए। चीनी जांच किट की गलत रिपोर्ट के बाद स्पेन के स्वास्थ्य विभाग ने चीनी जांच किट के आंकड़ों को इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया है। स्वास्थ्य अधिकारी अब जांचों पर फोकस कर रहे हैं जो रिजल्ट देने में ज्यादा समय लेते हैं।

चीनी राष्ट्रपति से चर्चा के बाद ट्रंप के बदले सुर, बताया 'कोरोना वायरस'

वाशिंगटन (ए.)। कोरोना वायरस को अब तक 'चीनी वायरस' बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुर बदल गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने न केवल इसे 'कोरोना वायरस' बताया बल्कि इस महामारी से निपटने में चीन के प्रयासों के तारीफों के पुल बांध दिए। अमेरिकी राष्ट्रपति के रुख में यह बदलाव चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ फोन पर बातचीत के बाद आया है।

शी जिनपिंग से बात करने के बाद ट्रंप ने ट्वीट करके कहा, 'अभी-अभी मेरी चीनी राष्ट्रपति से बहुत अच्छी बातचीत हुई है। हमने आपस में कोरोना वायरस के बारे में बात की जिससे दुनिया का बड़ा हिस्सा प्रभावित है। चीन ने इस वायरस के संबंध में काफी काम किया है और अच्छी समझ विकसित की है। हम साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मैं इसका सम्मान करता हूं।' इससे पहले पिछले कुछ दिनों से डोनाल्ड ट्रंप लगातार चीन के खिलाफ हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। ट्रंप लगातार कोरोना वायरस को चीनी वायरस बता रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि कोरोना वायरस प्रकोप पर जानकारी साझा करने की बजाए चीन ने उसे 'रहस्य की तरफ छिपाकर रखा।' उन्होंने कहा कि अगर बीजिंग ने इस खतरे के बारे में पहले ही चेतावनी दे दी होती तो अमेरिका और पूरा विश्व इसके लिए ज्यादा बेहतर तरीके से तैयार होता।

कारवाई के आदेश यूपी के रहने वाले अनुपम मिश्रा, केरल कैडर के हैं आईएएस, घर में 14 दिनों के लिए किए गए क्वारंटाइन

विदेश से हनीमून मनाकर लौटे आईएएस केरल में किए गए क्वारंटाइन, भाग आए कानपुर, होगी कार्रवाई

- जांच में घर से मिले नदारत, लोकेशन मिली कानपुर
- डीएम ने राज्य सरकार को रिपोर्ट बनाकर भेजी
- सरकार ने आईएएस से मांगा स्पष्टीकरण

कानपुर(ए.)। सिंगापुर और मलेशिया से हनीमून मनाकर करीब 10 दिन बाद लौटे केरल के एक आईएएस अधिकारी ने क्वारंटाइन के नियमों का उलंघन किया। आईएएस की लोकेशन केरल के उनके सरकारी आवास की जगह उत्तर प्रदेश के कानपुर में मिली है। अब उनसे राज्य सरकार ने स्पष्टीकरण मांगा है। यूपी के रहने वाले अनुपम मिश्रा कोल्लम जिले में एसडीएम हैं। उनकी हाल ही में शादी हुई थी। शादी के बाद वह अपनी पत्नी के साथ हनीमून मनाने सिंगापुर और मलेशिया गए थे। वहां से वह 19 मार्च को वापस लौटे। डीएम बी अब्दुल नासिर ने बताया कि कोरोना वायरस के प्रकोप से बचने के लिए विदेश से लौटने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पृथक रहना होता है। इसी नियम के मुताबिक वापस लौटने के बाद अनुपम को घर में क्वारंटाइन रहने की सलाह दी गई थी।

ऐसे खुला मामला

इधर 14 दिन के क्वारंटाइन में भेजे गए आईएएस के हालचाल जानने के लिए कुछ अधिकारियों ने उनके घर फोन किया तो पता चला कि वह घर पर नहीं थे। अधिकारियों ने फोन पर संपर्क किया तो अनुपम ने बताया कि वह अपने भाई के साथ बेंगलुरु आ गए थे क्योंकि वह एक डॉक्टर है और उनकी देखभाल वहां अच्छे से होगी।

मोबाइल की लोकेशन कानपुर में मिली

बताया जा रहा है कि जब अनुपम के मोबाइल पर संपर्क किया गया तो फोन संपर्क से बाहर होने का साउंड हिंदी में सुनाई दिया। शक होने पर अनुपम का मोबाइल ट्रैस किया गया तो उनकी लोकेशन कानपुर में मिली। इस मामले में डीएम ने राज्य सरकार को रिपोर्ट बनाकर भेजी है। डीएम की रिपोर्ट पर अनुपम मिश्रा से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

कोल्लम में अब तक एक भी कोडिव 19 का केस नहीं

डीएम ने बताया कि हालांकि विदेश से लौटने के बाद अनुपम और उनकी पत्नी की जांच हुई थी और उनमें कोरोना वायरस के कोई लक्षण नहीं मिले थे। उनके परिवार और सुरक्षाकर्मी समेत अन्य निजी स्टाफको निगरानी में रखा गया है। संयोग से, कोल्लम राज्य का एकमात्र जिला है जहां से अब तक कोविड-19 का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

केजरीवाल ने बताया कोरोना को हराने का मास्टरप्लान

नई दिल्ली (ए.)। अब तक दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 39 हो चुकी है। कल तक ये आंकड़ा 36 था। इन 39 लोगों में से 29 तो ऐसे हैं, जो बाहर से आए हुए हैं। दिल्ली में अब तक 1 व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है और 6 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मीडिया ब्रीफिंग के जरिए लोगों के बताया कि दिल्ली सरकार कोरोना वायरस की वजह से बढ़ रहे संकट से निपटने के लिए क्या कर रही है। 5 डॉक्टरों की टीम बनीअरविंद

केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने 5 डॉक्टरों की एक टीम बनाई, जिसके हेड हैं आईएलबीएस के प्रमुख डॉक्टर सरीन। इस टीम ने एक रिपोर्ट बनाकर दी है और बताया है कि आगे की तैयारियां कैसी करनी हैं।

रोज 100 मरीज के लिए तैयार, आगे क्या

केजरीवाल ने कहा कि अभी हम रोजाना 100 मरीजों के लिए तैयार हैं। हमारे पास पर्याप्त सुविधाएं हैं, लेकिन अगर रोजाना मरीज बढ़ते हैं तो क्या होगा, इसका प्लान तैयार किया गया है। इसे तीन चरणों में बांटा है। पहला ये कि अगर 100 मरीज आते हैं तो क्या करें, दूसरा ये कि अगर रोज 500 तक मरीज आते हैं तो क्या करें और तीसरा ये कि अगर रोज 1000 तक मरीज आते हैं तो क्या करें।

न्यूज गैलरी

कोई भूखा न सोए : गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटियों से महेंद्र छाबड़ा ने की अपील

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग, छत्तीसगढ़ शसान के अध्यक्ष एवं सिक्ख समाज छत्तीसगढ़ के संयोजक महेन्द्र छाबड़ा ने प्रदेश के सभी गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटियों से अनुरोध किया है कि कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण किसी जान भूखे रहने के कारण न जाय। सभी गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी को लिखे पत्र में श्री छाबड़ा ने लिखा है-आज भी अनेक लोग भूखे सो रहे हैं। कईयों के पास एक समय का भोजन भी नहीं मिल रहा होगा। ऐसे में सिक्खों की सेवा भावना से अनेक लोगों को लाभ मिल सकता है। हमें आगे आकर मदद करनी चाहिए। रायपुर के गुरूद्वारे में पुलाव के पैकेट तैयार कर बांटने की योजना बनी है। आप भी इसी तरह व्यवस्था कर सते हैं। अतः आप सभी गुरूद्वारा कमेटी, सामाजिक संगठन अपने-अपने क्षेत्र के शासन द्वारा बनाए गए कंट्रोल रूम से चर्चा करें। गरीब आदमी की सेवा करनी चाहिए। इस पुण्य कार्य में प्रशासन भी आपका पूर्ण सहयोग करेगा।

जान से मारने की दी धमकी, रिपोर्ट दर्ज

रायपुर। खमतराई थाने से मिली जानकारी के अनुसार श्रीमती सुनीता मंडल आयु 37 वर्ष पति सुफल मंडल निवासी अशोक विहार कालोनी गोंदवारा के लड़के हेमंत मंडल को क्रिकेट खेलकर घर लौटते वक्त आरोपी नेता तिवारी, अजय कुमार, विनय मुन्ना दुबे एवं उनके साथियों ने रास्ता रोककर अकारण गाली गलौज कर जमकर पिटाई की। प्रार्थी को आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई। उक्त मामले में खमतराई थाने ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 294, 506, 323 एवं 34 के तहत मामला दर्ज किया है। उधर आरोपियों ने विंधावासनिक प्रसाद तिवारी आयु 30 पिता स्व. श्री रामराज तिवारी के साथ जमकर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। उक्त मामले में भी पुलिस ने आईपीसी की धारा 294, 506, 323 एवं 34 के तहत मामला दर्ज किया है

शराब पिलाते पकड़ाए

रायपुर। खरोरा थाने एवं आरंग थाने से राजेश आडिल पिता रेवा राम आडिल ग्राम सकरी खरोरा द्वारा अपने ठेले में लोगों को जमा कर शराब पिलाते हुए गिरफ्तार किया गया वहीं आरंग थाने में राजकुमार साहू पिता स्व. मेघु साहू निवासी ग्राम कुरुद आरंग को अपने ठेले में शराब पिलाते ग्राहकों को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार देवशरण साहू आयु 56 वर्ष पिता दसरू ध्रुव ग्राम कुरुद में अवैध रूप से अपने ठेले में सार्वजनिक तौर पर शराब पिलाते हुए गिरफ्तार किया गया है।

कोरोना के खौफ में मुनाफाखोरों का संक्रमण

राहत भरी तैयारियों पर हावी दलाली

आलू-प्याज, टमाटर समेत हरी सब्जियों का मनमाना दाम, सिगरेट, पान मसाला और कोचिये भी गोरखधंधे में लिप्त

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। संक्रमणकाल से निपटने की रणनीति से लेकर जरुरतमंदों को अंतर्राष्ट्रीय आपदा में जरुरती सामानों की आपूर्ति तक के लिए शासन-प्रशासन लगातार योजना पर काम कर रहा है। राहत भरी योजनाओं के अलावा मुनाफाखोरों के लिए बार-बार चेतावनी भी जारी की जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और जिला प्रशासन के आला अफसर भी बैठक लेकर सभी सुविधाओं के लिए जुटे हुए हैं। ऐसे में आम जनता के लिए राशन, फल, सब्जियां और दूध के साथ दवाएं तो उपलब्ध हो रही हैं। लेकिन मुनाफाखोर ऐसे संवेदनशील समय में भी माल की कमी और उपलब्धता के नाम पर मनमाना दाम वसूल रहे हैं। हालाकि शासन का आदेश है कि तय कीमत से ज्यादा में सामान बेचे जाने पर व्यवस्था दी गई है। बावजूद इसके जरुर वस्तुओं से लेकर गैर जरुरी चीजों तक की बेलगाम कीमत से खरीदार बेजार हैं।

इसके विपरीत शहर में मिल रही सब्जियों के दाम के बनिस्बत गांवों, तहसीलों में बिक रहीं हरी सब्जियों की कीमत में जमीन आसमान का फर्क है। रायपुर में भिंडी प्रति किलो 60-70 रुपए है तो यही शहर की सीमावर्ती गांवों में सीधे बाड़ी से तोड़कर खुले बाजार में महज 30-40 रुपए और बसना इलाके के गांव में यह दर 20 रुपए तक है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि राहत भरी तैयारियों पर दलाली और दलालों की वजह से दर कितना हावी है। यही नहीं गैर जरुरी सामानों में आने वाली वस्तुओं में तंबाकू उत्पाद, सिगरेट, पान मसाला की तय कीमत से 80 रुपए तक ज्यादा वसूली धंधेबाज कर रहे हैं। राजधानी रायपुर में सिगरेट का 10 वाला पैकेट जो 165 रुपए का है वो 230 रुपए में छुपकर बेच रहे हैं। पान पराग, रजनीगंधा जैसे गुटखों का पाउच 5 रुपए वाला 7 रुपए में दिया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि शराब के शौकिनों से भी अवैध तौर पर शराब बेचने वाले स्टाकिस्टों ने ब्लैंडर, आरएस जैसे ब्रांड की बंपर 2000 रुपए से 2600 रुपए तक में दे रहे हैं। आलू प्याज टमाटर तक 30, 40 और 50 रुपए कीमत पर बाजार में बिक रहा है।

आमापारा के आसपास लगने वाली सब्जी बाजार एक जगह हिन्द स्पोर्ट ग्राउंड में लगाये गए

आउटडोर स्टेडियम में आज सबरे सब्जी बाजार लगते ही भीड़ टूट पड़ी।

सीएम ने सीनियर अफसरों की बैठक में की समीक्षा

सभी जिलों में खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति और तय कीमतों से ज्यादा मुनाफाखोरी से लेकर विभिन्न मुद्दों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वरिष्ठ अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। आज शनिवार की शाम अपने निवास कार्यालय में सीनियर अफसरों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री प्रदेश में कोराना वायरस (कोविड-19) की रोकथाम के लिए की गई व्यवस्थाओं और आमजनता को खाद्यान्न सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति के संबंध में बैठक लेकर इसकी समीक्षा करते हुए निर्देश दिये हैं कि मुनाफाखोरों व तय कीमत से ज्यादा में सामान बेचने की शिकायतों को गंभीरता से लें। मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू को इस संबंध में सभी जिलों से जानकारी लेने को भी कहा है। मुख्यमंत्री की बैठक के पहले अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से वीडियो कांफ्रेसिंग करेंगे और जिलों में कोरोना वायरस से निपटने के लिए किए गए इंतजामों और लागों को खाद्यान्न सहित अन्य दैनिक जरूरतों के सामान की आपूर्ति हेतु की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे।

कॉलोनी -बस्तियों में कीमतें बेलगाम

आउटर की कॉलोनियों और बस्तियों में स्थित किराना दुकानों में माल सप्लाई नही हो पाने के कारण कई जरूरी सामान खत्म हो रहा है जिसकी वजह से स्थानीय रहवासी थोक बाजार गोलबाजार जाने को मजबूर है। किराना दुकानदारों का कहना है कि 2 से 3 दिन पहले आर्डर दिया हुआ है लेकिन पुलिस रास्ते मे गाड़ियों को आने नही देने की वजह से सामान दुकानों तक नही पहुंच पा रहा है...खबरों से प्रशासन का ध्यान इस ओर दिलवाए। जिससे समय पर सामान पहुंचे और लॉक डाउन पूरी तरह से सफल रहे और कोरोना को हराने में मदद मिल सके।

कमिश्नर-आईजी ने ली जिला अफसरों की बैठक

आज गरियाबंद जिले में रायपुर कमिश्नर जीआर. चुरेंद्र एवं पुलिस महानिरीक्षक डा. आनन्द छाबड़ा ने जिले के अधिकारियों की लाक डाऊन से सम्बंधित समीक्षा बैठक लिए और लाक डाऊन में जीवन सुचारु रूप से चलने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। संक्रमण से बचाव के लिए जरुरी ऐहतियाती कदम व निर्देशों के पालन के साथ ही राशन, सब्जियों, दवाएं, दैनिक वस्तुओं की उपलब्धता, कीमत पर भी चर्चा की है। मुनाफाखोरों की शिकायत मिलने पर भी तत्काल सख्त कार्रवाई के लिए बैठक में निर्देशित किया गया है।

रायपुर (नव प्रदेश)। अलग अलग जगह से रायपुर आये लोग लॉक डाउन में फंसे। कहीं रुकने का ठिकाना नहीं मिलने से मेकाहारा के सामने रुके हैं, उन्हें न खाने मिल रहा न ठीक से पानी। 10 रुपए में जो खाना मिलता था अब वो भी बंद कर दिए गए हैं। भूखे लोग जब मेकाहारा के सामने खाने की पॉकेट का वितरण किया गया तो खाना पैकेट के लिए मारामारी की स्थिति बन गई। फोटो- महादेव तिवारी

राष्ट्रपति सहित राज्यपालों एवं मुख्यमंत्रियों ने दी शोकाजंली

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रमुख दादी जानकी का निधन

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रजापिता बह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की 140 देशों की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी 104 वर्ष की आयु में ग्लोबल हास्पिटल माउंट आबू में 27 मार्च 2020 को सुबह 2 बजे निधन हो गया। विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थितिपज्ञ व्यक्तित्व में रुप में सम्मानित दादी जानकी बचपन से ही आध्यात्मिक प्रवृत्ति की थी। वह नियमित रुप से रामचरित मानस और सुखमणि साहिब का पाठ किया करती थी। उनका जन्म 01 जनवरी 1916 शनिवार को सिंघ के उत्तरी प्रांत में (अब पाकिस्तान) में हुआ था। किशोरावस्था में उनका विवाह तो हुआ था परंतु जीवन भर उन्होंने ब्रह्मचर्य का पालन किया। उन्हीं दिनों 1936 में दादा लेखराज कृपलानी के संपर्क में आई और उनके आध्यात्मिक प्रवचन से प्रभावित हुई किंतु उनके परिजन विरोध करते थे। अंततः वे 1937 में घर से भाग गई और ब्र्हाबाबा (दादा लेखराज कृपलानी)द्वारा संचालित ओम मंडली से जुड़ गई। 1937 से 1950 तक कराची में संचालित ओम मंडली की वे प्रमुखों में से एक थी। 1950 में ओम मंडली कराची से माउंट आबू राजस्थान आ गई। संस्था के विस्तारीकरण का कार्य दादी जानकी को सौंपा गया। जिसमें वे शत-प्रतिशत सफल हुई। उनकी प्रतिभा को देखते हुए ब्रह्माबाबा ने 1974 में उन्हें विदेश सेवा करने लंदन भेज दिया। चौथी तक शिक्षित दादी जानकी को अंग्रेजी का ज्ञान नहीं था किंतु उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। कुछ ही वर्षों में वह अंग्रेजी की प्रखर वक्ता बन गई और विदेशों में आध्यात्मिक शिक्षा के प्रसार-प्रचार की प्रखर वक्ता हो गई। 1978 में अमेरिका के टेक्सास यूनिवर्सिटी के चिकित्सा एवं अनुसंधान विभाग की ओर से इलेक्ट्रोइन से फ्लोग्रा करने के बाद से उन्हें विश्व की सर्वाधिक स्थित दिमाग वाले व्यक्ति का खिताब दिया गया। विदेश सेवा के दौरान उनकी टीम ने दिन-रात मेहनत की और परिणाम स्वरुप लगभग दस लाख लोग आध्यात्मिक सेवा से जुड़े हुए है। 25 अगस्त 2007 से वे संस्थान प्रमुख के रुप में सेवाए दी। वर्ष 2017 में केन्द्र सरकार ने उन्हें स्वच्छ भारत अभियान की ब्रांड एम्बेसडर बना दिया। उनकी कार्यक्षमताा को देखते हुए गीतम यूनिवर्सिटी विशाखापटनम ने डॉक्टरेट की उपाधि दी। दादी जानकी ने वर्ष 2019 में 103 वर्ष की आयु में विश्व शांति के लिए 72 हजार किलोमीटर की आध्यात्मिक यात्रा भी की। उन्होंने जहां कंपेनियन ऑफ गॉड, विंग्स ऑफ सोल और पल्स ऑफ विसडम जैसी आध्यात्मिक किताबे प्रकाशित करवाई वहीं उन पर केन्द्रीत लिज हाडकिंग्स जैसे विश्व प्रसिद्ध लेखक ने दादी जानकी ए सेन्चुरी ऑफ सर्विस जैसी किताबे लिखी। उनके निधन पर देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा सभी मंत्रियों समेत विभिन्न प्रांतों के

मुख्यमंत्री ने दादी जानकी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ब्रम्हाकुमारी संस्थान की प्रमुख दादी जानकी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा है कि दादी जानकी ने ब्रम्हकुमारी संस्थान के माध्यम से पूरे समाज को अध्यात्म के रास्ते पर आगे बढ़ाने में अतुलनीय योगदान दिया।

दादी जानकी ने पूरे समाज को अध्यात्म के रास्ते पर आगे बढ़ाने में अतुलनीय योगदान दिया-डा. महंत

विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने ब्रम्ह कुमारी संस्थान की प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। डॉ महंत ने कहा कि दादी जानकी ने ब्रम्हकुमारी संस्थान के माध्यम से पूरे समाज को अध्यात्म के रास्ते पर आगे बढ़ाने में समाज को अतुलनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि - राजयोगिनी दादी जानकी ने पूरे विश्व में मन, आत्मा की स्वच्छता के साथ बाहरी स्वच्छता के लिए अनोखा कार्य किया।

राज्यपाल ने जताया शोक

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने ब्रहमकुमारी संस्थान की मुख्य प्रशासिका, राजयोगिनी दादी जानकी के निधन पर गहरा दुख प्रगट किया है। उन्होंने कहा है कि दादी जानकी ने पूरी दुनिया को अध्यात्म का सन्देश दिया और विश्व शांति की राह दिखाई। वे अंतिम समय तक समाज की सेवा करती रही। उनका पूरा जीवन समाज के लिए समर्पित रहा।

युवा पत्रकार दीपक टंडन ने मुख्यमंत्री सहायता कोष दिया अंशदान

रायपुर (नव प्रदेश)। फिल्मी छत्तीसगढ़ पत्रिका के संपादक व युवा पत्रकार दीपक टंडन ने नोवल कोरोना वायरस कोविड-19 के रोकथाम व जनता के प्रति अपनी सहजता दिखाते हुए छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री सहायता कोष में 5011/- रूपये का अपना योगदान दिया है।

इस सराहनीय प्रयास के लिए छत्तीसगढ़ी फ़िल्म जगत के वरिष्ठ निर्माता, निर्देशक व कलाकारों ने सहरानीय कदम बताया व किसी ने पहल किया। वही छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री की ओर से प्रोडूसर एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष जैन ने सराहनीय पहल के लिए दीपक टंडन को साधुवाद दिया। दीपक टंडन बताया की इस आपातकाल की स्थिति से निपटने के लिए क्षेत्र की जनता की हरसंभव सहायता करने का संकल्प लेता हूं तथा सभी प्रदेशवासियों से अपील करता हूं कि आपसे जितना हो सके सहायता प्रदान करें एवं इस संघर्ष में सहभागिता अपनी दे, एवं जरुरतमंदो की मदद करें। आज हमारा देश एवं प्रदेश महामारी कोरोना वायरस से जूझ रहा है, इसको जड़ से खत्म करना है आये इस महामारी को मिलकर खत्म करें। एवं जनता को जागरूक करें व जागरूक रहें एवं सभी अपने घर पर रहें एवं सरकार के निर्देशों का पालन करें।

संपादकीय

दुनिया को राह दिखाता भारत

कोरोना वायरस के प्रकोप ने वैश्विक संकट का रूप धारण कर लिया है। पूरी दुनिया कोरोना वायरस से जूझ रही है। शक्तीशाली देश कहे जाने वाले अमेरिका, रूस, जापान, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन सहित तमाम देश इस संकट से निपटने के लिए राह तलाश रहे है। ऐसी विकट स्थिति में भारत उन्हे राह दिखाने के लिए सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले शार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों से विडियो कांफ्रेसिंग के जरिए इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा की और सभी शार्क देशों को कोरोना वायरस से मुकाबला करने के लिए एक जुट होने का आव्हान किया था इसके लिए उन्होने एक कोष बनाने की सलाह दी और भारत की ओर से इस कोष के लिए एक बड़ी धन राशि देने का एलान किया था। पीएम मोदी की इस पहल का सभी शार्क देशों ने स्वागत किया था। अब एक कदम और आगे बढ़ते हुए पीएम मोदी ने विडियों कांफ्रेसिंग के जरिए जी-20 के नेताओं से इस विषय पर गंभीर चर्चा की जिसमें अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, साउदी अरब और जापान सहित जी-20 के सभी राष्ट्राध्यक्षो ने कोरोना को लेकर मंथन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में हुई इस चर्चा के बाद जी-20 देशों ने कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए पांच ट्रिलियन डॉलर खर्च करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 के नेताओं सं आग्रह किया कि वे मेडिकल रिसर्च को आपस में शेयर करें और विश्व स्वास्थ्य संगठन को और अधिक मजबूत करें। ताकि इस वैश्विक महामारी से निपटा जा सके और मानवता की रक्षा की जा सके। पीएम मोदी की इस पहल ने पूरी दुनिया में उम्मीद की एक नई किरण जगाई है और सभी देश भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे है। गौरतलब है कि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक बार फिर प्रशंसा की है। ऐसा लगता है कि भारत विश्व गुरू की भूमिका निभाने लगा है जो हम भारतीयों के लिए गर्व बात है। इस बीच पीएम मोदी ने देशव्यापी लॉकडाउन के चलते गरीबों, किसानों, मजदूरों और महिलाओं की मदद के लिए भारत के इतिहास में सबसे बड़े राहत पैकेज का एलान किया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत एक लाख सत्तर हजार करोड़ रूपए के राहत पैकेज की उन्होने घोषणा की है जिसके तहत 80 करोड़ गरीबो को तीन माह तक 10 किलो अनाज निःशुल्क दिया जाएगा। उम्मीद की जानी चाहिए की पीएम मोदी के सद्प्रयासों से भारत इस चुनौती का सामना करने में सफल होगा और दुनिया को भी नई राह दिखाएगा।

विचार

कोरोना: घर-घर पहुंचे राहत

कोरोना पूरी दुनिया के लिए बड़ी चुनौती है। मानवता संकट में है। ऐसे में सरकारों के सामने एक और नई चुनौती सामने आने वाली है। वह चुनौती आर्थिक मोर्चे पर है भारत समेत पूरी दुनिया में सरकारों के सामने आर्थिक मोर्चे पर अभी तिहरी चुनौती है। एक तरफकाफी पहले से निजी क्षेत्र की ओर उन्मुख हो चुके स्वास्थ्य और चिकित्सा ढांचे के बल पर विशाल आबादी की कोरोना वायरस से जुड़ी जांच कराना और बड़ी तादाद में लोगों का इलाज सुनिश्चित करना, जिसके लिए सरकारी खजाने से काफी सारी रकम खर्च करनी पड़ रही है। दूसरे, बिना किसी काम-धाम के अपने घरों में कैद करोड़ों लोगों के कम से कम तीन-चार महीने जिंदा रहने की व्यवस्था करना। और तीसरे, आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी- 2008 तो क्या, 1929 की महामंदी से भी बड़ी- आर्थिक मंदी से यथाशीघ्र उबरने का एक खाका भी तैयार रखना, ताकि महामारी से बचे लोग आने वाले दिनों में बेरोजगारी और भुखमरी के शिकार न हो जाएं। लगभग सभी देशों की सरकारों ने इन तीनों लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए विशाल राहत पैकेजों की घोषणा करनी शुरू कर दी है, हालांकि ज्यादातर के यहां विभिन्न वजहों से खजाने का बाजा बजा हुआ है। अमेरिका में 2200 अरब डॉलर के ऐतिहासिक राहत पैकेज के तुरंत बाद अपने यहां वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने पेंशनयाफ्ता बुजुर्गों, अकेले घर चलाने वाली महिलाओं, दिव्यांगों और अकुशल ग्रामीण मजदूरों से लेकर किसानों, कंपनी कर्मचारियों और स्व-सहायता समूहों तक के लिए 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये की ऐसी कई योजनाएं घोषित की हैं, जिनके जरिये तीन महीने तक या तो कुछ अतिरिक्त रकम सीधे उनके खाते में जाएगी, या अपनी ही रकम एडवांस में निकाल कर वे अपने पारिवारिक खर्चे पूरे कर सकेंगे। संकट की घड़ी में लोगों को सरकारी मदद देने की बात कहने में आसान लगती है लेकिन व्यवहार में यह काम बहुत मुश्किल होता है। सीधे खाते में रकम भेजना तकनीकी तौर पर इस समस्या को संबोधित करने का सबसे अच्छा तरीका है, लेकिन सालोंसाल हम देखते आ रहे हैं कि बीच में बैठे घड़ियालों ने इस अमानत में भी खयानत करने के तमाम तरीके खोज लिए हैं। जब भी बात सख्ती की आती है, उसके नमूने सड़क पर मिल जाने वाले गरीब-गुरबा पर पड़ रहे पुलिस के डंडों की शक्ल में ही देखने को मिलते हैं। आने वाले दिनों में प्रशासन को कुछ ऐसी मिसालें कायम करनी चाहिए, जिसमें लोगों के बैंक खातों में आया सरकारी पैसा निकालने के लिए भी पैसे ऐंठने वाले बैंककर्मी और दलाल, चीजों की अनाप-शनाप कीमतें वसूलने वाले व्यापारी और सुरक्षित काम-धंधों को भी चालू रखने के लिए घूस खाने वाले अफसर दंडित होते दिखें। कोई नहीं जानता कि घर बैठने को मजबूर लोगों का गुजारा इन सारे उपायों के बाद भी हो पाएगा या नहीं, उनके परिजनों की छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज हो पाएगा या नहीं, और हालात सामान्य होने के बाद वे काम पर लौटने की हालत में होंगे या नहीं।

कोरोना, इम्यूनिटी और वैश्विक मयखाने में तब्दील भारत..!

डॉ अजय खेमरिया

> पूरी दुनिया जब योग पर अबलम्बन की ओर है और यूरोप में 2010 के बाद शराब की खपत 10 फीसदी कम हो गई है तब भारत मे यह खपत दोगुनी हो जाना हमारी सामूहिक चेतना, हमारी विरासत हमारे मर्यादित जीवन को कटघरे में खड़ा करता है।शराबबंदी लागू कर आबकारी राजस्व केंद्र से समायोजित करने का जो सुझाव दिया जाता है उस पर भी बिहार,गुजरात मॉडल के आलोक में नीतिगत निर्णय लिया जा सकता है।कोरोना पर लाखों करोड़ खर्च करने के बाद क्या सरकारें आरोग्य भारत के लिए शराबबंदी करने की हिम्मत करेंगी?यह नेताओं,अफसरों,ठेकेदारों के नेक्सस के लिए बड़ा कठिन है पर मोदी है तो मुमकिन है इसकी भी परीक्षा इस प्रस्ताव से हो सकती है।

कोरोना वायरस शराब पीने से मर जाता है यह अफवाह भारत मे इतनी तेजी से फैली की सरकार और अब डब्ल्यू एच ओ तक को यह एडवाइजरी जारी करनी पड़ी की शराब से कोई वायरस नही मरता है ।यह शरीर के लिए हर स्थिति में नुकसानदेह है। असल में भारत आज एक और हमले से पस्त हो चुका है वह है सरकार प्रायोजित शराब हमला। आज चर्चा इम्यूनिटी यानी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की हो रही है क्योंकि कोरोना इसी सिस्टम को ध्वस्त करता है।लेकिन हमें यह देखना होगा कि कैसे हमारे देश में आम आदमी की इम्युनिटी खत्म करने पर सरकारें तुली हुई है।शराब से कमाई के लालच में हर राज्य अपने ही नागरिकों को मौत के मुंह मे धकेल रहे है।लाखों करोड़ के इस सरकारी खेल में सभी दल भी बराबरी से निर्वस्त्र है।मप्र और हरियाणा में अब आप घर बैठे ऑनलाइन शराब मंगा सकते है।मप्र सरकार शराब से अगले बर्ष 12 हजार और हरियाणा 7.5हजार करोड़ राजस्व जुटाएंगी। दोनों ही राज्यों में इस प्रावधान को लेकर विरोध हो रहा है।।मप्र की सरकार ने तो एक और निर्णय लिया है महिलाओं के लिए बड़े शहरों में शराब की अलग से दुकानें खोली जा रही है।इन दुकानों पर मुंबई,दिल्ली कोलकाता जैसे बड़े शहरों में मिलने वाली ब्रांडेड शराब उपलब्ध होगी। फिलहाल देश मे लगभग 2 फीसदी महिलाएं शराब का सेवन करती है।कमलनाथ के इस निर्णय को लेकर भी तीखी आलोचना हुई थी लेकिन शिवराज सिंह ने अभी तक इसे निरस्त नही किया है।

इधर केंद्रीय बजट में इस साल नशामुक्ति कार्यक्रम के लिए पहली बार 260 करोड़ का प्रावधान किया गया है।भारत मे शराब से हर 90 मिनिट पर एक नागरिक की मौत हो जाती है।करीब एक लाख मौत तो शराब पीकर गाड़ी चलाते समय निर्दोष राहगीरों और चालकों की हो रही है।सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय16 करोड़ नागरिक नियमित रूप से शराब पी रहे है।चरस,अफीम,गांजा,भांग,सिगरेट का नशा करने वाले भारतीयों की संख्या जोड़ दी जाए तो वह करीब 15 करोड़ और होगी।एम्स और नेशनल ड्रग डिपेंड्स ट्रीटमैंट सेंटर द्वारा तैयार इस शोध में शराब पीने वाले भारतीयों की आयु 10 से 70 सर्वेक्षित की गई है।16 करोड़ शराब पीने वालों में से 6.7 करोड़ तो आदतन यानी एडिक्ट है। 5.7करोड़ भारतीय इस वक्त शराब जनित रोगों से ग्रस्त है।एक तरफ प्रधानमंत्री फिट इंडिया अभियान पर काम कर रहे है दूसरी तरफ भारत में शराब मार्केट सबसे तेज 8.8फीसदी की दर से बढ़ रहा है ।अनुमान है 2022 में 16.8बिलियन लीटर शराब की खपत भारत मे होगी।सवाल यह है कि क्या राज्य सरकारें चुनावी वादों की पूर्ति के लिए अपने ही नागरिकों के जीवन को दांव पर नही लगा रही है?नजीर के तौर पर मप्र में 2003 में शराब का राजस्व 750 करोड़ था जो इस बर्ष 12 हजार करोड़ हो गया है।इसी साल महाराष्ट्र सरकार 17477,छत्तीसगढ़ 4700,यूपी 23918,तमिलनाडू 31157,आंध्र प्रदेश 6222 की कमाई अपने ही नागरिकों को शराब परोसकर कर चुकी है।यूपी में 4.20,मप्र में 1.20बंगाल में 1.40करोड़ लोग शराब पी रहे है। यह नमूना समंक बताते है की सरकारी स्तर पर शराब बेचने के लिए हमारी सरकारें कितनी शिद्दत से जुटी है।भारत में सेवन की जानी वाली शराब में 90 फीसदी हार्ड अल्कोहल होता है जो वैश्विक मानक और प्रचलन के 44 फीसदी की तुलना में ज्यादा खतरनाक है।यूरोप की तरह शराब का मतलब हमारे यहां वाइन या बीयर भी नही है ।बल्कि हार्ड ड्रिंक शराब पीते है भारतीय जो शरीर को अंदर से खोखला कर देती है। जो कैंसर, सिरोसिस सहित करीब 200 तरह की गंभीर बीमारियों की जनक भी है ।डब्लू एच ओ की रिपोर्ट कहती है कि एक दशक में भारत मे शराब की खपत दोगुनी हो गई है।2005 में प्रति व्यक्ति यह 2.4लीटर थी जो 2016 तक 5.7लीटर हो गई।भारत दुनिया का तीसरा सर्वाधिक शराब सेवन वाला देश है।सरकारी सर्वे के इतर करोड़ों लोग ऐसे भी है जो परम्परागत तरीकों से बनी शराब का सेवन कर रहे है खासकर वनांचल में ताड़ी,खजूर,गुड़,यहां तक कि मानव मूत्र से बनने वाली शराब इसमें शामिल है।शराब केवल सरकारी राजस्व तक का मामला नही है असल मे यह नेताओं, अफसरों और माफिया के गठजोड की सम्पन्नता का माध्यम भी है।जितना राजस्व सरकारी खजानों में दिखता है कमोबेश उतना ही इसके खेल में अवैध रूप से भी बनता है। सीएजी की एक हालिया रिपोर्ट में यूपी में मायावती और अखिलेश के कार्यकाल में करीब 25 हजार करोड़ की चपत का खुलासा हुआ है।यह रकम डिस्लरीज और बड़े सिंडिकेट ने शराब के दाम अवैध रूप से बढाकर जनता से वसूल ली लेकिन खजाने में जमा नही हुई।यही खेल देश के सभी राज्यों में सुगठित ढंग से चल रहा है।सरकार बदल जाती है लेकिन माफिया नही।

प्रश्न यह है कि आखिर हम अपनी ही नीतियों से मुल्क को कहां ले जा रहे है?1929 में महात्मा गांधी ने हरिजन में लिखा था कि 'अगर कोई उनसे स्वराज और शराबबन्दी में से एक चुनने का विकल्प दे तो मैं पहले शराबबन्दी को चुनूँगा'पूरा देश आज बापू की 150 वी जयंती मना रहा है।क्या गांधी के प्रति हमारी यही वैचारिक प्रतिबद्धता है। आज भारत को हमने वैश्विक शराब बाजार में तब्दील कर दिया।संविधान के अनुच्छेद 47 में जो नैतिक आदेश सरकार को मिले है क्या उनके प्रति कोई नैतिक जबाबदेही नही है संविधान की शपथ उठाने वालों की? बेहतर होगा 5 ट्रिलियन के आर्थिक लक्ष्य को आगे रखकर हम एक राष्ट्रीय शराब नीति का निर्माण करें।चरणबद्ध तरीके से शराब के प्रचलन और कारोबार को घटाने के प्रयास करें।लाखों करोड़ के राजस्व में से स्थानीय खनिज निधि की तरह हर जिले में राजस्व का एक चौथाई हिस्सा नशामुक्ति केंद्रों या वेलनेस सेंटर के लिये आरक्षित कर दें।क्योंकि छतीसगढ़ जैसे पिछड़े राज्य में आज 35 फीसदी लोग शराब पी रहे है।

मुख्यमंत्री पद पर शिवराज सिंह की वापसी

एल एस हरदेनिया

> राज्य में सत्ता गंवाने के बाद कांग्रेस में कब्रिस्तान की खामोशी है। दिग्विजय सिंह और एआईसीसी प्रभारी दीपक बाबरिया जैसे वरिष्ठ नेताओं के बयान पर रोक लगी हुई है। सिंह ने एक खुले पत्र में कांग्रेस सरकार के पतन के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया को दोषी ठहराया। यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि गुटीय लड़ाई के लिए दिग्विजय सिंह को दोषी ठहराने वाले राजनीतिक पर्यवेक्षकों का एक वर्ग है, जिसके परिणामस्वरूप नाथ सरकार का पतन हुआ। यह कहा जा रहा है कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी के भीतर एक उपयुक्त पद और सम्मान की उम्मीद खो दी थी। लेकिन यह असत्य है। यदि वह वास्तव में एमपीसीसी अध्यक्ष बनना चाहता थे, तो वह 2013 में पदभार ग्रहण कर सकता थे जब यह पद उसे प्रदान किया गया था। लेकिन उन्होंने केंद्रीय मंत्री बने रहना पसंद किया।' दिग्विजय सिंह ने अपने एक ट्वीट में कहा।

कमलनाथ की नियुक्तियों को वे तेजी से कर रहे हैं रद्द

विश्वास मत जीतने और चैथी बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, शिवराज सिंह चैहान ने कमलनाथ द्वारा इस्तीफा देने से कई घंटे पहले लिए गए कई फैसलों को रद्द कर दिया है। नाथ ने कई महत्वपूर्ण कांग्रेस नेताओं को विभिन्न पदों पर नियुक्त किया था। अधिकांश नियुक्तियां ऐसी थीं जो स्वभाव से अर्ध-न्यायिक थीं। राजनीतिक संकट के घेरे में, नाथ सरकार ने संवैधानिक निकायों के प्रमुखों की नियुक्ति की, जिनमें मप्र महिला आयोग, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, एससी आयोग, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ और एसटी आयोग शामिल हैं। इन सभी नियुक्तियों को अब रद्द कर दिया गया है, मंगलवार को एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है। राज्य महिला आयोग में नियुक्ति पर फैसला जल्द होने की संभावना है। मुझे पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो एक संवैधानिक पद है। सरकार तीन साल तक बदलाव नहीं कर सकती है। मैं फैसले को अदालत में चुनौती दूंगा, ÷वरिष्ठ कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया ने कहा।

शिवराज सरकार ने राजगढ़ की कलेक्टर निधि निवेदिता को भी उप सचिव के रूप में सचिवालय में स्थानांतरित कर दिया। निवेदिता ने 19 जनवरी को अपने क्षेत्र में एक सीएए समर्थक रैली के दौरान कानून और व्यवस्था का प्रबंधन करने की कोशिश करते हुए एक भाजपा नेता को कथित रूप से थप्पड़ मार दिया था। उनकी डिप्टी प्रिया वर्मा भी कथित तौर पर इस घटना में शामिल थीं। वह भी स्थानांतरित हो गयी है, ऐसा माना जा रहा है। सचिवालय में उप सचिव, नीरज कुमार सिंह को राजगढ़ कलेक्टर नियुक्त किया गया है। भाजपा ने इस घटना के विरोध में और राजगढ़ में अधिकारियों की कथित उच्च पदस्थता के खिलाफ आंदोलन किया था। पार्टी ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी। कांग्रेस सरकार ने इस घटना की जांच के आदेश दिए थे और दोनों अधिकारियों को मामले में क्लीन चिट दे दी गई थी।

इसके अलावा, सरकार ने रीवा के नगरपालिका आयुक्त, सभाजीत यादव को भी स्थानांतरित कर दिया, जिन्होंने एक पूर्व भाजपा मंत्री राजेंद्र शुक्ला पर 5 करोड़ का नोटिस, कथित तौर पर मानहानि के लिए भेजा था। यादव को सचिवालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, सीईओ जिला पंचायत रीवा अर्पित वर्मा को नगर आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। विश्वास मत जीतना भाजपा के लिए एक सहज मामला था क्योंकि कांग्रेस ने विधानसभा सत्र में भाग नहीं लेने का फैसला किया था। विश्वास मत के बाद विधानसभा को स्थगित कर दिया गया। लेकिन बजट और कुछ अन्य महत्वपूर्ण मामलों को अनुमोदित करने के लिए इसे फिर से आहूत करना होगा।

राज्य में सत्ता गंवाने के बाद कांग्रेस में कब्रिस्तान की खामोशी है। दिग्विजय सिंह और एआईसीसी प्रभारी दीपक बाबरिया जैसे वरिष्ठ नेताओं के बयान पर रोक लगी हुई है। सिंह ने एक खुले पत्र में कांग्रेस सरकार के पतन के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया को दोषी ठहराया। यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि गुटीय लड़ाई के लिए दिग्विजय सिंह को दोषी ठहराने वाले राजनीतिक पर्यवेक्षकों का एक वर्ग है, जिसके परिणामस्वरूप नाथ सरकार का पतन हुआ। यह कहा जा रहा है कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी के भीतर एक उपयुक्त पद और सम्मान की उम्मीद खो दी थी। लेकिन यह असत्य है। यदि वह वास्तव में एमपीसीसी अध्यक्ष बनना चाहता थे, तो वह 2013 में पदभार ग्रहण कर सकता थे जब यह पद उसे प्रदान किया गया था। लेकिन उन्होंने केंद्रीय मंत्री बने रहना पसंद किया।' दिग्विजय सिंह ने अपने एक ट्वीट में कहा।

'2018 में उन्हें डिप्टी सीएम के पद की पेशकश की गई थी लेकिन उन्होंने मना कर दिया और इसके बजाय तुलसी सिलावट के नाम का प्रस्ताव रखा।' सिंह ने आरएसएस को भी निशाने पर लिया और कहा, 'आज कांग्रेस की राजनीति सिर्फसत्ता की नहीं है। यह संघ की विचारधारा का सामना करने के बारे में भी है। ये दोनों विचारधाराएँ भारत की अलग-अलग कल्पना करती हैं। भारत का भविष्य अब इन विचारधाराओं में से एक की जीत पर निर्भर करता है। यही कारण है कि कांग्रेस सरकार के नुकसान ने न केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बल्कि सभी आम नागरिकों को भी पीड़ा दी है, जो आरएसएस दर्शन के आधिपत्य के खिलाफसंघर्ष कर रहे हैंए ÷ कांग्रेस नेता ने लिखा। दीपक बाबरिया ने कांग्रेस सरकार के पतन के कारणों का विश्लेषण करते हुए एक साक्षात्कार के दौरान कहा, ÷मुझे लगता है कि सबसे बड़ा कारण प्रतिद्वंद्वी दलों की राज्य सरकारों को नीचे लाने के भाजपा के अथक प्रयास हैं। सिंधिया और बागी विधायकों जैसे हमारे बड़े नेताओं ने लोगों के हितों के ऊपर अपना स्वार्थ रखा। सिंधिया का कांग्रेस में प्रमुख स्थान था, लेकिन सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षा बहुत मजबूत साबित हुई। उन्हें डिप्टी सीएम के पद की पेशकश की गई, उन्होंने राज्यसभा सीट का भी वादा किया और आश्वासन दिया कि उन्हें बाद में राज्य कांग्रेस अध्यक्ष बनाया जा सकता है। लेकिन उन्होंने धैर्य खो दिया। - (संवाद)

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

धैर्य रखिये, घर पर रहिये

धैर्य रखिये, घर पर रहिये। आपके गुजर बसर के बारे में सरकार लग चुकी है और विस्तृत घोषणा जल्द होगी। आप लोग भी अगर कोई आसपास जरूरतमंद दिखे तो उसे सहयोग करें। ऑनलाइन मदद कर सकते है रिलीफ फण्ड में, पर जरूरी है कि आसपास के लोगों की भी मदद करें। किसी को चावल दाल ही उपलब्ध करा दें। छोटी मदद से भी बहुत बड़ी सहायता होगी। - **गजेन्द्र द्विवेदी गिरीश**

एक समय आएगा जब

एक समय आएगा जब मेरे नाती पोते पूछेंगे दादीजी नोटबन्दी की कहानी सुनाओ एनआरसी, सीएए की कहानी सुनाओ दादीजी आप कोरोना से कैसे बचें? अगर आप भी चाहते हैं कि आपके नाती पोते आपसे ये बात पूछें तो 20-21 दिन अपने घर में ही रहे ।।

- कमलकांत डोंगरे

ख़ास पाती

कोरोना से भयभीत होना

कोरोना से भयभीत होना स्वाभाविक है, मगर हमें अपना आत्मबल मजबूत रखना है।सोचिए अगिनत चिकित्सक ,नर्सेज ,वालेंटियर्स,पुलिसकर्मी और हमारे देश के मुखिया सब जीवन -मृत्यु की परवाह न करते हुए इस महामारी से मानवजीवन की रक्षा कर रहे हैं ।न भय ,न थकान ,सब कुछ भूल कर अपना कर्तव्य निभा रहे हैं । फिर हम डरे क्यों? सामना करे परिस्थितियों का ।हम विजयी होंगे ।कोरोना को हारना होगा ।।लक्ष्मण रेखा पार न करें ।देश के लिए सबसे बड़ा कर्तव्य होगा। - **स्नेहा पाण्डेय**

अस्पताल के योद्धा असली भगवान

अस्पताल के योद्धा असली कहलाते भगवान इस धरती पर ईश्वर रूपी आप बने वरदान सबकी आस तुम्ही पर होती काम न आता कोई जबजब बढा प्रकोप असाध्य औ सबकी लेले जान छुप जाते भयभीत हो सारे बड़ी बड़ी जो छोड़े जूझते होते हर मुश्किल से सीना डट के तान नयनों मे स्नेह भरा और हाथ कुशल करता हैं नैया पार लगा कर सब की देते जीवन के दान मेडिकल के हर बंदे की आभारी है दुनिया करते स्वास्थ्य सही सबका आते विपदा मे काम। - **रानी इन्दु**

कहते हैं उसकी लाठी मे आवाज़ नही होती

कहते हैं उसकी लाठी मे आवाज़ नही होती .... तुमने प्रकृति के साथ जो छेड़ छाड़ शुरू की है उसका नतीजा तो भुगतना ही पड़ेगा .... डिजिटल इंडिया ... अमेरिका .... चाइना ... क्या हुआ अभी तक ये वायरस कहाँ से आया क्या है कैसे खत्म होगा इसका पता नही लगा सके ... देख लो आखिर उसने तुम्हारी असली औकात दिखा ही दी .... प्रकृति से और करो खिलवाड़ .....

- भागीरथी सिंह

कौन क्या दे रहा है कौन क्या

कौन क्या दे रहा है ,कौन क्या कर रहा है ,यह मत देखो,हम क्या दे रहे हैं ,हम क्या कर रहे हैं यह अवश्य देंखें। पत्रकारिता से बचें समय में यदि शासन ,प्रशासन, या उसकी इजाजत से समाज को किसी भी तरह की सेवा की आवश्यकता हो तो मेरा ,तन, मन, धन, सब समर्पित है। मैं मानवता की सेवा हेतु हमेशा तत्पर हूं। ईश्वर सबका भला करेंगे। - **प्रमोद अग्रवाल**

विपदा से ग्रस्त देश,धरें कर्म

विपदा से ग्रस्त देश,धरें कर्म योगी वेश देश हित सोच मनु, धरम निभाइए। स्वच्छ रखें कर घर, करोना पे हो नज़र दूर से नमन करें, हाथ ना मिलाइए। राजशी है आव्हान मिल करें अनुष्ठान रोग विष धर इसे, मार के भगाइए। जीतनी हमें है जंग, बनिए न जयचंद नाहक विरोध कर, गाल ना बजाइए। - **सतीश मैथिल तनुज**

याद आती बहुत वो गली गांव

याद आती बहुत वो गली गांव की रह रही थी जहां इक कली गांव की मां पिता यार भाई बिछड़ सब गये साथ हैं ख्वाहिशें बस पली गांव की रास आया न मुझको शहर ये तिरा हा सताती बहुत खलबली गांव की खोजते खोजते थक गया हूं बहुत ना मिली रोटियां अधजली गांव की मै अकेला चला था सफर पे कभी आज आगे दुआयें चली गांव की - **जतिन फैजाबादी**

इस नये वर्ष की शुरुआत भय

इस नये वर्ष की शुरुआत भय और लाचारी के साथ साथ समझदारी की कसौटी से भी हुई है! मंगलकामनाएं हैं कि समझदारी की इस कसौटी पर हम सभी खरे उतरें और अपने अनमोल जीवन और रिश्तों को बचाए रखने में सफल हों। परिवार के साथ सकारात्मकता बनाए हुए खूब अच्छा समय व्यतीत करें। **-शिवानी जयपुर**

QUIZ TIME

1) संविधान सभा के किस अधिवेशन में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई? (चौथे / सातवें)

2) भारत में मुद्रा को जारी करने और उसके विनिमय पर लागू होने वाली पद्धति को क्या कहा जाता है?

3) भारत में प्रथम कृषि संगणना किस वर्ष प्रारम्भ की गई थी?

(क) 1960-61 (ख) 1965-66 (ग) 1970-71

4) जब मैग्मा जमकर तश्तरीनुमा आकार ग्रहण कर लेता है, तो क्या कहलाता है?

5) राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रथम महिला अध्यक्ष कौन है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) सातवें (2) [illegible] (3) 1970-71 (4) लैकोलिथ (5) जयंती पटनायक

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1572- हॉलैंड में स्पेन के सेना कमांडर के अत्याचारों के विरुद्ध जनान्दोलन आरंभ हुआ। 1795- पोलैंड का विभाजन हुआ। 1809- मेडलिन युद्ध में स्पेन ने फ्रांस को हराया। 1854- फ्रांस और ब्रिटेन ने रूस के खिलाफक्रीमिया युद्ध की घोषणा की। 1891- विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप आयोजित। 1917- प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान महिलाओं की सेना सहायक कोर की स्थापना हुई। 1922- अमेरिकी आविष्कारक ब्रेडली ए. फिस्के ने माइक्रोफिल्म पठन यंत्र का पेटेंट कराया। 1941- नेताजी सुभाष चंद्र बोस नजरबंदी से बचकर बर्लिन पहुँचे। 1964- इंग्लैंड के पास पहला समुद्री डाकू रेडियो स्टेशन बना। 2000- वेस्टइंडीज के कोर्टनी वाल्स ने 435 विकेट लेकर कपिल देव का रिकार्ड तोड़ा।

न्यूज गैलरी

सार्वजनिक जगहों पर किया सेनिटाईज

दुर्ग। निगम का हमला टैंकर के माध्यम से तथा सीकर के माध्यम से अनेक सार्वजनिक स्थानों वार्ड के गलियों, घरों में दवाई छिड़क कर कई जगहों को सैनिटाइज किया गया। उल्लेखनीय है कि पुराना वायरस के संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राज्य शासन और जिला प्रशासन के विभिन्न प्रयासों के साथी महापौर व आयुक्त के निर्देश पर निगम सीमा क्षेत्र के सभी सार्वजनिक जगहों को जहां अधिक आवागमन का जगह हो रुकने की जगह हो प्रतीक्षालय हो बस स्टैंड पोस्ट ऑफिस एटीएम सहित घरों और गर्मियों में नालियों आदि जगहों पर सैनिटाइज किया जा रहा है। इसी कड़ी में अमले ने जीवन प्लाजा भारतीय स्टेट बैंक गंजपारा का एटीएम जिला पोस्ट ऑफिस को सेनीटाइज किया गया।

जिले में लॉकडाउन, महँगाई बेलगाम, प्रशासन मौन

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कोरोना वायरस के कारण पूरा देश 21 अप्रेल तक लॉक डाउन है और इससे अगर कोई सबसे ज़्यादा प्रभावित होने वाला सामान्य वर्ग दोहरी मार झेल रहा है एक तरफ तो आज लोग नौकरी में असमंजस की स्थिति है और दूसरी ओर बढ़ती महंगाई केंद्र सरकार और राज्य सरकार महँगाई और कालाबाज़ारी को रोकने का दम भर रही है। वही राशन से लेकर सब्जी एवं रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं के दाम दिनों दिन बढ़ रहे है लेकिन प्रशासन बिल्कुल मौन है इसका प्रत्यक्ष प्रमाण आज दुर्ग में सब्जी बाजार और राशन की दुकान पर देखने मिला। दो दिनों पूर्व जिस सनफ्लावर तेल के 1 लीटर का पैकेट 90 रू में दिया जा रहा था वही आज 110 रु में बेचा जा रहा है। राईस ब्रान तेल का दाम 70 रु से बढ़कर 90 रु हो गया है और तो और पूजा के लिए रुई की बत्ती का जो पैकेट 10 रु में मिलता था आज वह 13 रु में बेचा जा रहा है। आज सब्जी मार्केट में नगर निगम के आयुक्त इन्द्रजीत बर्मन एवं अन्य कर्मचारियों तथा पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में आलू 20 रु एवं प्याज 30 रु किलो बाजार में बिक रहा था उसे आज 35 रु किलो बेचा जा रहा है। लेकिन उपस्थित इन प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान इस ओर नही दिया गया जो सब्जियां 10 से 25 रु किलो थी वो आज 25 से 45 रु किलो बेचा जा रहा है आज इस लॉक डाउन के मात्र 3 दिन ही बीते है और राशन और सब्जी की कीमतों में आग लगी हुई है। घर पहुँच सेवा के नाम पर 60 से 80 रु किलो मिलने वाला दही 100 रु किलो दिया जा रहा है तो शासन का यह दावा की घर पहुँच सेवा निःशुल्क प्रदान की जाएगी का दावा भी खोखला साबित हो रहा है। व्यापारी सामानों की कीमतों को बढ़ाकर निःशुल्क पहुंचाने का झूठा दावा किया जा रहा है। कोरोना जैसी बेलगाम होती माहमारी के कारण लॉक डाउन हुए देश प्रदेश में व्यापारी वर्ग अपनी मनमानी पर उतर आया है उसे आमजनता की परेशानियों से कोई सरोकार नही है ना ही जिले के मुखिया और शहरी सरकार के मुखिया की तरफ से कोई इस पर लगाम लगाने के लिए कोई कदम उठाते दिख रहे हैं। इस तरह की कार्यप्रणाली पर जनता के बीच यह चर्चा जोरों पर है। जहाँ देश एक वैश्विक माहमारी और कठिन आर्थिक मंदी की ओर जाता दिख रहा है उस समय प्रशासन की लचर कार्य प्रणाली के संदेहों को जन्म देती है जो न्यायसंगत भी नही है और अगर इस पर समय रहते ध्याकर्षित नहीं किया गया तो भविष्य में इससे आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा जिस पर लगाम लगाना मुश्किल हो जाएगा।

100 एमएल सैनिटाइजर और 500 एमएल हैंडवॉश के दाम 100 रुपए तय, ज्यादा में बेचा तो कार्रवाई

गुरुवार को कलेक्टर ने आदेश जारी कर किराना दुकान से मिलने वाली सामानों, सब्जियों, फलों तथा सैनिटाइजर व मास्क के दर का निर्धारण किया है। इसी अनुसार व्यापारियों को लोगों को सामान उपलब्ध कराने कहा है। 24 मार्च तक 100 एमएल के सैनिटाइजर की कीमत 50 रुपए तय की गई थी। अब नई व्यवस्था के मुताबिक यह 100 रुपए में बेचा जाएगा। कई स्थानों से राशन, सब्जी, फल, मेडिकल स्टोर से सामान्य दर तथा एमआरपी से अधिक कीमत पर सामग्री बेचने की शिकायतें मिल रही है। संकलित सूची के दुकानदारोंए विक्रेताओं को आदेशित किया गया है कि तय रेट लिस्ट अनुसार सामग्री की पैकेजिंग करते हुए होम डिलीवरी करें। वहीं मेडिकल संचालकों ने दावा किया है कि शनिवार से सैनिटाइजर, हैंडवॉश आदि की निर्धारित दर पर आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। व्यापार संगठनों जैसे फुटकर किराना संघ, सब्जी, फल विक्रेताओं आदि से चर्चा कर पैकेजिंग के लिए राशि निर्धारित की गई है। उपभोक्ताओं से तय दर से अधिक मूल्य नहीं लेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

राज्यसभा सदस्य ने दिए 1000 मास्क

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद सरोज द्वारा कोरोना वायरस के रोकथाम की पहल

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। एक और जहां संपूर्ण विश्व के साथ.साथ हमारा देश कोरोना वायरस से लड़ने के लिए प्रयासरत है और लोग अपने अपने स्तर पर अपनी सहयोग एवं मार्गदर्शन दे रहे हैं। इस जनहित महत्वपूर्ण विषय को लेकर गत दिन भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री और राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पाण्डेय को कलेक्टर अंकित आनंद से जानकारी मिलने पर कि जनता को बाँटने के लिए मास्क की कमी हो रही है।

सांसद ने तुरंत 1000 मास्क की व्यवस्था कराकर भाजपा जिलाध्यक्ष उषा टावरी एवं जिला मंत्री संतोष सोनी के द्वारा जिलाधीश अंकित आनंद के पास जनता वितरण के लिए उन्होंने भिजवाया।दूरभाष के माध्यम से सुश्री पाण्डेय ने कहा की आज हमारा देश विषम परिस्थितियों से होकर गुजर रहा है और ऐसे समय में हम सब एकजुट होकर अपना दायित्व छोटे बड़े रूप में निभा ही सकते हैं।

आप सभी अपने घरों के अंदर रहें और हो सके तो प्रशासन के द्वारा जो अनुरोध किया जा रहे है। जो दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं उनका पालन करें और हमें पूरा यकीन है केंद्र सरकार कि नरेंद्र मोदी सरकार के द्वारा देश हित में जो फैसले ले रही है उसके सुखद परिणाम ही आएंगे और निश्चित तौर पर हमारा देश कोरोना से हो रही जंग से जरूर जीतेगा।

लॉकडाउन का पालन करें संक्रमण की रोकथाम में करें सहयोग : सभापति

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। नगर निगम सभापति राजेश यादव ने आम जनता से अपील कर कहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए शासन के दिए गए निर्देश का पालन करें तथा लाकडाउन के दौरान वे अपने घरों में ही रहे बाहर ना निकले। उन्होंने बताया पूरा शहर लाकडाउन के तहत पूर्ण रूप से बंद है जगह जगह पुलिस प्रशासन के लोग मानिटरिंग कर रहे हैं। बिना जरूरत के कोई भी व्यक्ति अपने घर से बाहर ना निकलें। बेवजह बाहर घूमने वालों पर चलानी कार्यवाही की जा रही है। उहोंने कहा राज्य शासन के निर्देश पर निगम द्वारा आम नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए वॉलिंटियर्स तैयार किए हैं प्रत्येक वार्ड के लिए 3-3 वॉलिंटियर्स बनाए गए हैं। जिला कलेक्टर के माध्यम से सभी वॉलिंटियर्स के मोबाइल नंबर पब्लिश किया है। वार्ड स्तर पर तैयार किए वॉलिंटियर्स के मोबाइल नंबरों पर सूचना देकर वॉलिंटियर से संपर्क किया जा सकता है और अपनी जरूरत के सामान मंगा सकते हैं। कहीं पर भी किसी भी प्रकार से भीड़ एकत्रित ना होने दें कोरोना वायरस का संक्रमण भीड़ से फैलने की अधिक संभावना होती है। दुकानों में सामान खरीदते समय भी एक दूसरे से दूरी बनाकर रखें।

वार्ड क्रं. 8 में गश्त

दुर्ग। करोना वाइरस की इस बीमारी को रोकने के लिए आज वार्ड 8 तकियापारा में निगम द्वारा बनाएं गए वालिंटियर व वार्ड के कुछ सक्रीय युवाओं के साथ आज पूरे वार्ड में गस्त कर लोगो को घर में रहने की अपील की गई और साथ ही सभी वार्ड वासियों को हर प्रकार की मदद देने का वादा किया। वही बुजुर्गो को अस्पताल ले जाने व दवाई लाने का कार्य भी किया जाएगा बेवजह बाहर घूम रहे लड़को को डांट फटकार लगाया। युवाओं में नासिर खोखर, अखालिक शेरू, सैय्यद अनिश रजा, मो फारुख नथानी, शरीफ खान, अशरफ खोखर, मो मुकीम, शादाब खान, लतीफ खोखर उपस्थित थे।

केंद्र लागू करे न्याय योजना : वोरा

कम्युनिटी स्प्रेडिंग को रोकने घरों में रहने विधायक की अपील

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिले में भी कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद राज्य में पीड़ितों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। विधायक अरुण वोरा ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील करते हुए कहा है कि कम्युनिटी स्प्रेडिंग के स्तर तक यह घातक बीमारी ना पहुंच पाए इसके लिए आवश्यक है कि लोग किसी भी हाल में अपने घरों से ना निकलें। अति आवश्यक वस्तुओं के लिए जाना भी हो तो आस पास के ही दुकानों में पूरे एहतियात के साथ जाएं अथवा नगर निगम द्वारा नियुक्त वार्ड मित्रों से संपर्क करें। उन्होंने प्रदेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में इस वायरस की रोकथाम के लिए जिस तरह की दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ सरकार काम कर रही है उससे पूरा विश्वास है कि बहुत जल्द हम राज्य को कोरोना मुक्त कर लेंगे। कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी ने लॉकडाउन का समर्थन करते हुए वित्त मंत्री द्वारा दिए गए राहत पैकेज का स्वागत कर यह दिखा दिया है कि संकट के समय देश पूरी तरह एकजुट है। किन्तु राहत पैकेज जमीनी स्तर पर वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे इसके लिए सबसे अच्छा रास्ता कांग्रेस द्वारा लाई गई न्याय योजना है केंद्र सरकार को जनहित का ध्यान रखते हुए राहुल गांधी जी का यह सुझाव मान कर देश के गरीबों के लिए न्याय योजना लागू की जानी चाहिए।

संगठनों से आगे आने की प्रशासन ने की अपील

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। सम्पूर्ण विश्व में आई कोरोना वायरस की आपदा को देखते हुए जिला प्रशासन ने सेवाभावी संगठनों और नागरिकों से अपने नागरिकों की पोषण, सुरक्षा के लिए मुक्त हस्त से संकट में फंसे लोगों की मदद करने की अपील की है। इसके लिए सेवा भावी नागरिक, संस्थाएं, संगठन घर मे सुरक्षित रहते हुए भी लोगों की मदद कर सकते हैं। नागरिको, संस्थाओं, संगठनो के द्वारा दान की गई सहयोग राशि से लोगों के लिए लंच पैकेट तैयार कराए जाएंगे। यह पैकेट पूरी तरह हाईजिनिक होंगे और इनके वितरण में संक्रमण से रोकथाम के विशेष उपायों की व्यवस्था होगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने वालंटियर्स तैयार कर लिए हैं। चूंकि जिला प्रशासन द्वारा ऐसे आपदा ग्रस्त लोगों का चिन्हांकन किया जा रहा है। आपके द्वारा दी सहयोग का लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचेगा। सेवाभावी संस्थाओं, नागरिकों द्वारा चिन्हांकित जगहों पर भी उनकी सहयोग राशि से जरूरतमंदों को लंच पैकेट पहुंचाए जा सकेंगे। वर्तमान में नवरात्रि पर्व भी चल रहा है। अनेक परिवारो मे इस दौरान कन्या भोजन कराने की परंपरा है। दान.दाताओं द्वारा दी दान से अनेक परिवारो की कन्याओं तक भोजन पहुंचेगा।

महापौर देवेंद्र ने पीएम व इस्पात मंत्री को लिखा पत्र, लागू हो लॉकडाउन

बीएसपी कार्मिकों के हित में पहल करने की मांग

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते जहां चारो ओर लॉकडाउन कर दिया गया है। वहीं बीएसपी अभी भी चालू है। ऐसे में बीएसपी के कर्मचारी व अधिकारियों के हित में पहल करते हुए महापौर व विधायक देवेंद्र यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखा है। पत्र लिख कर श्री यादव ने बीएसपी के कार्मिकों के हित को देखते हुए उनकी ही छुट्टी करने का अनुरोध किया है। साथ ही पीएम व इस्पात मंत्री से यह भी मांग की है कि वे बीएसपी के जरूरी यूनिट जैसे फर्नेस आदि जो अति आवश्यक है। उन यूनिट को चालू रहे। लेकिन बांकि वे यूनिट व संस्थाएं जिन्हे बंद किया जा सकता है। उन्हें बंद किया जाए। ताकि बीएसपी के कर्मचारी.अधिकारियों को राहत मिल सके। कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा बना हुआ है। इस लिए मांग की गई है कि बीएसपी में कम से कम मैन पावर की आवश्यकता हो उतनी ही कर्मचारियों को ड्यूटी पर बुलाया जाए। शेष कर्मचारियों को घर में ही रहने का निर्देश जारी कर बीएसपी के कर्मचारी और उनके परिवार के हित को देखते हुए सरकार जल्द पहल करें।

विदेश यात्रा से वापस लौटे लोगों की हो रही है निगरानी

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम के लिए विदेश यात्रा से वापस आये नागरिकों का चिन्हांकन कर कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच की जा रही है। 26 मार्च तक विदेश यात्रा से आये 271 यात्रियों का जिले में चिन्हांकन हुआ। इनमें से 91 ने होम आइसोलेशन की 14 दिवस की अनिवार्य अवधि पूरी कर ली है। 180 व्यक्ति वर्तमान में होम आइसोलेशन क्वारन्टीन में हैं। केवल 41 व्यक्तियों में सर्दी.खांसी के सामान्य लक्षण मिले हैं जिसके परिप्रेक्ष्य में सभी के सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए। इनमें से 20 की रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हो चुकी है। बाकी की अभी आनी है। यदि कोई व्यक्ति विदेश यात्रा से वापस आया है अथवा कोई व्यक्ति ऐसे यात्री के संपर्क में रहे हैं तो उनके लिए 14 दिवस का होम आइसोलेशन, क्वारन्टीन अनिवार्य है।

जनपद पंचायतों में भी आपात सेल आरम्भ

प्रभारी अधिकारियों के हेल्पलाइन नंबर जारी

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिले में नोवेल कोरोना वायरस कोविड-19 संक्रमण के रोकथाम हेतु जिला एवं जनपद स्तर पर कोविड.19 आपात सेल का गठन किया गया है। जिले में विदेशों एवं अन्य प्रदेशों से ग्राम पंचायतों में आने वाले व्यक्तियों की जानकारी एकत्र की जा रही है। बाहर से आने वाले व्यक्तियों को होम आईसोलेशन में रखकर प्रतिदिन उनके स्वास्थ्य संबंधी अपडेपट जिला एवं जनपद स्तर पर कोविड .19 आपता सेल के अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा लिये जा रहे। ग्राम पंचायत स्तर पर प्रतिदिन स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानीन, आंगनबाड़ी कार्यकता, सहायिका, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं ग्राम पंचायत क्षेत्र के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा कोरोना वायरस के लक्षण वाले व्यक्तियों का चिन्हांकन किया जा रहा है। लक्षण पाये जाने पर इसकी सूचना चिकित्सा विभाग को दी जावेगी है। कोविड .19 आपात सेल में कार्यतर अधिकारी, कर्मचारियों को भी कोरोना वायरस से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियां बरतने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा निर्देश दिये गये है। जिला स्तरीय कोविड .19 आपात सेल में अजय कुमार मिश्रा जिला प्रभारी अधिकारी, स्वप्निल ध्रुव स.प.अ. हेल्प लाईन नं 96854.80085 एवं जनपद पंचायत स्तरीय कोविड .19 आपात सेल पर जनपद पंचायत में देवी सिंह ध्रुव हेल्प लाईन नं. 98279.92263, जनपद पंचायत धमधा में मुकेश तहकार मो. नं. 91741.28659 एवं जनपद पंचायत पाटन में जस्सु वर्मा हेल्प लाईन नं. 88272.78009 को प्रभार दिया गया है। जो व्यक्ति बाहर नहीं गये हैं किन्तु बाहर से आने वाले व्यक्तियों के सम्पर्क में रहे हैं, उन सभी व्यक्तियों पर निगरानी रखी जाये। बीमारी से संबंधित कोई भी लक्षण दिखने पर तत्काल इसकी सूचना स्वास्थ्य केन्द्र एवं कोविड .19 आपात सेल को उपलब्ध कराया जायेगा।

ग्रामीणों की जरूरतमंद को चिन्हांकित कर मदद के निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कोरोना वायरस कोविड.19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु लॉक डाउन के आदेश पूर्व में प्रसारित किये गये है। इन परिस्थितियों में आवश्यक है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद ऐसे परिवार, जिनके पास राशन का अभाव हो, उन्हें प्रत्येक ग्राम पंचायत में चिन्हांकित तथा विशेष परिस्थितियों में ऐसे जरूरतमंद परिवारों को सूखा राशन उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए पंचायतों को विशेष निर्देश दिए हैं। सामाजिक संस्थाओं की मदद भी ली जा सकती है। मूलभूत की राशि अथवा 14वें वित्त मद की राशि का उपयोग भी किये जाने के निर्देश दिये गए हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायतों में पंचायत के पास इस व्यवस्था बाबत् आकस्मिक उपयोग हेतु पर्याप्त मात्रा में चॉवल, दाल एवं अन्य अत्यावश्यक राशन सामग्री उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं।

भिलाई निगम.... जरूरतमंदों को देंगे खाना, 12 टैंकरों से होगी ब्लिचिंग का छिड़काव, घर-घर तक निगम पहुंचाएगी पानी

सेनेटाइज करेगी निगम, विशेषज्ञ डॉ देगें फ्री में सलाह

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। कोरोना के रोकथाम के लिए महापौर व भिलाई नगर विधायक के निर्देश व मार्गदर्शन में पूरे शहर को सैनेटाइज किया जाएगा। ताकि कोरोना वायरस का प्रकोप खत्म हो जाए। इसके अलावा नगर निगम प्रशासन लोगों की सुविधाओं के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर भी रखेंगे। जो ऑनलाइन लोगों को फ्री में सलाह व रोकथाम के उपाए बताएंगे। गुरूवार को महापौर व भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने महापौर कार्यालय में बैठक ली। बैठक में निगम कमिश्नर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व एमआईसी मेबर मौजूद रहे।

बैठक में कोरोना के रोकथाम के लिए कई अहम विषयों पर गंभीर चर्चा की गई और कई जरूरी फैसले लिए है। बैठक में फैसला लिया गया है कि निगम प्रशासन पूरे शहर को सेनेटाइज करेगा। यही नहीं कोरोना की वजह से पूरा जिला और प्रदेश सहित देश लॉक डाउन हो गया है। ऐसे में गरीब परिवार व जरूरत मंद लोगों की मदद के लिए कई अहम फैसले लिए गए। निगम प्रशासन ने 5 हजार पैकेट राशन के पहले से ही तैयार करा कर रख लिए। ताकि जरूरत मंदों की मदद की जा सके।

निगम प्रशासन समाज सेवी संस्थाओं से भी मदद लेगी। समाज सेवी संस्थाओं को जोड़ा जा रहा है। जो लोग खाना बनाकर वितरण करना चाहते हैं। उनके नाम एवं एरिया चिन्हित किया जाएगा। ताकि शहर के गरीब व जरूरत मंद लोगों को खाना का पैकेट उपलब्ध कराया जा सके। निगम प्रशासन राशन दुकानों की सूची एवं सप्लाई की व्यवस्था की है। राशन घरों तक पहुंचाने के लिए वालेंटियर की व्यवस्था करेगी।

कोरोना को हराने के लिए निगम प्रशासन पूरे शहर में फागिंग कराएगा। हर वार्ड में ब्लीचिंग का छिड़काव किया जाएगा। इसके लिए 12 टैंकर अलग से चलवाए जाएंगे। मार्केट का सर्वे कर अलग-अलग जगह सिफ्टिंग की जाएगी। दुकानों में गोला बनाकर ग्राहकों में डिस्टेंनश मेनटेन कराया जा रहा है। नियम का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में कहा कि आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने पर लोगों को पानी की समस्या न हो। इसके लिए टैंकर के माध्यम से सभी घरों तक पानी की सप्लाई की जाएगी। जिन जगहों पर पानी टेंकर के माध्यम से नहीं पहुंचाया जा सकता। वहां भी दूसरे माध्यमों से निगम लोगों को पानी उपलब्ध

राजयोगिनी दादी जानकी का निधन

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। नारी शक्ति द्वारा संचालित दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक संगठन ब्रम्हाकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका तथा स्वच्छ भारत मिशन ब्रांड अम्बेसडर राजयोगिनी दादी जानकी का 104 वर्ष की उम्र में देहावसान हो गया। माउण्ट आबू के ग्लोबल हास्पिटल में 27 मार्च को प्रातः 2 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें पिछले दो महीने से स्वांस तथा पेट की तकलीफ थी जिसका इलाज चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार ब्रम्हाकुमारीज के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में कान्फ्रेंस हाल के सामने मैदान में दोपहर 12.30 बजे हुआ। भिलाई सेवा केन्द्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने दादीजी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नारी शक्ति की प्रेरणास्त्रोत राजयोगिनी दादी जानकी का जन्म 1 जनवरी 1916 को हैदराबाद सिंध पाकिस्तान (अविभाजित भारत) में हुआ था। दादीजी ने 21 वर्ष की उम्र में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के आध्यात्मिक पथ को अपना लिया था और पूर्णरुप से समर्पित हो गयी थी। आध्यात्मिक उड़ान में शिखर छू चुकी राजयोगिनी दादी जानकी मात्र कक्षा चौथी तक पढ़ी थी। लेकिन आध्यात्मिक आभा से भरपूर भारतीय दर्शन, राजयोग और मानवीय मूल्यों की स्थापना के लिए 1970 में पश्चिमी देशों का रुख किया। दुनिया के 140 देशों में मानवीय मूल्यों के बीजारोपण के हजारों सेवाकेन्द्रों की स्थापना कर लाखों लोगों को एक नयी जिंदगी दी। जिसके लिए भारत सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड अम्बेसडर बनाया था। दादी जानकी के देहावसान की खबर सुनते ही देश विदेश के संस्था के अनुयाईयों ने भावभीनी के लिए योग साधना प्रारम्भ कर दी है। उनके पार्थिव शरीर को माउण्ट आबू से आबू रोड के शांतिवन परिसर तलहटी लाया जाएगा। जहां पर भावभीनी श्रद्धांजलि के पश्चात अन्तिम संस्कार किया गया। छग के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विश्व के प्रमुख हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

न्यूज गैलरी

पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने कोरोना संक्रमण हेल्प डेस्क में जिले के अधिकारियों की ली बैठक

कोंडागॉव । कोंडागॉव जिला प्रशासन योजनाबद्ध तरीके से लगातार कार्यरत हैं। वही स्थानिय विधायक व पीसीसी चिफ़ मोहन मरकाम भी लगातार नजर बनाएं हुए हैं साथ ही समय समय पर दिशा निर्देश दे रहे है । कोरोना संक्रमण हेल्प डेस्क में जिले के अधिकारियों की बैठक लेते हुए उन्होंने अधिकारियों से संयमता से काम लेने की जरूरत पर बल देते कहा कि जनता को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। वहीं जरूरी दिशा निर्देश देते विपदा की इस घड़ी में शासन के निर्देशों का पालन करने की लोगो से अपील भी की है। साथ ही पुलिसिया कार्यवाही पर भी संयम और धैर्य की आवश्कता की बात कही है। उन्होंने जिला प्रशासन को गरीब तबके के लोगो तक जीवनोपयोगी सामग्री मुहैया कराने की बात कही है। साथ ही जिले में कोई भी भूखा न रहे इस पर सामाजिक संस्थानो को भी आगे आ कर सहियोग करने की अपील की है।

विदेश दौरा छिपाने के मामले में एक के विरूद्ध मामला दर्ज

भाटापारा । अपने विदेशी दौरा को छुपाने और शाशन के निर्देशो का उल्लंघन के मामले में शहर पुलिस ने उक्त युवक के खिलाफ विभिन्न धाराओ के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। कोरोना वायरस को लेकर सम्भवत यह पहला मामला है। उपरोक्त सम्बन्ध में जानकारी देते हुए शहर थाना प्रभारी महेश धुव ने बताया की पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने नोवेल कोरोना वायरस कोविड 19 को गंभीरता से लेकर सूचना तंत्र मजबूत कर संक्रमण फैलने से रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए । जिसके परिपालन में निरीक्षक महेश कुमार ध्रुव थाना प्रभारी थाना भाटापारा शहर के नेतृत्व में थाना भाटापारा शहर के शहर क्षेत्र में आने जाने वाले की निगरानी एवं कानून व्यवस्था हेत चौक चौराह पर बल तैनात कर सतत निगाह रखी गई । लगातर पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमण कर नोवेल कोरोना वायरस कोविड 19 को फैलने से रोकने हेतु जनता को जागरूक करने , सोशल डिस्टेंस, भीड इक्ठ्ठा नही होने, सफाई से रहने सहित धारा 144 द0 प्र0 स0 का पालन करने की समझाईश लगातर देते हुए रोकथाम के उपाय किए जा रहे है । कि 01 (नियमानुसार गोपनीय) व्यक्ति को विदेश से घुमकर दिनांक 18/03/2020 को नेपाल से आने की सूचना मिली थी वह बेखौफ होकर चोक चौराह इधर उधर जा रहा है , घर में न रहकर शासन प्रशासन के आदेश का उलंघन कर रहा है और विदेश से आने की सूचना शासन प्रशासन , पुलिस विभाग , ष्ट॥ष्ट भाटापारा को नही दिया है 1 व्यक्ति के घर जाने पर नही मिलता था उसे किसी तरह से पकडा गया पूछताछ पर उक्त घटना कारित करना स्वीकार किया है जो शासन प्रशासन से अपने विदेश दौरा का यात्रा वृतांत को छिपाया है नोवेल कोरोना वायरस कोविड 19 को इधर उधर घुमकर फैलाने का प्रयास किया है आरोपी के विरूद्ध धारा 188, 269,270,271 भादवि और महामारी अधनियम 1897 की धारा 03 के तहत कार्यावाही किया गया उसे सख्त से सख्त निर्देश देकर होम क्वारेन्टाइन पर रखा गया है ।

हारमोनियम सुधारने वाले घुमंतू रहवासियों को राशन, तेल, नमक, सब्जी दिया गया

जांजगीर-चांपा । कलेक्टर श्री जनक प्रसाद पाठक के मार्गनिर्देशन में जरूरमंद लोगो को राशन, तेल, सब्जी आदी प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज चांपा एसडीएम श्री बजरंग दुबे ने चांपा तहसील के ग्राम पोंडिकला से 12 किलोमीटर दूर लगभग 30 की संख्या में फंसे हारमोनियम सुधार करने वाले श्रमिकों को राशन, तेल, सब्जी आदि प्रदान किया गया है। यह मजदूर मध्यप्रदेश राज्य के जबलपुर जिले के सिहोर से आए हुए थे। वे हारमोनियम सुधार कर अपना जीवन यापन करते है। इसी व्यवसाय के लिए जांजगीर जिले में पहुचें थे। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लगाए गए निषेधाज्ञा के कारण व्यवसाय नहीं कर पा रहे है और ना ही इस दौरान अपने मूल निवास लौट पा रहे हैं। इनके सामने जीवन निर्वाह के लिए भोजन, सब्जी आदि की समस्या आ गयी थी।

निधन

लक्ष्मीन बाई कहरा

जांजगीर-चाम्पा। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम खोखरा के प्रतिष्ठित महिला लक्ष्मीन बाई कहरा पति स्व. सोनाऊराम का कहरा का 65 वर्ष की आयु में गुरूवार 26 मार्च को निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार खोखरा के ठूठी तालाब में शुक्रवार 27 मार्च को किया गया। मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र फेकूराम कहरा ने दी। वे अपने पीछे 3 पुत्र, 4 पुत्री सहित भरा पूरा परिवार रोते बिलखते छोड़ गये।

हाथियों ने दी दस्तक, गुलजार हुआ वन परिक्षेत्र पंडरिया

निगरानी में लगे वन विभाग की टीम पल-पल रख रहे नजर

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। भोरमदेव अभयारण्य वर्ष 2001 में अधिसूचना हुआ। तब नए राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ का गठन हुआ था। चिल्फी घाटी के साथ ही कान्हा नेशनल पार्क का एक बडा बफर जोन नवगठित छत्तीसगढ़ राज्य में आ गया। चूँकि भोरमदेव और चिल्फी का यह क्षेत्र कान्हा नेशनल पार्क और अचानकमार के बीच पहले से ही एक कारीडोर के रूप में था। ज्यादातर वन्यप्राणी की आवाजाही इस ओर से होती रहती है। इसलिए वन्य प्राणियों की प्रजातियों में भी स्वाभाविक रूप से समानता पायी जाती है।

कबीरधाम जिला प्रा.तिक सौंदर्य व भोरमदेव खजुराहो के नाम से जाना जाता है। वही चिल्फी घाटी को मिनी कश्मीर भी कहा जाता है। इन क्षेत्रों में अनेक प्रकार के वन्यजीव विचरण करते भी देखे जाते हैं। भोरमदेव अभ्यारण क्षेत्र में ज्यादातर बाघों की उपस्थिति ठंड के समय में बनी रहती है। वर्तमान समय में पंडरिया पूर्व के वन परिक्षेत्र में एक हाथियों का झुंड पहुंचा हुआ है। इस समूह में लगभग 12 की संख्या में हाथी हैं जिसमें दो नर हाथी, सात मादा हाथी सहित 3 बच्चे है। 3 दिनों से यह 12 हाथी पंडरिया वन परिक्षेत्र में अजवाइन बाह के जंगलों में विचरण कर रहे हैं। वही इन हाथियों पर वन विभाग की टीम नजर रखी हुई है। बताया जा रहा है कि अचानक मार्ग की ओर से यह हाथी विचरण करते हुए पंडरिया क्षेत्र के वनांचल एरिया अजवाइन बाह मे

विचरण करते आ चुके है। हाथीयो के समूह के सूचना मिलते ही वनमंडलाधिकारी ने तुरंत वन विभाग की टीम को उस पर नजर रखने भेज था, जिस पर वन विभाग के टीम आज चैथे दिन भी नजर रखी हुई है। कवर्धा वन मंडल के अधिकारी दिलराज प्रभाकर भी टीम के साथ मौके पर मौजूद है। वनमंडलाधिकारी ने लोगों को हाथी से सुरक्षित रहने की अपील करते हुए उन्हें बताया कि अगर कहीं अचानक बस्ती की ओर हाथी आ जाए तो इस तरह से उनसे बचा जा सकता हैं। हाथियों का समूह कहीं विचरण करते दिखे तो तत्काल ही इसकी सूचना वन विभाग व नजदीकी थाना को सूचना दे, अगर कहीं शाम के समय या सुबह के समय कुत्ते ज्यादा भौंक रहे हैं तो सतर्क रहें, क्योंकि हो सकता है कि आसपास हाथियों का झुंड पहुंच रहा हो, इसके साथ ही घरो के आस-पास तेज रोशनी वाले बिजली का भी उपयोग करें जिससे दूर से ही हाथी को देखा जा सके तथा हाथियों से कहीं अचानक सामना होने की स्थिति निर्मित होती है तो पर्याप्त दूरी बनाकर रखें, हाथी रेस्क्यू ऑपरेशन के समय वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों का कहना माने जिससे आप सभी को सुरक्षा मिल सकती है, हाथी प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकता पड़ने पर गांव में रात्रि के समय दल बनाकर मसाल के साथ पहरा दे, अगर कहीं पहाड़ी क्षेत्रों में हाथी का सामना हो जाए तो ढलान की ओर दौड़े क्योंकि हाथी ढलान में तेज गति से नहीं उतर सकता परंतु चढ़ाई चढ़ने में वहां दक्ष होता है वन विभाग द्वारा बताए गए सुरक्षा संबंधित नियमों का पालन करें और सुरक्षित रहें।

> हाथियों के समूह पर वन विभाग के टीम के द्वारा आज 4 दिनो से नजर रखी जा रही है। इस टीम मे रेंजर, डिप्टी रेंजर, फॉरेस्ट गार्ड, रेस्क्यू टीम सहित 25 लोग शामिल है। जो हाथियो के हर हरकत पर नजर रखे हुए है वहीं ग्रामीणो को इनसे बचने उपाय भी बताए जा चुके है। फिलहाल हाथियो का समूह चारा और पानी की तलाश में पहुंचा हुआ है।
>
> **दिलराज प्रभाकर,** वनमंडलाधिकारी कबीरधाम

कालाबाजारी रोकने तहसीलदार व पटवारी करेंगे स्टॉक निरीक्षण

■ **कलेक्टर किरण कौशल ने लिया गंभीरता से**

कोरबा । कोरोना वायरस के फैलाव से बदलते माहौल के बीच जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चावल-दाल जैसी राशन सामग्रियों और सब्जियों के दाम बढ़ने तथा उनकी कालाबाजारी एवं जमाखोरी की आ रही खबरों को कलेक्टर किरण कौशल ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने किसी भी परिस्थिति में अति आवश्यक चीजों को, सामान्य दिनों के दामों से अधिक दाम पर नहीं बेचने की अपील दुकानदारों से की है। कलेक्टर ने कोरोना वायरस संक्रमण से लड़ाई में सभी व्यापारियों से अपना सहयोग देने कहा है और राशन, सब्जियों आदि की कालाबाजारी तथा जमाखोरी नहीं करने कहा है।

कलेक्टर कौशल ने सभी व्यापारियों और राशन दुकानों में उपलब्ध सामग्रियों का स्टॉक निरीक्षण करने के निर्देश उड़नदस्ता प्रभारियों को दिए हैं। कौशल ने तहसीलदारों एवं पटवारियों को कहा है कि ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में आलू-प्याज, तेल, दाल, चावल, दूध, सब्जी, नमक आदि जरूरी चीजों के दाम नियंत्रित रखें। किसी भी दुकानदार के अधिक दाम में चीजों की बिक्री की सूचना मिलने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध विधिसम्मत प्रकरण तैयार कर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

दुकानदारों को मेंटेन करना होगा सोशल डिस्टेंसिंग

लॉकडाउन की स्थिति में निर्धारित किए गए समयानुसार अत्यावश्यक सेवाओं से संबंधित दुकानें आदि खुलेंगी। दुकानदारों को कोरोना संक्रमण की गंभीरता को देखते हुए अपने ग्राहकों के बीच कम से कम एक-एक मीटर की दूरी मेंटेन करनी होगी। इसके लिए दुकानों के सामने एक-एक मीटर पर लाइन, चौकोर डिब्बा या गोला बनाकर लोगों को निर्धारित दूरी पर रखना होगा। दुकानों पर भीड़ लगाने की बजाय लोगों को भी एक-एक कर सामान खरीदने की हिदायत जिला प्रशासन की ओर से लगातार दी जा रही है।

नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, पार्षदों के माध्यम से वार्डों तक पहुंचा रहे मास्क

कवर्धा । नोवेल कोरोना वायरस के बढते संक्रमण व खतरे को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, कैबिनेट मंत्री व कवर्धा विधायक मो.अकबर से लगातार संपर्क में रहते हुये व उनके निर्देशानुसार शहर में सभी जरूरतो को पूरा करने हेतु निर्देशित किया गया है। इन्ही जरूरतों को पूरा करने हेतु आज शहर के सभी वार्डो में पार्षदों के माध्यम से मास्क वितरण कराया गया है। वार्ड पार्षद घर तक पहुंचा रहे मास्क नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने जिला प्रशासन के महिला समूह से 10 हजार मास्क तैयार कराया गया है उन्होनें महिला समूह द्वारा तैयार किये गये रि-यूजेबल मास्क का वितरण आज से प्रारंभ भी कर दिये है वार्ड पार्षद नगर पालिका से मास्क प्राप्त कर अपने वार्ड के लोगों तक यह मास्क पहुंचाना शुरू कर दिये है।

घर में रहे, सुरक्षित रहे - अध्यक्ष

नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने बताया शहरी व्यवस्था को पूरा ध्यान में रखा गया है प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा देश व प्रदेश में 21 दिनों तक पूरा लॉक डाउन किये जाने का आव्हान किया गया है जिसके फलस्वरूप पूरे शहर को लॉक डाउन गया है नगरवासियों को लॉक डाउन का पालन किये जाने हेतु निवेदन भी किया जा रहा है। जिला प्रशासन अपनी शिकायतध्समस्या हेतु कार्यालय फोन नं. 07741-232226 एवं निदान 1100 में फोन करके दर्ज करा सकते है।

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को दी जिम्मेदारी, कहा न रहे कोई भूखा

■ **देश मे आज कोरोना की महामारी से अफ्रा तफ्री मची हुई है, सब करे सहयोग**

कवर्धा । कबीरधाम जिले में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से कोरोना वायरस जैसे महामारी से निपटने के लिए संकट के घड़ी में जिला अध्यक्ष नीलू चंद्रवंशी ने कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी है कि कोई भी व्यक्ति रोजमर्रा के गुजारा करने वाले मजदूर, भीख मांगकर अपने पेट भरने वाले लोग या कोई भी गरीब व्यक्ति जिसके पास खाने के लिए भोजन की व्यवस्था नही कर पा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम एंव केबिनेट मंत्री मो.अकबर के निर्देशानुसार कि प्रदेश की कोई भी जनता भूखा न रहे का पालन करते हुए कांग्रेस पार्टी के कबीरधाम जिले की सभी बूथ प्रभारी, सभी सेक्टर प्रभारी, सभी जोन प्रभारी एंव सभी ब्लाक अध्यक्ष, शहर अध्यक्ष, यूथ कॉग्रेस के जिला अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, यूथ कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता व कांग्रेस पार्टी के नगर पालिका अध्यक्ष, सभी पार्षदगण, सभी नगर पंचायत अध्यक्ष, नगर पंचायत के सभी पार्षदगण और जिला पंचायत उपाध्यक्ष, सभी जिला पंचायत सदस्य, सभी जनपद अध्यक्ष अध्यक्ष, सभी जनपद सदस्य कांग्रेस पार्टी के सभी सरपंच, महिला कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, महिला कांग्रेस के सभी ब्लाक अध्यक्ष एवं कांग्रेस पार्टी के सभी विंग के जिला अध्यक्ष एंव ब्लाक अध्यक्षों को निगरानी करने, ध्यान रखने की जिम्मेदारी दी जाती हैं। अगर कोई भी व्यक्ति ऐसा मिलते हैं जो अपने या अपने परिवार के लिए भोजन की व्यवस्था लॉक डाउन होने के कारण नही कर पा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति के लिए कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ता, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नीलू चंद्रवंशी को अवगत कराएं। उनके लिए संगठन की ओर पहल की जाएगी, उनके लिए भोजन की व्यस्था कराया जाएगा, जिसके लिए कांग्रेस पार्टी की सभी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौपा जाता है जैसे कि गुरूवार को मरका ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम जैतपुरी में मध्यप्रदेश रीवा के बसदेवा भटरी भीख मांगने आये हैं लेकिन लॉक डाउन होने कारण करीब 20 लोग फंस गए है।

फसल कटाई के दौरान कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे को दूर करने दिशा-निर्देश जारी

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा वर्तमान में विभिन्न फसलों की हो रही कटाई को ध्यान में रखते हुए फसल कटाई कार्य में कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण के खतरे को दूर करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है। कृषि विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि फसल कटाई यथासंभव मशीन चलित उपकरणों से की जाए। हस्त चलित कटाई उपकरण काम में लेने पर उपकरणों को दिन में कम से कम 3 बार साबुन के पानी से कीटाणु रहित करें। फसल कटाई में सोशल डिसटेंसिंग का सख्ती से पालन किया जाए। खेत में फसल काटने, खाना खाते समय एक व्यक्ति से दूसरे के मध्य कम से कम 5 मीटर की दूरी रखी जाए। खाने के बर्तन अलग-अलग रखें तथा उनके प्रयोग के पश्चात साबुन के पानी से अच्छी तरह साफकरें।

पशु, कुक्कुट आहार और परिवहन एवं पशु चिकित्सा सेवाएं लॉकडाउन से रहेंगे मुक्त

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ में पशु, कुक्कुट आहार एवं फिश फिड एवं पशु चिकित्सा सेवाओं को लॉकडाउन से मुक्त रखा गया है। मुख्य सचिव श्री आर. पी. मण्डल द्वारा इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रमुख सचिव डॉ. मनेन्द्र कौर द्विवेदी बताया कि पशु चिकित्सा सेवाएं, अतिआवश्यक सेवाएं होने, डेयरी, मिल्क बुथ, मिट, फिश एवं पशु चारा दुकानों को लॉकडाउन से मुक्त रखा गया है। साथ ही पशु, कुक्कुट आहार एवं फिश फिड तथा आहार के घटक-मक्का, सोया, राईस ब्रान खली, चुनी, सूखा, हरा चारा, लाइम स्टोन प्रिन्ट, रोल ग्रिड, हाई कैल्सियम फॉस्फेट, दवाई, वैक्सीन, दुग्ध पेकिंग और वितरण सामग्री को भी लॉकडाउन से मुक्त रखा गया है। राज्य में व अन्य राज्यों से इनके परिवहन की अनुमति देने के साथ ही पशु चिकित्सा विभाग के स्टॉफको भी परिवहन में छूट दी गई है।

राज्य के कुछ जिलों में पशु, कुक्कुट एवं फिश चारा परिवहन, दुग्ध पेकिंग, वितरण सामग्री तथा पशु चिकित्सा विभाग के स्टॉफ को परिवहन की छूट नहीं दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य में बड़ी संख्या में प्राईवेट, सरकारी डेयरी, पोल्ट्री फार्म एवं फिश फार्म संचालित है। जिन्हें समय बद्ध चारा, दाना आपूर्ति अपरिहार्य है। लेकिन कुछ जिलों में वाहनों को रोका जा रहा है, जिससे पशु, पक्षी, फिश के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इसी प्रकार दुग्ध पेकिंग, वितरण सामग्री परिवहन तथा पशु चिकित्सा विभाग के परिवहन भी बाधित हो रहा है।

फसल कटाई कार्य में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए दिशा-निर्देश जारी

कवर्धा । कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने छत्तीसगढ़ शासन .षि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रोद्योगिकी विभाग मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के तहत फसल कटाई कार्य में कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण के खतरे को दूर करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किया गया है। उन्होने निर्देश देते हुए कहा कि फसल कटाई यथा संभव मशीन चलित उपकरणों से की जाए। हस्त चलित कटाई उपकरण काम में लेने पर उपकरणों को दिन में कम से कम 3 बार साबुन के पानी से कीटाणु रहित करना होगा। फसल कटाई में सोशल डिस्टेंसिंग की सख्ती से पालन की जाएं। खेत में फसल काटने, खाना खाते समय एक व्यक्ति से दूसरे के मध्य कम से कम 5 मीटर की दूरी रखी जाए।

आवश्यक वस्तुओं की सेवाओं के लिए अलग-अलग 6 समिति गठित

कवर्धा। राज्य शासन द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पूरे प्रदेश को लॉकडाउन किया गया है। कबीरधाम कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने संपूर्ण जिले में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की निरंतरता बनाए रखने और अति आवश्यक सेवाओं के संबंध में आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के लिए 6 अलग-अलग समिति बनाकर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौपी हैं। गठित समिति में दवाएं, उपकरण एवं लॉजिस्टिक्स, मेंडिकल ट्रीटमेंट एवं हॉस्पिटल मैनेजेंट, मोबिलिटी सर्विजेंस एम्बूलेंस सर्विसेस, एवं 104 कॉल सेंटर स्टेट कंट्रोल एण्ड कम्यूनिकेशन सिस्टम, आवश्यक सेवाएं एवं जिला स्तर पर समन्य, सूचना संपर्क एवं प्रचार प्रसार, मानव संसाधन प्रबंधन शामिल है। कलेक्टर ने इन सभी गठित समिति के समन्वयक के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। आवश्यक सेवाएं एवं जिला स्तर पर समन्वय के लिए अपर कलेक्टर जे.के. ध्रुव को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई हैं। उनके सहयोगी के रूप में सीएमओ कवर्धा लवकुश सिंगरौल, जिला खाद्य अधिकारी अरूण मेश्राम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कार्यपालन अभियंता सुनील शुक्ला होंगे। दवाएं, उपकरण एवं लॉजिस्टिक्स के लिए मुख्य चिकित्सा एवं अधिकारी डॉ एसके तिवारी, सिविल सर्जन डॉ सुजॉय मुखर्जी, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ आदेश बागड़े, जिला परियोजना समन्वयक शामिल है।

एक लाख से अधिक डिग्रीधारियों को बेरोजगारी भत्ते का इंतजार

कोरबा । जिला रोजगार दफ्तर में सालाना औसतन 11 हजार बेरोजगार बढ़ रहे हैं। दफ्तर के आंकड़ों पर गौर करें तो बेरोजगारों की तादाद एक लाख से पार कर गई है। रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार देने के दावे प?ेल साबित हो रहे हैं। कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र में बेरोजगारी भत्ता पि?र से शुरू करने की घोषणा की है, ऐसे में बेरोजगारों को भत्ते का इंतजार हो रहा है।

सरकार का गठन हर पांच साल में होते रहा है। कभी किसान तो कभी कर्मचारियों को वोट के बहाने उपकृत करने की घोषणा की जाती रही है। बेरोजगार युवकों के लिए रोजगार का अवसर निर्मित नहीं किए जाने से जिला रोजगार दफ्तर में पंजीकृत बेरोजगारों की तादाद लगातार बढ़ रही है। 10 वर्ष पहले बेरोजगार युवकों का अनुपात युवतियों की अपेक्षा कम था, जो वर्तमान में छह अनुपात चार है। शिक्षा का स्तर बढ़ने के साथ साथ शिक्षित बेरोजगारों की तादाद में न केवल सामान्य व पिछड़े वर्ग के बेरोजगार सामने आए हैं बल्कि अजा, अजजा के अलावा दिव्यांगों का पंजीयन आंकड़ों में इजाप?ा करने के लिए कारगर साबित हो रहा है। पूर्व शासन की ओर से बेरोजगारी भत्ता को पांच साल पहले ही बंद किया जा चुका है। अब कांग्रेस ने भत्ता पि?र से शुरू करने का दावा किया है, ऐसे में बेरोजगारों में आस बंध गई है। हालांकि भत्ता के संबंध में नवीन वित्तीय वर्ष में किसी भी तरह का प्रावधान नहीं रखा गया है। रोजगार विशेषज्ञों की मानें तो शासन की ओर बजट को कृषि में प?ोकस करने व धान व अन्य उपज की कीमत में बढ़ोतरी किए जाने से गांव के शिक्षित युवा अब शहर की ओर पलायन नहीं करेंगे, बल्कि कृषि को रोजगार के तौर पर विकसित करेंगे। इसके विपरीत ऐसे युवा जिनके पास खेती के लिए जमीन नहीं है, उन्हें बेरोजगारी भत्ते से अधिक रोजगार की जरूरत है।

औद्योगिक प्रबंधन नहीं होते कैंप में शामिल

युवा बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए जिला रोजगार दफ्तर की ओर से लगाए जाने वाले मेले महज औपचारिक ही साबित हुए हैं। छह बार आयोजित मेले में लगने वाले कैंप में बीमा एजेंट, सिक्योरिटी गार्ड, सर्वेयर जैसे पदों के लिए ही नियोक्ताओं की उपस्थिति देखी गई है। एनटीपीसी, बाल्को, एसईसीएल सहित जिले की बड़ी कंपनियों की ओर से मेले में सहभागिता नहीं निभाए जाने के कारण आयोजन फेल साबित हुए हैं।

महाराष्ट्र और तेलंगाना बॉर्डर सील, लोगों की ट्रेवल हिस्ट्री पर पैनी नजर

बीजापुर। जिला प्रषासन ने महाराष्ट्र एवं तेलंगाना बॉर्डर को कोरोना वायरस के खतरे को भांपते चार दिन पहले सील कर दिया है। जिले में बाहर से आए हुए लोगों की पूरी ट्रेवल हिस्ट्री पर मेडिकल टीम पैनी नजर बनाए हुए है। इधर, कलेक्टर केडी कुंजाम रोजाना ऐहतियात की गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं।

सीएमएचओ डॉ बीआर पुजारी ने बताया कि चार दिन पहले ही तिमेड़ और तारलागुड़ा में बॉर्डर को सील कर दिया गया। यहां भी मेडिकल टीम के साथ पुलिस महकमे ने कैम्प कर दिया है। किसी को आने नहीं दिया जा रहा है लेकिन पैदल भी कुछ लोग आ रहे हैं। ये लोग महाराष्ट्र और तेलंगाना में फंसे हुए थे। मजबूरी को देखते कुछ लोगों को छग में घुसने की अनुमति दी जा रही है लेकिन इसके पहले उनकी उचित थर्मल स्केनिंग की जा रही है और उनकी ट्रेवल हिस्ट्री जानकारी भी हासिल की जा रही है। भैरमगढ़ में भी मेडिकल टीम एनएच पर तैनात है। जगदलपुर और अन्य स्थानों से आने वाले लोगों की थर्मल स्केनिंग कर उनकी पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। तेलंगाना से सटे पामेड़ गांव में मेडिकल टीम बॉर्डर पर नजर बनाए हुए है। जिला मुख्यालय में

भी एक मेडिकल टीम तैनात है। इसके अलावा गांवों के लिए कुछ मोबाइल मेडिकल टीम बनाई गई है। सीएमएचओ डॉ पुजारी ने बताया कि गुरूवार को ये टीम धनोरा एव तोयनार गई थी। असल में कोरोना को लेकर गांवों में तेजी से जागरूकता आई है और सरपंच सचिव ही नहीं , बल्कि खुद गांव के लोग बाहर से आए लोगों के बारे में स्वास्थ्य विभाग को खबर दे रहे हैं। सीएमएचओ के मुताबिक विभाग ऐसे लोगों के पास खुद जाकर उनका परीक्षण कर रहा है और उन्हें आइसोलेटेड रहने की समझाईष दे रहा है। विभाग का मानना है कि लोगों को पैनिक होने की दरकार नहीं है लेकिन सावधानी पूरी बरतनी चाहिए।

सोडियम हाइपोक्लोराइड का स्प्रे

सब्जी बाजार को बुधवार को षेड में लगाने का निर्णय लिया गया क्योंकि यह स्थान खुला है और इससे एक ही स्थान पर भीड़भाड़ की आषंका कम हो जाएगी। कलेक्टर केडी कुंजाम ने गुरूवार को बाजार का निरीक्षण किया। इस समय पालिका अध्यक्ष बेनहूर रावतिया, सीएमओ पवन मेरिया, तहसीलदार टीपी साहू, टीआई चंद्रषेखर बारिक एवं पार्षद प्रवीण डोंगरे मौजूद थे। सीएमओ पवन कुमार मेरिया ने बताया कि कोरोना के खतरे को देखते नगर के कुछ स्थानों पर सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिड़काव किया जा रहा है। किराना दुकानों और मेडिकल स्टोर के अलावा सब्जी विक्रेताओं से ग्राहकों के बीच कम से कम एक मीटर दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। इसके लिए बुधवार को किराना दुकान के सामने डेमो भी किया गया। सभी दुकानदारों से पानी एवं सेनेटाइजर रखने कहा गया है। पेयजल आपूर्ति और सफाई के काम निर्बाध रूप से जारी रहेंगे।

गोंगला आए 40 लोग

सीएमएचओ डॉ पुजारी के मुताबिक बुधवार को यहां से करीब 30 किमी दूर बसे गांव गोंगला में 40 लोगों के पहुंचने की खबर मिली। ष्ये लोग मिर्ची के खेत में मजदूरी करने तेलंगाना गए थे। गुरूवार को एक टीम गोंगला भेजी जा रही है। इन लोगों को भी स्केनिंग के बाद आइसोलेषन में रहने की सलाह दी जाएगी।

न्यूज गैलरी

कही उठक-बैठक तो कही पर्चा, पुलिस दिखा रही है रास्ता

भाटापारा। लाक डाउन का उल्लंघन और लोगो की जान मॉल की परवाह ना कर सड़को पर नजर आये लोगो को भाटापारा शहर पुलिस ने समझाया,,उठक बैठक और फिर परचा थमाया।

आंगन में शिक्षक ने रंगोली के रंगों से कोरोना को हराने का संदेश लिखा

दन्तेवाड़ा। कोरोना महामारी के संकट से झुझते लोग 21 दिनों के लॉक डाउन पर घर से ही इसे मानने का सन्देश दे रहे है। अब दन्तेवाड़ा में एक शिक्षक का यह अंदाज़ देखिये जिन्होंने फुर्सत के पलों में घर के आंगन में रंगोली बनाकर 03 बड़े सन्देश दिए। पहली रंगोली में 21 दिनों के लॉक डाउन में रहने की बात लिखी, तो दूसरी रंगोली में घर की दहलीज को लक्ष्मण रेखा बताते हुए व्यर्थ घर से बाहर न निकले,घर पर ही सुरक्षित रहे। जैसे सन्देश आंगन में लिख दिए। हरीश स्वर्णकार शिक्षक का नाम है, और सुरभि कालोनी दन्तेवाड़ा में इनका मकान है। घर के द्वार पर रंगोली सन्देश से मोहल्ले वाले और कालोनी के लोगो को लॉक डाउन पालन करने का संदेश दे रहे है।

शिक्षक संघ देगा 1 दिन का वेतन

भाटापारा। नोबल कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम में लगी प्रदेश सरकार को मुख्यमंत्री सहायता कोष में एक दिन का।वेतन शिक्षक संघ देगा, संघ के प्रांतीय सचिव अशोक शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री के नाम एक पत्र जिला कलेक्टर को भेजते हुए अपने संघ की भावना से अवगत कराया है।संघ के सचिव अशोक शर्मा ने कहा की हमारा छत्तीसगढ़ राज्य भीकोरोना महामारी से पीड़ित है। दुख की इस घड़ी में शासन / प्रशासन के पहल के साथ प्रदेश शिक्षक पंचायत /एल बी संवर्ग संघ छत्तीसगढ़ सरकार के साथ है।प्रदेश शिक्षक पंचायत/एल बी संवर्ग संघ छत्तीसगढ़ ने निर्णय लिया है कि अपने मासिक वेतन का एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा करेगा।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका 104 वर्षीय राजयोगिनी दीदी जानकी का निधन

भाटापारा। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक संगठन ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका नारी शक्ति की प्रेरणा स्रोत तथा स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड अम्बेसडर राजयोगिनी दादी जानकी का देहावसान हो गया। वे 104 साल की थी, माउण्ट आबू के ग्लोबल हास्पिटल में 27 मार्च को प्रातः 2 बजे अंतिम सांस ली।

उनका अंतिम संस्कार माउन्ट आबू में शुक्रवार को साढे 3 बजे किया गया, दीदी के निधन पर स्थानीय संचालिका मंजू दीदी और प्रभा दीदी ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। राजयोगिनी दादी जानकी दुनिया की एकमात्र महिला थी जिससे मोस्ट स्टेबल माइंड इन वर्ल्ड का खिताब था। स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड अम्बेसडर डॉ दादी जानकी का अंतिम संस्कार सायं 3.30 बजे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शांतिवन में हुआ। दुनिया की दादी के नाम से मशहूर राजयोगिनी दादी जानकी का जन्म 1 जनवरी, 1916 को हैदराबाद सिंध (जो अभी पाकिस्तन में है) में हुआ था।

अति आवश्यक सामग्री वाले आ सकेंगे वाहन

मुनाफाखोरी-कालाबाज़ारी करने वालों के विरुद्ध सख्ती से होगी कार्यवाही : कलेक्टर

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल ने जिला स्तरीय कोर कमेटी की बैठक में लॉक डाउन के बाद उत्पन्न परिस्थितियों की समीक्षा की। उन्होंने अफसरों को अति आवश्यक वस्तुओं की निरन्तर आपूर्ति बनाये रखने के लिए सभी उपाय सुनिश्चित करने को कहा है। कलेक्टर ने मुनाफाखोरी और कालाबाज़ारी से बचने की दुकानदारों को सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि हर प्रकार की गतिविधियों पर प्रशासन बारीकी से नज़र रखे हुए हैं। राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में आम जनता को परेशान होने नहीं दिया जायेगा। श्री गोयल ने कहा कि संकट की गंभीरता को जनता भी महसूस कर रही है। इसलिए अपने घर तक ही सीमित होकर वे कोरोना रूपी राक्षस को मात देने में लगी है। उन्होंने इन आपात परिस्थितियों से निपटने में मिल रहे जनता के सहयोग और धैर्य की प्रशंसा भी की है।

आवश्यक सामानों से भरी वाहनों को सुगमता से प्रवेश देने निर्देश

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन किया गया। बैठक में लॉक डाउन के बाद के दो-तीन दिनों के अनुभव पर विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर ने कहा कि लॉक डाउन में खाद्य पदार्थ, पीडीएस, दवाई दुकान ,दूध, फल, सब्जी, को बन्द से मुक्त रखा गया है। ये रोज़मर्रा उपयोग की उपभोक्ता चीजें है। इसलिए इनकी हर दिन आपूर्ति होते रहनी चाहिए। बैठक में यह बात सामने आई कि उपरोक्त जरूरी सामानों से लदे वाहनों के जिले की सीमा में प्रवेश पर दिक्कतें हो रही हैं। कलेक्टर ने कहा कि कल से दिक्कतें नहीं होगी। खाद्य, पीडीएस,दवाई, फल-सब्ज़ी भरी वाहनों को प्रवेश देने में पुलिस सहयोग करेगी। लेकिन इन वाहनों का उपयोग यात्री वाहनों के रूप में करने नहीं दिया जायेगा। ड्राइवर, हेल्पर के साथ एक या दो हमाली साथ रहेंगे।

नये एसपी श्री ठाकुर ने भी पुलिस को दिए निर्देश

कोर कमेटी की बैठक के बाद जिले के नए एसपी श्री प्रशांत सिंह ठाकुर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जिले के आला पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कोर कमेटी की बैठक में दिए गए निर्देशों से मैदानी पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया। श्री ठाकुर ने कहा अति आवश्यक सामग्रियों से लदे वाहनों को जिले की सीमा में प्रवेश दिया जाए। जरुरी सामग्रियों की आपूर्ति निरंतर बने रहने चाहिए। इसमें ड्राइवर, हेल्पर के साथ एक-दो हमाल भी जा सकते हैं। बाकायदा उन्हें साफसफाई और सुरक्षित दूरी में रहकर काम करने का निर्देश दिया जाए।

मुनाफाखोरी और कालाबाज़ारी करनेवालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई

कलेक्टर श्री गोयल ने संकट के इस बेला में मुनाफाखोरी और कालाबाज़ारी करनेवालों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कुछ व्यापारियों से चीजों को अधिक रेट पर बेचने की सूचना मिल रही है। उन्होंने जिले के सभी एसडीएम को अपने - अपने कार्यक्षेत्र में सतत रूप से मूल्य पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। जनता को यदि कोई सामान अधिक रेट देने के लिए दुकानदार द्वारा बाध्य किया जा रहा हो, तो वे अपने एसडीएम और तहसीलदार को सूचित कर सकते है। इसके अलावा जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के दूरभाष नम्बर 07727-223697 पर भी तथ्यात्मक शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जायेगी।

राशन कार्डधारियों को मिलेगा दो माह का एकमुश्त निःशुल्क राशन

बीजापुर। कलेक्टर के डी कुंजाम ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार राज्य में ष्ब्व्टप्क्.19 संक्रामक के प्रबंधन के अंतर्गत लिए गए निर्णय अनुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली में अंत्योदय प्राथमिकता निशक्तजन एकल निराश्रित एवं अन्नपूर्णा श्रेणी के राशन कार्ड धारियों

को माह अप्रैल एवं मई 2020 का चावल एकमुश्त निःशुल्क वितरण शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से किया जाएगा। जिसके लिए कलेक्टर कुंजाम ने बीजापुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के अंतर्गत संचालित प्रत्येक उचित मूल्य की दुकानों के लिए संबंधित ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। राशन कार्ड धारियों को चावल को छोड़कर शक्कर, चना, गुड़ एवं एपीएल चावल निर्धारित दर पर वितरण किया जावेगा। सभी नोडल अधिकारी ग्राम पंचायतों एवं आश्रित ग्रामों में कोटवार के माध्यम से दो माह का चावल निःशुल्क वितरण की मुनादी अवश्य करवाएंगे। कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों को राशन वितरण के दौरान हितग्राहियों को मुंह पर मास्क अथवा टावल या रुमाल बांधने हेतु प्रेरित करेंगे एवं प्रत्येक हितग्राहियों को कम से कम 1 मीटर दूरी बनाकर कतार से राशन वितरण करवाएंगे। कुंजाम ने कहा कि उचित मूल्य की दुकानों में राशन कार्ड धारियों के हाथ धुलाई के लिए सेनेटाजर अथवा उपयुक्त तरल साबुन की व्यवस्था भी सुनिश्चित करवाएंगे।

दन्तेवाड़ा में सैकड़ो मजदूर होम आईशोलेशन पर

दन्तेवाड़ा(वैश्विक महामारी से छतीसगढ़ भी चपेट में आ गया है, रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव में इसके पुष्ट मरीज आ रहे है। इधर देश भर में 21 दिनों का लॉक डाउन कर दिया गया है। दन्तेवाड़ा जिले में भी दीगर प्रदेशो से आये सैकड़ो मजदूरों को घरों में आईशोलेशन पर रखा गया है। इस वक्त 711 ऐसे श्रमिक वर्ग के लोग है जो आंध्रप्रदेश और तेलंगाना से दन्तेवाड़ा लौटे है। इतना ही नही जिले भर में दन्तेवाड़ा, गीदम,किरन्दुल, बचेली हॉस्पिटल में 22 ऐसे लोग है जो विदेश यात्रा से वापस दन्तेवाड़ा लौटे है। जिन्हें विशेष निगरानी में अस्पताल में कोरेनटाइन पर रखा गया है। वही छत्तीसगढ़ के लिहाज से बात करें तो प्रदेश में अब तक 289 लोगों का सेंपल लिया गया है, जिसमें 260 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई है. जबकि 6 लोग कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं. जिसमें अकेले राजधानी रायपुर में 3 मरीज मिले हैं जबकि राजनांदगांव, बिलासपुर और दुर्ग में 1-1 पेशेंट पाए गए हैं. 25 मार्च को प्रदेश में कुल 57 सैंपल प्राप्त हुए जिनमें से 34 की रिपोर्ट आ गई है, सभी रिपोर्ट निगेटिव पाई गई है. जबकि 23 सेंपल की रिपोर्ट अभी आना बाकी है।

■ **तो 22 लोग विदेशों से लौटे जिन्हें हॉस्पिटलो में कोरेनटाइन में रखा गया**

करोना संक्रमण : दन्तेवाड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों में सरहद बंद

नवप्रदेश संवाददाता

दन्तेवाड़ा। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए गांव की शहरद पर ग्रामीणों ने जांच बेरियर लगाया।अन्य राज्य व गांव से बाहर के लोगो का प्रवेश निषेघ की बात बेरियर के बीच लगे पोस्टर पर लिखी हुई।

बालूद गांव में ग्रामीणों इस तरह का अनोखा बेरियर और गांव की

शरहद बन्द करने के पीछे कोरोना संक्रमण को रोकना मकसद बता रहे है,दन्तेवाड़ा के बालूद गांव की तस्वीर ग्रामीणों की जागरूकता बताती है। इतना ही नही रेंगानार गांव में नक्सली पैटर्न में गांव के आसपास और दर्जनों पेड़ में मुर्गा बाजार बंद के पोस्टर छिंद काटो की किलो से ग्रामीणों ने पंचायत की तरफ से ठोक रखे है, बता दे कि जिन पोस्टरों पर लिखा हुआ है कि मुर्गा बाज़ार दिनांक26-3-2020 से 3-4-2020 से तक लगने वाली बाजार बंद रहेगी। और नीचे वजह कोरोना वायरस के कारण लिखा गया है। आपको बता दे कि मुर्गा बाजार बस्तर की सबसे फेमस बाजार है, जहाँ ग्रामीण मुर्गो की लड़ाई करवाकर जीत-हार का खेल खेलते है। इन बाजारों में हजारों की संख्या में ग्रामीण भी पहुँचते है जो अब पूरी तरह से बन्द रहेगी।

अब सृष्टि फाउंडेशन कोरोना के इस जंग के बीच लोगों को कर रही जागरूक

धमतरी। कोरोनावायरस जैसी महामारी ने जहां संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में लेते हुए एक भय का माहौल पैदा कर दिया है।वही दूसरी ओर आज हिंदू नव वर्ष व चेटीचंड महोत्सव के उपलक्ष में शिक्षा एवं जागरूकता के लिए कार्य कर करने वाली संस्था..सृष्टि फाउंडेशन..ने एक नई पहल कर समाज को एक नई दिशा देने का कार्य किया। इस संस्था के सचिव प्राप्ति वासानी ने बताया कि 25 मार्च को कलेक्टर रजत बंसल से मुलाकात कर वार्डो में मास्क वितरण करने का निवेदन किया था। जिस पर कलेक्टर बंसल ने के निर्देश पर आज मकेश्वर वार्ड में जाकर लोगों को कोरोनावायरस से लड़ने के लिए तथा 21 दिन के कंप्लीट लॉक डाउन को समझाया तथा हाथों को कैसे अच्छी तरीके से धोए कैसे साफ सफाई रखी जाए तथा कोरोना वायरस क्या है।यह कैसे संक्रमित होता है,इन सब को समझाया तथा लोगों को मास्क को पहनना क्यों जरूरी है बार-बार हाथ धोना क्यों जरूरी है इससे अच्छी तरीके से समझाया तथा जरूरतमंदों के बीच निशुल्क 200 मास्क वितरित किए गए ।

इस अवसर पर संस्था की सचिव प्राप्ति वासानी, जय हिंदुजा कोषाध्यक्ष ,लक्ष्मण मगर सर सलाहकार, सतराम वासानी अध्यक्ष, योगेश गांधी जी सदस्य, कमल पंजाबी सदस्य, अमित रामानी सदस्य तथा नंद कुमार लोधी उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय के कक्ष क्रमांक 12 में स्थापित किया गया नियंत्रण कक्ष

धमतरी। शासन के निर्देश अनुसार नोवल कोरोना वायरस (कोविद 19) के संभावित संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण सुनिश्चित् करने के लिए जिला चिकित्सालय धमतरी में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका फोन नंबर 07722-237779 है। कक्ष क्रमांक 12 (सिविल सर्जन कक्ष) में स्थापित इस कंट्रोल रूम के प्रभारी डॉ.राकेश थापा हैं तथा इसके सुचारू संचालन (24म7) के लिए जिला चिकित्सालय धमतरी में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी तीन पालियों में लगाई गई है। सिविल सर्जन डॉ.एस.एम.एम. मूर्ति ने ड्यूटी लगाए गए कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे ड्यूटी अवधि में कंट्रोल रूम में लगातार मौजूद रहकर कार्य संपादित करेंगे। साथ ही वहां आने वाले सभी फोन कॉल्स को रिसीव कर हितग्राही को वांछित जानकारी उपलब्ध कराएं और की गई कार्रवाई उल्लेख कंट्रोल रूम में संधारित पंजी में दर्ज करेंगे।

गुडेलिया पंचायत प्रतिनिधि 6 माह का मानदेय देंगे

भाटापारा। भाटापारा विकासखंड के ग्राम पंचायत गुड़ेलिया के सरपंच, उपसरपंच, एवं पंचो ने अपने छह माह का मानदेय राशि को कोरोना संक्रमण पीड़ितो के सहायता हेतु मुख्यमंत्री सहायता कोष में देंगे। सरपंच लोकेश धुव और उप सरपंच संकेत अग्रवाल ने बताया की कोरोना वायरस की रोकथाम में लगी सरकार और प्रशासनिक अधिकारीयो कर्मचारीयो के द्वारा लगातार की जा रही रक्षा सुरक्षा की कार्यवाही से हमसब हतप्रभ है और हम सभी पंचायत के प्रतिनिधि अपने 6 माह की राशि को मुख्यमंत्री सहायता कोष में देने का निर्णय किया है।

लॉक डाउन का पूरी तरह पालन नहीं हो रहा

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग न्यूज़। कोरोना वायरस की चैन को तोड़ने के लिए सरकार द्वारा लॉकडाउन का फरमान जारी किया गया है ! लेकिन उसका पालन पुरी तरह नहीं हो पा रहा है! जिसके चलते राज्य की पुलिस अन्य ब्लॉग की तुलना देवभोग ब्लॉक के कोने कोने में घर से बाहर निकलने वालों पर छोटे-छोटे पोस्टर लगाया जा रहा है बावजूद इसके कुछ लोग लॉकडाउन को पूरी तरह पालन नहीं कर रहे हैं गली गली के मार्ग से लोग बेवजह घूमने के नाम पर निकल रहे हैं यह आलम ज्यादातर संध्या के समय देखने को मिलता है! जिसके खिलाफ अब पुलिस काफी सख्त हो गई है बिना जरूरी काम के निकालने वालों और भीड़ बनाकर रहने वालों पर जमकर लाठी बरसा रही है जिसका समर्थन भी आम लोग कर रहे हैं बकायदा लोग गली मोहल्ला से आवागमन ना करें इसके लिए रास्ता को पत्थरों और बांस से पूरी तरह ब्लॉक कर रखा है इसके अलावा ब्लॉक के मुंगझर, झाखरपारा उसरीपानी, लाटापारा ,पंचायत के सरपंच जागरूकता का परिचय देते हुए गांव एवं पंचायत से पूरी तरह ब्लॉक कर दिया है बकायदा पोस्टर भी लगाया टांगा गया है बाहरी व्यक्ति गांव में प्रवेश ना लें और गांव का

ग्रामीण बाहर ना जाए इसके लिए काफी शक्ति भी बढ़ती जा रही है और विदेश और अन्य राज्य से आए लोगों की सूचना कंट्रोल रूम या फिर स्वास्थ्य आमला को दें ताकि संतुष्ट जांच हो पाए बावजूद इसके भी घूमते फिरते पाए जाने पर पुलिस द्वारा उक्त व्यक्ति को पोस्टर पंपलेट पकड़ाया जा रहा है जिसमें लिखा होता है मैं समाज का दुश्मन हूं मैं घर पर नहीं रहूंगा जैसे अन्य लेख का पंपलेट पकड़ाया जा रहा है ज्यादातर चौक चौराहे शासकीय महाविद्यालय मैं भीड़-भाड़ देखने को मिलता है जबकि थाना प्रभारी नायब तहसीलदार कृष्णमूर्ति दीवान बीएमओ सुनील भारती सहित तमाम स्टाफ अपनी-अपनी तैयारी कर लॉकडाउन को समर्थन के लिए अपील कर रहे हैं क्योंकि अन्य राज्य की तुलना में छत्तीसगढ़ मैं भी कोरोना वायरस से ग्रसित पीड़ितों की संख्या बढ़ रही है और इस चैन को तोड़ना अति आवश्यक है इसलिए लगातार प्रयास क्या जा रहा है कि लोग घर पर ही रहे इसी के मद्देनजर नवप्रदेश भी लगातार अपने पाठकों से घर पर रहने की अपील कर रहा है

कोरोना वायरस के कहर के बीच मंदिरों में जला आस्था की ज्योत

माँ गंगई के मंदिर में 545 ज्योति कलश का हुवा स्थापना

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। पूरे देश मे अपना डंका बजा रहे कोरोना वायरस के दहशत ने लोगो को झकझोर कर रख दिया है। और इसी के डर से लोग जहाँ है वही ठहर गए है। पूरा जनजीवन इस भयंकर वायरस के कारण अस्त व्यस्त हो गया है। वही भारत मे भी इसका असर चरम सीमा पर है। बड़े से बड़े मंदिर मस्जिद गुरुद्वारे गिरजाघर में ताले लग गए है। और इसी बीच भारत में नवरात्र का सबसे बड़ा पर्व चल रहा है। चैत नवरात्र जिसमे भी इस कोरोना वायरस का असर देखने को मिल रहा है। वही गंडई नगर का सबसे पुराना और आस्था रूपी माँ गंगई मंदिर में इस बार हर साल के अपेक्षा ज्योति कलस स्थापना में कमी आई है। प्रति वर्ष यहाँ लगभग 800 ज्योति कलश का स्थापना होता था मगर इस भयंकर महामारी के बीच इस वर्ष 545 ज्योति कलश का स्थापना हो रहा। जिसे गंडई राजा लालटारकेश्वर शाह खुशरो और मंदिर के पुजारी साकेत दुबे के द्वारा जलाया गया। है।

नहीं होगा ज्योति कलस का विसर्जन

आप को बता दे कि माँ गंगई मंदिर में 9 दिन तक पूरे भक्ति भाव से पूजा अर्चना के बाद दसवें दिन एक अकर्षक रूप में गाजा बाजा के साथ सेवको के साथ एक लम्बी लाईन के कतार से ज्योति कलस को गंडई के सुरही नदी में विसर्जन किया जाता है। जो लोगो के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है। और उस दिन शाम 7 बजे से देर रात तक नगर में भीड़ का मेला लगा रहता है। जो इस साल भक्तों को देखने को नही मिलेगा। वही जानकारी के मुताबिक कोरोना वायरस के चलते पूरे शहर में लॉक डाउन होने की वजह से इस वर्ष सिर्फ माई कलस का ही विसर्जन हो सकता है। उसमें भी लोगो की भीड़ का भीड़ नही होगा और बिना बाजा गाजा शांत माहौल में स्थिति को ध्यान में रखते हुवे यह विसर्जन हो सकता है।

नहीं मिले भक्तों के दर्शन और नहीं होगी कोई गाना बजाना

वही पूरे शहर में लॉक डाउन होने और कर्फ्यू जैसे माहौल होने के कारण कोरोना वायरस के बचाव और सुरक्षा के मद्दे नजर प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को मंदिर अंदर प्रवेश वर्जित है। साथ ही हर साल की तरह इस मंदिर परिसर में रात को होने वाले जसगीत सेवको द्वारा भी कोई कार्यक्रम नही होगा। सिर्फमंदिर के पुजारी और पंडा द्वारा पूजा अर्चना और ज्योति कलश का सेवा किया जाएगा।

बीजिंग शहर से मगरलोड के युवा दिया संदेश, कहा नियमों का करे पालन और स्वस्थ रहें

धमतरी । मगरलोड क्षेत्र के ग्राम परसाबूड़ा निवासी लोकेश ध्रुव पिछले कुछ वर्षों से चीन के बीजिंग शहर में रहकर लोगों को योग सिखा रहे हैं ।इन दिनों वहां भी लॉक डाउन की स्थिति होने पर वह लोगों को ऑनलाइन योग प्रशिक्षण दे रहे हैं। कोरोनावायरस चीन से ही निकला है वह वुहान शहर के बाद व अन्य शहरों में तेजी से फैल गया।हजारों मौतें हुई है। जिसकी चपेट में बीजिंग शहर भी आ गया था। लेकिन अब वहां की स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होते जा रही है। इस अनुभव को लोकेश ध्रुव ने एमटीआई के साथ शेयर किया है। लोगों को सचेत रहकर बताए गए नियमों का पालन करते हुए स्वस्थ रहने की अपील की है।

कार्य में लापरवाही पर भृत्य हुआ निलंबित

गंडई पंडरिया। शासकीय कार्य मे लापरवाही बरतना कंठुराम यादव को भारी पद गया । ज्ञात हो की देश एवं प्रदेश मे कोरोना वायरस के कहर के नियंत्रण एवं रोकथाम के आदेश के पालन नहीं करने एवं बिना सूचना के कार्यालय मुख्यालय से अनुपस्थित रहने आपातकालीन सेवा को नजर अंदाज करने कारण कंठुराम यादव भृत्य नगर पंचायत गंडई को तत्काल प्रभाव मे निलंबित किया गया है । निलंबित अवधि मे नियमानुसार यादव को जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी । यह जानकारी सीएमओ खुमान कश्यप ने दी ।

घरों में जरूरी समानों की होम डिलीवरी

धमतरी/नगरी। कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे को देखते हुए ह्यश्ष्द्बड्डद्य स्द्बह्यह्लड्ढठ्ठष्द्बठ्ठद्द का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। राशन , दवा दुकानों में एक-एक मीटर की दूरी मे रहने के हिदायत का पालन किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि द्यश्ष्द्मस्त्रश2ठ्ठ का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध अब कड़ी कदम उठाने की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधीश रजत रजत बंसल ने लोगों से अपील क कि वे अपने घरों में ही रहे घरों से बाहर ना निकले अगर आवश्यक सामान खरीदने निकले तो सोशल डिस्टेंस का ध्यान रखें। मास्क वाह सैनिटाइजर की कमी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी घरों में ही मास्क व सैनिटाइजर बनाने की विधि बता रहे हैं। नगरी में लगभग 164 लोगों को ओम आइसोलेशन में रखा गया है व उन्हें घरों से बाहर ना निकलने की सख्त हिदायत दी गई है ।होम आइसोलेशन के नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर कड़ी दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी.. शासन प्रशासन की देखरेख में आवश्यक चीजों जैसे दूध, राशन समान, दवाइयां आदि डोर टू डोर घरों में वॉलिंटियर के माध्यम से पहुंचाने की व्यवस्था भी की जा रही है। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दिन रात सेवा में लगे हुए हैं। विकासखंड के कई ग्रामों के पहुंच मार्ग को ग्रामीणों ने बंद कर दिया है उनका कहना है बाहर से आ रहे लोगों की वजह से करोना संक्रमण का अधिक खतरा है ।इसलिए सावधानी के तौर पर बाहरी लोगों को ग्रामों में पहुंचने नहीं दिया जा रहा है। कोरोना वायरस के संक्रमण को ले जिला प्रशासन सहित स्वास्थ्य विभाग बेहद सतर्क है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.डी.के. तुर्रे ने कहा कि अब तक हालात सामान्य है।

'सोशल डिस्टेंसिंग' का पालन नहीं करने वाले दुकानदार पर कार्यवाही, वसूला गया जुर्माना

नवप्रदेश संवाददाता

धमतरी। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए 22 मार्च से जिले में भी आगामी 14 अप्रैल तक देश भर सहित जिले में भी तालाबंदी (लॉक डाउन) प्रभावशील है। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्री रजत बंसल ने आज अपरान्ह शहर की विभिन्न दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इसी दौरान एक किराने की दुकान में ग्राहकों की अधिक भीड़ तथा ÷सोशल डिस्टेंसिंग÷ के निर्देशों का पालन नहीं किया जाना पाया गया। इस पर कलेक्टर ने दुकानदार के

विरुद्ध 1000 रुपए का अर्थदंड आरोपित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही भविष्य में शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन नहीं किए जाने पर सख्ती से दंडात्मक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि निर्धारित अवधि में खुली दुकानों में ग्राहकों के मध्य एक मीटर से अधिक दूरी बनाए रखने के लिए चूना मार्किंग कराए जाने के लिए निर्देशित किया गया था, जिसमें उक्त गोले के भीतर रहकर ही ग्राहकों को राशन प्रदाय करने के निर्देश प्रसारित किए गए थे। इसके बावजूद उक्त दुकानदार के द्वारा बेतरतीब भीड़ को राशन सामानों का विक्रय किया जा रहा था, जिसे संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर ने तत्काल जुर्माना करने के निर्देश दिए। विदित हो कि आम जनता को आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता के लिए घर से बाहर निकलना ना पड़े, इसके लिए नगर निगम के आयुक्त को घर पहुंच सेवा प्रदाय करने के लिए निर्देशित किया गया है, जिसके तहत घर पहुंच सेवाएं निगम अमले के द्वारा प्रदाय की जा रही है। इसके बाद भी कुछ दुकानों में सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करना पाया गया जिसे गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने उक्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

होम कोरंटाइन में जाकर हालचाल पूछा इसके पहले कलेक्टर ने शहर के कुछ वार्डों में होम कोरैंटाइन में चिन्हाकित लोगों से घर पर जाकर गृहभेंट की तथा उनका हालचाल पूछा और किसी भी दशा में घर से बाहर नहीं जाने की हिदायत दी। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य विभाग की टीम और प्रशासनिक अधिकारियों से सहयोग करने की बात भी कही। इस अवसर पर जिला पंचायत की सीईओ नम्रता गांधी, नगर निगम के आयुक्त आशीष कुमार टिकरिहा भी उपस्थित थे

श्यामपाल ताम्रकार ने 2 माह का मानदेय मुख्यमंत्री सहायता कोष में करेंगे दान

गंडई पंडरिया । नगर पंचायत गंड ई अध्यक्ष श्री श्यापाल ताम्रकार ने कि 2 माह का मानदेय मुख्यमंत्री सहायता कोष मे दाननगर पंचायत गंडई अध्यक्ष श्री श्यापाल ताम्रकार ने कि कोरोना वायरस 19 रोकथाम साहयता के लिए 2माह का मानदेय करेगे दान नगर पंचायत गंड ई अध्यक्ष श्री श्यापाल ताम्रकार ने बताया कोरोना वायरस 19महामारि विभिषका से बचाव एवं केन्द्र राज्य सरकारो कि ओर से उठाये जा रहे एहतियातन कदम का स्वागत किया है उन्होने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदि जी के प्रयासो को सराहना कि है साथ इस मुश्किल घड़ी मे प्रदेश नगर वासियो के साथ खड़े रहने का विश्वस दिलाया हैऔर वैश्विक महामरि के रोक थाम के लिए लाक डाउन का पालन करने आमजन से अपील कि व सावधानी से रहने कहा अपने अपने घरो मे रहे सुरक्षित रहे

मारागांव के ग्रामीणों ने गरियाबंद - दुगली मार्ग को किया बंद

मगरलोड (धमतरी)। जिले में 21 दिन तक होने वाले हुए लॉकडाउन व्यापक असर देखने को मिल रहा है ।शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण इलाके में भी इसका असर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 21 दिन लॉक डाउन के आह्वान के बाद शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका व्यापक असर है ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी इस कोरोना बीमारी के संक्रमण और बचाव के लिए सजग हैं ।

ब्लाक के अंतिम छोर में बसे ग्राम मारागांव के ग्रामीणों ने गरियाबंद और दुगली, काजनसारा मार्ग में लकड़ी का बेरिकेटस लगाकर बंद किया है व बैनर पोस्टर लगाया गया है और बाहरी लोगो को गांव में प्रवेश पूरा पबंदी कर दी गई है । गांव के कोटवार भी निगरानी कर रहे है। मारागांव के रघुवीर पटेल पूर्व सरपंच, पंचराम मरकाम पूर्व उपसरपंच, माखन लाल पटेल, उमेश पटेल, चुन्नू लाल काशी, रमेश पटेल, बलराम पटेल ,संतोष ध्रुव, गुलशन पटेल, धनेश्वर पटेल, ऋधु राज , ईश्वर साहू मौजूद रहे। मारागांव के पूर्व सरपंच रघुवीर पटेल ने लोगो को कोरोना वायरस से बचने के लिये मास्क का उपयोग करे , हाथ को साबुन से धोते रहे , एक एक मीटर की दूरी बनाकर रहे । धारा 144 का पालन करे ।

भूरभूसी के 19 वर्षीय युवा ने की आत्महत्या, मौत

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। गंडई के समीपस्थ ग्राम भूरभूसी वार्ड क्रमाक 07 सोसाइटी चौक निवासी गुलाब साहू के छोटे पुत्र चन्दन साहू ने मंगलवार बुधवार मध्यरात्रि को आत्महत्या कर ली। परिजन से मिली जानकारी के अनुसार मृतक चन्दन साहू राजमिस्त्री का काम कर रहे थे।और वह 8वीं तक पढ़ाई किये थे। और अविवाहित थे। मृतक शराब के बहुत आदि थे। बुधवार सुबह को घर वालो ने रोज की तरह लगभग 7:30 बजे तक अपने रूम से सोकर नहीं उठा तक घर वाले उनके दरवाजे खटखटाये और खिड़की से काफी आवाज दिए तब घर वालो को किसी बात को लेकर शंका हुआ और लगभग 8:30 बजे पुलिस की 112 गाड़ी को फ़ोन किये जहाँ तत्काल मौके पर पहुँचे थाना के अधिकारी ने चन्दन के रूम में लगे दरवाजे को तोडवाया जहाँ चन्दन रूम में पंखे लगाने के लिए निकले हुक से अपने बेड शीट के माध्यम से फासी पर झूल गया। इधर गंडई पुलिस लाश का पंचनामा तैयार कर शव को दोपहर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जहाँ पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों के हवाले किया। इधर घर वाले मृतक के अंतिम संस्कार के लिए सभी तैयारी कर चुके थे और परिवार में मातम की स्थिति निर्मित था।

श्रमिकों के प्रकरण निपटाने समिति गठित

गरियाबंद। कलेक्टर श्याम धावड़े ने कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों के परिपेक्ष्य में संकटापन्न जरूरतमंद पंजीकृत श्रमिकों/कर्मकारों को आवश्यकतानुसार तात्कालिक सहायता प्रदान करने हेतु जिला हेल्पलाईन नम्बर 9754053988 एवं 9399313940 जारी किया है। उक्त नम्बर पर जिले के संकटापन्न जरूरतमंद पंजीकृत श्रमिक संपर्क कर सकते हैं। कलेक्टर श्री धावड़े ने श्रमिकों के प्रकरणों का 24 घंटे के भीतर निराकरण हेतु समिति भी गठित किया है। कलेक्टर श्याम धावडे की अध्यक्षता में उक्त समिति में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार लंगेह (आईएएस) सदस्य होंगे और अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के.के. बेहार सदस्य एवं नोडल अधिकारी तथा श्रम पदाधिकारी डी.एन. पात्र सदस्य सचिव बनाये गये हैं। कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों से पंजीकृत श्रमिकों/कर्मकारों के लिए राज्य हेल्पलाईन नम्बर 91098-49992 एवं 0771-2443809 है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सीएम बघेल ने फोन...

लिए तैयार है। इस काम के लिए एम्स के डॉक्टर 24 घंटे तैयार हैं। कोरोना संक्रमण से पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एम्स के डॉक्टर चिकित्सा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रदेश के मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों से संवाद कर चुके हैं।

सैंपल टेस्ट के लिए 1000 टेस्टिंग किट्स उपलब्ध

निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि एम्स के माइक्रोबायलॉजी विभाग में बनी वीआरडीएल लैब को एक अतिरिक्त मशीन प्रदान की गई है जिससे विभाग अपनी सैंपल टेस्ट करने की क्षमता को बढ़ा सके। अब प्रतिदिन लगभग 300 सैंपल की टेस्टिंग की जा सकती है। अभी तक एम्स में 350 सैंपल टेस्ट किए गए हैं जिनमें छह पॉजीटिव और शेष नेगेटिव आए हैं। एम्स के पास पर्याप्त संसाधन हैं जिनकी मदद से वर्तमान रोगियों या अन्य किसी पॉजीटिव रोगी को पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं। इसके साथ ही कोरोना वायरस के सैंपल टेस्ट के लिए आवश्यक 1000 टेस्टिंग किट्स भी एम्स में उपलब्ध हैं। उप-निदेशक (प्रशासन) नीरेश शर्मा ने बताया कि एम्स में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफऔर तकनीकी कर्मचारियों के लिए पर्याप्त संख्या में पीपीई किट्स, थ्री लेयर मास्क और एन-95 मास्क और सेनीटाइजर उपलब्ध हैं। सभी को आईसीएमआर के निर्देशों के अनुरूप सुरक्षा किट का प्रयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

सस्ता लोन, ईएमआई...

बैंकों के पास कर्ज देने के लिए अतिरिक्त 3.74 लाख करोड़ रुपये के बराबर अतिरिक्त नकद धन उपलब्ध होगा।

किस्त चुकाने में...

और क्रेडिट हिस्ट्री पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। लेकिन मोरोटोरियम अवधि का ब्याज मूलधन में जोड़ा जाएगा। यह अवधि खत्म होने के बाद आपको लंबित ब्याज भी चुकाना होगा। यानी आपको पहले के मुकाबले कुछ अधिक ब्याज देना होगा।' इसलिए मोरोटोरियम की सुविधा मिलने पर भी आप इस विकल्प को तभी चुनें जब आपके पास तरलता की कमी है। यदि आपके पास पर्याप्त धन है तो आपको किस्त देने में ही फायदा है।

देश में अब तक कोरोना...

लॉजिस्टिक सपोर्ट की कमी ना हो इसके लिए इसके लिए एक टॉस्कफोर्स का गठन किया गया है। पीएसयू को 10,000 वेंटिलेटर तैयार करने का आदेश दिया गया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने भी 1-2 महीनों में 30,000 अतिरिक्त वेंटिलेटर खरीदने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि 1.4 लाख कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा है। उन्होंने बताया कि भारत में कोविड19 से जितने भी लोगों की जान गई है उन्हें मधुमेह, हाई ब्लड प्रेशर या हार्ट की प्रॉब्लम थे। ज्यादातर मरीज बजुर्ग थे।

घर बैठे डॉक्टरों से लें सलाह

लव अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इससे डॉक्टर अपने घरों से ही मरीजों को अपनी सेवाएं दे सकते हैं। नागरिकों से अनुरोध है कि वे इसका लाभ उठाएं और डॉक्टर भी इसके जरिए अपनी सेवाएं दें। उन्होंने कहा कि हमारे देश में मोबाइल उपभोक्ता पर्याप्त संख्या में हैं, इसलिए उम्मीद है कि टेलीमेडिसिन का अच्छा रिस्पॉन्स मिलेगा।

विदेश से आए...

आए हैं और लौटने वाले यात्रियों और कोरोना वायरस संक्रमण के संदेश में वास्तविक रूप से निगरानी में रखे गए लोगों की संख्या में बड़ा अंतर प्रतीत हो रहा है। सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में गौबा ने कहा है कि विदेश से लौटे सभी यात्रियों की निगरानी में अंतर या कमी कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने की सरकार की कोशिशों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है, क्योंकि अन्य देशों से लौटने वाले लोगों में से कई कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं। राजीव गौबा ने पत्र में कहा है कि ब्यूरो ऑफ इमीग्रेशन ने 18 जनवरी 2020 से 23 मार्च 2020 तक की रिपोर्ट राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से एकत्र किए हैं, जिसमें विदेशों से आए लोगों की कोविड-19 की जांच की डिटेल है। इस रिपोर्ट और भारत आए कुल यात्रियों की संख्या में अंतर है। गौबा ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों से कहा है कि एक बार फिर से विदेशों से आए यात्रियों की पहचान की जाए और उनकी कोविड19 की जांच की जाए। साथ ही ये भी कहा गया है कि इन सभी यात्रियों को एमओएचडब्ल्यूडब्ल्यू के दिशानिर्देशों के अनुसार निगरानी में रखा जाए। इस काम में जिला स्तर के अफसरों की भी मदद लेने को कहा गया है।

प्रवासी मजदूरों के रहने...

गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि जो लोग देश में जहां हैं वहीं रहें। उनके आवागमन के लिए कोई छूट नहीं दी जाएगी। राज्य सरकारें उनके खाने-रहने का इंतजाम करे।

लॉकडाउन ही नहीं...

समस्या से निजात पाने के लिए जुटे हुए हैं। यह मानव जाति के लिए खतरा और तेजी से बदलता हुआ परिदृश्य जैसा है जहां हमें हर दिन एक नया अपडेट मिल रहा है।

सिंगापुर ने अपनाई अनूठी तकनीक

मौजूदा वक्त में सोशल डिस्टेंसिंग अर्थात सामाजिक दूरी को इससे बचाव का पहला कदम माना जा रहा है। यह समय की मांग है कि हम अपने तकनीकों को अधिक से अधिक मजबूत करें जिससे हम इस समस्या पर काबू पा सकें। सिंगापुर में स्मार्टफोन की तकनीक के जरिए 'ट्रेस टुगेदर' नामक एक अभियान चलाया गया जिसके तहत अगर किसी नागरिक में संक्रमण पाया जाता है तो वे आपस में विशेषज्ञों के संपर्क में रह सकते हैं। इसी तरह अमेरिका और साउथ कोरिया ने भी कई अभिनव तकनीकों का इस्तेमाल कर इस महामारी को नियंत्रित करने का प्रयास किया है।

विधायक रंजना ने जरुरतमंदों को खद्यान पैकेट उपलब्ध कराने का उठाया बीड़ा

धमतरी। करो ना महामारी से जब पूरा विश्व में हाहाकार मचा हुआ है जिससे हमारा देश भी अछूता नहीं है राज्य के संदर्भ में भी स्थिति की भयावहता को देखते हुए अनेक गंभीर कदम प्रशासनिक स्तर पर उठाए गए हैं लॉक डाउन जैसी स्थिति के बाद रोज कमाने रोज खाने वाले लोगों के सामने जीवन यापन के लिए विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है ऐसे में क्षेत्र के विधायक रँजना डिपेन्द्र साहू ने विधायक के रुप में प्राप्त होने वाले वेतन से जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री का पैकेट उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है उन्होंने एक अनौपचारिक चर्चा में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीके आह्वान पर आज पूरा देश कोरो ना से लड़ने के लिए एक साथ खड़ा हो गया है ऐसे में हम जनप्रतिनिधियों की भी नैतिक जिम्मेदारी बनती है की समाज के उन अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों की चिंता करें मैं एक जनप्रतिनिधि होने के नाते जितना सहयोग अपने क्षेत्र के लोगों के इस संकट की घड़ी में हो सके उसके लिए तत्पर रहूंगी साथी श्रीमती साहू ने आगे कहा है कि इस बीमारी के गंभीरता को देखते हुए प्रत्येक सक्षम व्यक्ति समाज सेवी संस्था धर्म के क्षेत्र में काम करने वाले लोग तथा ट्रस्ट हर गरीब परिवारों को हर दृष्टिकोण से सहयोग करने के लिए अपना योगदान देकर राज्य राष्ट्र व समाज के सामने आए संकट के लिए राष्ट्रधर्म राष्ट्रीय कर्तव्य का निर्वहन करे।

31 मार्च तक मदिरा दुकाने बंद रहेगी

गरियाबंद । राज्य शासन के आदेशानुसार कलेक्टर श्याम धावड़े ने नोवल कोरोना वायरस (कोविड -19) के संक्रमण से आमजन को सुरक्षित रखने के उददेश्य से छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1910 की धारा 24 की उपधारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 26 मार्च 2020 से 31 मार्च 2020 तक कुल 6 दिनों के लिए जिले की समस्त देशी/विदेशी मदिरा दुकानों एवं मद्यभण्डागार को पूर्णतः बंद रखने हेतु शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस पर मदिरा का अवैध विक्रय/धारण एवं परिवहन न हो यह सुनिश्चित करने कहा गया है। उक्त आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रयास एवं एकलव्य आवासीय विद्यालयों में आवेदन जमा व प्रवेश परीक्षा संशोधित

गरियाबंद / जिले के प्रयास आवासीय एवं एकलव्य आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन जमा करने की तिथि संशोधित कर दी गई है। पूर्व में यह तिथि 11 अप्रैल 2020 थी, जिसे अब 25 अप्रैल 2020 कर दी गई है। इसी प्रकार प्रवेश परीक्षा की तिथि 26 अप्रैल 2020 को स्थगित कर दी गई है। परीक्षा की नवीन तिथि बाद में घोषित की जायेगी। एकलव्य आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की पूर्व तिथि 19 अप्रैल 2020 थी, जिसे अब 26 अप्रैल 2020 कर दी गई है।

गरियाबंद में 743 व्यक्तियों को होम क्वारेन्टाइन किया गया

गरियाबंद। कोरोना वायरस जहां एक ओर पूरी दुनिया में कोहराम मचाया हुआ है। कोरोना वायरस के संक्रमण में आने से मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जिसे देखते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक सप्ताह में दो बार राष्ट्र को संबोधन किए हैं। जिसमें उन्होंने कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने का सबसे बेहतर उपाय सोशल डिस्टेंस को बताया है, इसके साथ ही बीते मंगलवार को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशभर में 21 दिनों का लॉकडाउन की घोषणा की है। इस दौरान लोगों से अपील करते हुए

कहा है कि घरों पर ही रहें, सुरक्षित रहें। एक-दूसरे से सोशल डिस्टेंस बनाकर रखें। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी अपील कर रहे हैं कि एक-दूसरे से दूरी बनाकर रखें। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गाइडलाइन तक जारी किया गया है।

गौरतलब है कि कोरोना वायरस के संक्रमण चूंकि विदेश से भारत में आए संक्रमित व्यक्तियों से संपर्क में आने वाले अन्य व्यक्तियों को भी संक्रमित कर रहा है। अतः राज्य शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में भी विदेशों से तथा अन्य राज्यों से पहुंचे व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें 14 से 28 दिनों के लिए होम क्वारेन्टाइन में रहने का निर्देश कलेक्टर श्याम धावड़े ने जिले में दिए हैं। उनके घर के सामने निगरानी में रखे जाने के संबंध में सूचना पर्चा चस्पा किया जा रहा है। निगरानी में रखे गये व्यक्तियों को निर्देश दिया गया है कि निगरानी अवधि के दौरान किसी भी स्थिति में घर से बाहर न निकले और परिवारजनों से और अन्य व्यक्तियों से सोशल डिस्टेंस बनाकर रहें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

ऋतिक रोशन ने अपने डॉगी के साथ शेयर किया फोटो बोले-

जेन कहना चाहता है कि घर पर रहिए

कोरोना वायरस के कारण पूरा विश्व परेशान है और इसको हराने का एकमात्र उपाय सोशल डिस्टेंसिंग है। ऐसे में लगभग सभी सितारे अपने अपने घरों में हैं और वहीं से किसी ना किसी तरीके का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर अपने फैंस और देश की जनता से सोशल डिस्टेंस बनाने की अपील कर रहे हैं। इसी बीच ऋतिक रोशन की एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वो अपने डॉगी के साथ नजर आ रहे हैं। सामने आई इस फोटो में ऋतिक जिम में योगा मैट पर लेटे हुए हैं। जबकि उनका डॉगी चलकर कैमरा के पास आ रहा है। ऋतिक फोटो फुल स्लीव टीशर्ट और कैप पहने नजर आ रहे हैं और अपने डॉगी के जाते हुए देख कर स्माइल कर रहे हैं। अपने डॉगी के साथ अपनी फोटो शेयर करते हुए ऋतिक रोशन ने लिखा है कि जेन कहना चाहता है कि घर पर रहिए। जैसे उसके डैडी अभी रह रहे हैं।'

गौरतलब है कि हाल ही में ऋतिक रोशन अपने परिवार और सुजैन खान को लेकर चर्चा में आए थे। लॉकडाउन के आदेश के बाद सुजैन खान अपने दोनों बच्चों को लेकर ऋतिक के घर रहने का फैसला किया था, सुजैन के इस इस निर्णय का ऋतिक ने जमकर तारीफकरते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा और इस बारे में जानकारी दी। आपको ये भी बता दें कि कोरोना के इस मुसीबत की घड़ी में ऋतिक रोशन ने बृहनमुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को 20 लाख रुपए डोनेट किया है।

घर पर सब्जी काट रही डेजी

कोरोना वायरस के कारण सभी बॉलीवुड सेलेब्स अपने घरों में हैं और परिवार के साथ टाइम स्पेंड कर रहे हैं। सभी फोटोज और वीडियोज शेयर कर अपने-अपने टाइम पास के तरीके बता रहे हैं। एक्ट्रेस डेजी शाह ने भी अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसे लेकर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। डेजी शाह ने वीडियो को इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में उन्हें भिंडी और टमाटर काटते देखा जा सकता हैं। मजेदार बात ये है कि उन्होंने बहुत सारी भिंडी काटी है। यह देख यूजर्स ने उनसे तरह-तरह के सवाल पूछने शुरू कर दिए। एक यूजर ने सवाल किया कि इतनी वे सारी भिंडी किसके लिए काट रही हैं? दूससे यूजर ने मस्ती करते हुए पूछा - इतनी सारी भिंडी अकेले आइसोलेशन में खा लेंगे क्या? एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, आपके पास प्लास्टिक बैग कहा से आई? इतनी भिंडी कौन खाता है यार? इस तरह कई सवाल डेजी शाह से पूछ गए। उन्होंने भी इन सवालों के जवाब दिए। डेजी शाह ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में उन्होंने कहा, 'बहुत लोग पूछ रहे हैं कि मैं इतनी भिंडी क्यों बना रही हूं तो बता दूं कि मेरे घर में पांच लोग हैं।

कोरोना से लड़ने प्रभास ने डोनेट किये 4 करोड़

कोरोना वायरस से लड़ने के लिए ऋतिक रोशन ने महाराष्ट्र सरकार को 20 लाख रूपए दान किये हैं। मीडिया में आई रिपोर्ट्स की मानें तो ऋतिक ने ये पैसे महानगरपालिका में काम कर रहे कर्मचारियों को सुविधा मुहैय्या कराने के उद्देश्य से दिया है। इसी के साथ फिल्म 'बाहुबली से चर्चित हुए तेलुगू स्टार प्रभास ने कोरोना महामारी से लड़ने के लिए दिए 4 करोड़ रुपये दान किए हैं। प्रभास ने 3 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में और 50-50 लाख रुपये आंध्र प्रदेश व तेलंगाना मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किए। आपको बता दें कि कोरोना की वजह से देश में हुए लॉकडाउन की वजह से बॉलीवुड सेलेब्स ने दिहाड़ी मजदूरों की मदद के लिए सामने आये हैं। आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की तरफ से आई स्टैंड विद ह्यूमैनिटी की पहल की गई है। इस इनिशिएटिव में डेली वेजेस की मदद के लिए फंड इकट्ठा किया जा रहा है। आयुष्मान खुराना, तापसी पन्नू ने भी ट्वीट कर लोगों से इस इनिशिएटिव से जुड़ने की अपील की। तो ऐसे कोरोना से लड़ा जा रहा है। प्रभास हाल ही में जॉर्जिया से लौटे हैं, जहां उनकी अगली फिल्म 'प्रभास 20' की शूटिंग चल रही थी। वहां उनके साथ पूजा हेगड़े भी थीं। वहां से लौटने के बाद दोनों ने एहतियातन खुद को 14 दिनों तक स्व-एकांतवास में रखा। प्रभास से पहले तेलुगू अभिनेता पवन कल्याण 2 करोड़, उनके भतीजे रामचरण 70 लाख रुपये, उनके तेलुगू सुपर स्टार पिता चिरंजीवी 1 करोड़ रुपये और युवा सुपर स्टार महेश बाबू 1 करोड़ रुपये राहत कोष में दान कर चुके हैं। बात करें ऋतिक की तो उन्होंने ट्विटर पर आदित्य ठाकरे का धन्यवाद करते हुए कहा था कि वें खुश हैं कि उन्हें भी मुंबई महानगर पालिका और महाराष्ट्र सरकार की मदद का मौका मिला।

मजदूरों की मदद के लिए सामने आये आयुष्मान खुराना, तापसी पन्नू, अनन्या पांडे

देश से लेकर विश्व तक सभी जगह बस एक ही कहर जारी है। वह है कोराना वायरस की। इस वायरस की वजह से एक तरह जहां लोगों की लोगों के स्वास्थय की चिंता है तो वहीं दूसरी तरफलोगों के रोजगार पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। भारत में कोरोना वायरस का बढ़ता असर देखते हुए पीएम मोदी ने 21 दिनों लॉकडाउन का एलान किया हुआ है। इस लॉकडाउन की वजह से दिहाड़ी मजदूरों का धंधा बंद हो गया है और गरीब किसान और वर्कर के सामने खाने की चिंता सताने लगी है। ऐसे में बॉलीवुड सितारे लोगों की मदद करने सामने आए हैं। इन सितारों में आयुष्मान खुराना, तापसी पन्नू, अनन्या पांडे और फिल्म डायरेक्टर राजुकमार हिरानी ने इनकी मदद के लिए लोगों गुज़ारिश कर रहे हैं। इससे पहले कोरोना वायरस से लड़ने के लिए ऋतिक रोशन ने महाराष्ट्र सरकार को 20 लाख रूपए दान किये हैं। आयुष्मान इस बात की जानकारी ट्वीट करते हुए दिया है। आयुष्मान ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि ÷यह वास्तव में एक नेक पहल है। मैं इस का समर्थन करने और योगदान करने की कसम खाता हूं। भारत और भारतीय खतरे में हैं और हममें से हर एक में फर्क करने की शक्ति है। संकट के इस समय में जितना हो सके हम एक दूसरे का समर्थन और देखभाल करें।÷ तापसी पन्नू ने ट्वीट करते हुए लिखा 'यह दिहाड़ी मजदूरों के लिए है। क्योंकि हमें अपना काम उन लोगों के लिए करना होगा जो हमारे साथ काम करते हैं।

चीन फुटबॉल टीम में कोई कोरोना संक्रमित नहीं

बीजिंग (वार्ता)। दुबई से लौटी चीन की पुरुष फुटबॉल टीम के सभी सदस्यों का गुरुवार को कोविड-19 कोरोना टेस्ट नेगेटिव आया। चीन फुटबॉल टीम का विदेश में ट्रेनिंग कैंप चल रहा था जिसके बाद उन्हें चीन के हैनान प्रांत के सान्या स्थित एक होटल में अलग-थलग रखा गया है। टीम ने बयान जारी कर कहा, ÷अब जब हमारे टीम के किसी भी खिलाड़ी में कोरोना की पुष्टि नहीं हुई है तो हम बंद दरवाजे में स्थानीय विभाग के दिशानिर्देश के अनुसार ट्रेनिंग करेंगे। सभी खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए क्वारंटाइन के 14 दिनों बाद हम एक बार फिर सभी खिलाड़ियों का टेस्ट कराएंगे। चीन की 26 स्दस्यीय टीम तीन मार्च से दुबई में 2022 विश्वकप क्वालीफायर्स की तैयारियों के लिए ट्रेनिंट कैंप कर रही थी। यूरोप स्थित टीम के एकमात्र खिलाड़ी वू लेई को इस पूरे कैंप में भाग लेने सी छूट दी गयी थी। उल्लेखनीय है कि गत नौ मार्च को फीफा ने कोरोना वायरस के कारण अपने सभी विश्वकप क्वालीफाइंग मैचों को स्थगित करने का फैसला लिया था। लेई गत रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। प्रमुख कोच ली तेई ने दो मार्च को बार्सिलोना में मुलाक़ात की थी जिसके बाद चीनी मीडिया में पूरी टीम को लेकर चिंता जताई जा रही थी।

क्वारंटाइन के लिए हो अरुण जेटली स्टेडियम का इस्तेमाल : सीके खन्ना

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सीके खन्ना ने कहा है कि खतरनाक कोरोना वायरस से उत्पन्न संकट की इस घड़ी में राजधानी स्थित अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम का इस्तेमाल क्वारंटाइन उद्देश्य के लिए किया जा सकता है। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के पूर्व उपाध्यक्ष खन्ना ने गुरूवार को एक बयान में कहा, ÷मैं बंगाल क्रिकेट संघ की ईडन गार्डन मैदान को क्वारंटाइन के लिए इस्तेमाल करने की पेशकश की पहल का स्वागत करता हूं। मैं डीडीसीए से आग्रह करता हूं कि वह भी अरुण जेटली स्टेडियम का इस्तेमाल क्वारंटाइन के लिए करने की पेशकश करे। मैं भी इसमें अपना योगदान दूंगा और इस पहल में टीम के साथ जुडूंगा।

आरसीए मुख्यमन्त्री राहत कोष में 11 लाख रुपये की मदद देगा

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ राजस्थान में करोना वायरस के मद्देनजर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा गठित मुख्यमंत्री राहत कोष में 11 लाख रूपये देने की घोषणा की है। आरसीए के सचिव महेंद्र शर्मा ने गुरुवार को बताया की आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत एवं आरसीए कार्यकारिणी के सदस्यों से चर्चा करके राज्य सरकार द्वारा राज्य में कोरोना वायरस से बचाव के लिये राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे उपायों एवं अति आवश्यक कार्यों में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 11 लाख रूपये की सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया।

कोरोना के कारण प्रभावित हो सकती है टेस्ट चैंपियनशिप

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट जगत की तमाम गतिविधियां इस समय ठप्प पड़ी हुई हैं और इसका असर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पर भी पड़ सकता है।

नई दिल्ली (वार्ता)। विश्व की नंबर एक टीम भारत फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 360 अंकों के साथ पहले और ऑस्ट्रेलिया 296 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में टीमों को दो वर्षों तक घर में और विदेशी जमीन पर टेस्ट सीरीज खेलनी है और चैंपियनशिप के मैचों को अगले वर्ष मार्च तक समाप्त हो जाना है जिसके बाद अंक तालिका में मौजूद शीर्ष दो टीमों के बीच फाइनल मुकाबला जून 2021 में लॉर्ड्स मैदान में खेला जाएगा। लेकिन कोरोना के कारण कई सीरीज को स्थगित कर दिया गया है जिसके कारण टीमें अपनी निर्धारित सीरीज पूरी नहीं कर पाएंगी और इसका सीधा प्रभाव विश्व चैंपियनशिप पर पड़ेगा। चैंपियनशिप में नौ टीमों को छह-छह सीरीज खेलनी हैं।

कोरोना का टी-20 विश्व कप पर भी पड़ सकता है प्रभाव

नई दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस के कारण खेल जगत पर गहरा प्रभाव पड़ा है और ऐसे में इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी-20 विश्व कप पर भी इसका असर पड़ सकता है।

आईसीसी टी-20 विश्व कप का आयोजन 24 अक्टूबर से 15 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में होना है लेकिन कोरोना के कारण इस पर प्रभाव पड़ सकता है। कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट सहित विभिन्न खेलों को स्थगित किया गया है और हाल ही में टोक्यो में होने वाले ओलंपिक खेलों को भी अगले साल तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कोरोना के संकट के बीच टी-20 विश्वकप को लेकर दूसरे विकलपों पर विचार कर रही है। आईसीसी ने अभी तक विश्वकप को रद्द करने के बारे में विचार नहीं किया है लेकिन अगर इस वर्ष यह टूर्नामेंट नहीं हो पाया तो इसे 2021 में कराया जा सकता है तथा 2021 में भारत में होने वाले टी-20विश्वकप को अक्टूबर 2022 तक स्थगित किया जा सकता है।

इस बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी केविन रॉबर्ट को उम्मीद है कि टी-20 विश्वकप अपने निर्धारित समय पर ही होगा। लेकिन अगर ऐसा नहीं हो पाता है तो आयोजकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्टेडियम को लेकर होगी।

बीसीसीआई अगले साल से महिला आईपीएल कराए : मिताली

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से अपील करते हुए कहा है कि वह हमेशा के लिए इंतजार नहीं करें और अगले वर्ष छोटे पैमाने पर ही सही लेकिन महिला आईपीएल का आयोजन कराएं। भारतीय महिला टीम लंबे समय से महिला आईपीएल का इंतजार कर रही है लेकिन बोर्ड इस पर अब तक कोई फैसला नहीं ले सका है। इस वर्ष बीसीसीआई ने पुरुष आईपीएल के प्लेऑफ के समय महिलाओं के चार टीम का टी-20 टूर्नामेंट कराने का फैसला किया था लेकिन कोरोना के कारण आईपीएल को 15 अप्रैल तक स्थगित करने का फैसला लिया गया । मिताली ने कहा,÷मुझे निजी तौर पर लगता है कि महिला आईपीएल अगले साल से शुरु होना चाहिए, भले ही अभी इसे छोटे पैमाने में शुरु किया जाए और नियम में कुछ परिर्वतन किया जाए जैसे पहले संस्करण में पांच से छह विदेशी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने की इजाजत दी जाए।

नरसिंह पर लगा प्रतिबंध जुलाई में समाप्त हो जाएगा

ओलम्पिक स्थगित होने से नरसिंह के लिए खुला रास्ता

नई दिल्ली (वार्ता)। डोपिंग के कारण चार वर्ष का प्रतिबंध झेल रहे पहलवान नरसिंह यादव के लिए टोक्यो ओलम्पिक का स्थगित होना वरदान साबित हो सकता है और उनके लिए ओलम्पिक में हिस्सा लेने का रास्ता खुल सकता है। नरसिंह पर लगा प्रतिबंध जुलाई में समाप्त हो जाएगा।

74 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के पहलवान नरसिंह पर रियो ओलम्पिक में अपना पहला मुकाबला लड़ने से ठीक पहले डोपिंग के लिए दोषी पाए जाने के कारण चार वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया था जबकि इससे पहले भारत में एक जांच पैनल ने उन्हें साजिश का शिकार बताकर ओलंपपिक में हिस्सा लेने के लिए क्लीन चिट दी थी।

यदि टोक्यो ओलम्पिक अपने निर्धारित समय 24 जुलाई से आयोजित होते तो नरसिंह ओलम्पिक में हिस्सा नहीं ले पाते लेकिन ओलम्पिक 2021 तक स्थगित किये जाने से नरसिंह को एक मौका मिल सकता है। नरसिंह पर लगा प्रतिबंध जुलाई में समाप्त हो जाएगा। नरसिंह ने 2015 की विश्व चैपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर रियो ओलम्पिक के लिए देश को 74 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में कोटा दिलाया था। उनके इस वजन वर्ग के पहलवान सुशील कुमार ने नरसिंह के साथ ट्रायल की मांग की और यह मामला दिल्ली हाई कोर्ट में चला गया। भारतीय कुश्ती महासंघ उस समय नरसिंह के पक्ष में था। सुशील ने पिछले दो ओलम्पिक में कांस्य और रजत पदक 66 किग्रा वर्ग में जीते थे लेकिन एक वजन वर्ग आगे जाने के कारण उन्हें 74 किग्रा वर्ग में उतरना पड़ रहा था। अदालत का फैसला फेडरेशन और नरसिंह के पक्ष में रहा। लेकिन नरसिंह जून और जुलाई 2016 में दो बार डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए। नरसिंह ने तब उनके खाने पीने में छेड़छाड़ किये जाने का आरोप लगाया था।

टोक्यो ओलम्पिक स्थगित होने से टल सकता है पेस का संन्यास

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस के कारण टोक्यो ओलंपिक के 2021 तक स्थगित हो जाने से कारण भारतीय टेनिस के लीजेंड खिलाड़ी लिएंडर पेस का संन्यास भी टल सकता है और वह आठवीं बार ओलम्पिक में हिस्सा लेने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं।

टोक्यो ओलम्पिक का आयोजन इस साल 24 जुलाई से नौ अगस्त तक होना था लेकिन वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना के कारण इसे 2021 तक स्थगित कर दिया गया और इसका आयोजन अगले वर्ष गर्मियों से पहले हो सकता है।

भारतीय टेनिस के लीजेंड पेस आगामी जून में 47 साल के हो जाएंगे। पेस ने पिछ्ले साल घोषणा की थी कि 2020 में वह संन्यास ले लेंगे लेकिन टोक्यो ओलंपिक के 2021 तक स्थगित होने बाद उनका संन्यास भी टल सकता है। 2016 में हुए रियो ओलंपिक उनका सातवां ओलंपिक थे। उनका पहला ओलम्पिक 1992 के बार्सिलोना ओलम्पिक थे। पेस ने ईएसपीएन से कहा, ÷यह ऐसा फैसला है जिस पर मैं और मेरी टीम विचार कर रहे हैं। मेरे पिता चाहते हैं कि मैं काफी समय तक खेलूं। वह मुझे अच्छे से जानते हैं। उन्हें पता है कि एक बार मैंने संन्यास ले लिया तो मैं आगे कुछ नहीं कर पाऊंगा और मैं फिर वापसी नहीं कर पाऊंगा।

■ न्यूज गैलरी

पार्षद रजनी संजय रामचंद्र ने वार्ड में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया

सक्ती। नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 6 के पार्शद श्रीमती रजनी संजय रामचंद्र के द्वारा पुरे वार्ड में ब्लीचिंग पाउडर और दवाई का छिड़काव करवाया जा रहा है तथा कोरोना वायरस न हो इसलिये अपने वार्ड के निवासियों को घर में रहने के लिये निवेदन भी किया जा रहा है तथा बार-बार साबुन से हाथ धोने तथा जरूरी होने पर ही चेहरो में मास्क लगाकर, हाथो में दस्ताने पहनकर ज्यादा जरूरत का समान खरीदने के लिये घर निकले तथा उनके द्वारा एक माह का भत्ता मुख्यमंत्री राहत कोश में दिया ।

मुकेश अग्रवाल ने गायों के लिए की चारे की व्यवस्था

सक्ती। लॉकडाउन होने के बाद जहां लोग अपने एवं अपने परिवार की देखभाल कर रहे है सरकार के निर्देष का पालन कर रहे है । नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत हटरी चौक में प्रतिदिन सब्जी मार्केट षाम को लगता था जिससे वहां पर गाय अधिक संख्या में वहां पर रहती है कोरोना के चलते सब्जी मार्केट को अन्यत्र किये जाने से वहां पर विचरण करने वाली गौ माता को खाने की समस्या होने लगी । गौ माता को खाने की व्यवस्था में बिना किसी को कहे नि षब्द सेवा में मुकेष अग्रवाल (डी.एम.) हटरी चैक में गौ माता की भोजन व्यवस्था की गई तथा उन्होने बताया कि सब्जी मार्केट कोरोना के चलते अन्यत्र होने से वहां पर के गौ माता को खाने के लिये इधर उधर भटकना पड रहा था। नगर में युवा मित्र मंडल एवं कई अन्य संस्थाओं द्वारा बंद के दौरान किये जा रहे सेवा कार्य के लिये नगर के नागरिकों ने प्रषंसा की और कहा कि घर में रहे सुरक्षित रहे ।

बेलसोंडा में बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित

महासमुंद। आगामी 14 अप्रैल तक पूरे देशव्यापी बंद का हम पुरजोर समर्थन करते हैं। केंद्र व राज्य सरकारों के निर्देशों का पालन करते हुऐ ग्राम बेलसोंडॉ में भी बाहरी व्यक्ति का गांव प्रवेश न हो, इसके लिए गांव के मुख्य मार्ग पर बेरिकेट्स लगाकर बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। गांव के लोगों के साथ-साथ पूरे क्षेत्र लोगों को सरकार के निर्देश का पालन करने की अपील की है। साथ ही लोगों को अपने-अपने घरों में रहने की अपील की है। यह जानकारी कुनाल चंद्राकर ने दी है।

निगरानी के लिए समिति गठित

महासमुंद। ग्राम पंचायत डुमरपाली में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए ग्राम पंचायत क्षेत्र में अनावश्यक आवागमन को सील कर दी गई है। उक्त प्रतिबंध के सतत क्रियान्वयन व निगरानी के लिए समिति गठन किया गया है। इसमें नंदकुमार निषाद सरपंच, लेखराम खड़िया उपसरपंच, संतोष शर्मा, मोहित मरकाम, पवन चक्रधारी, कौशिल्या तिवारी, अनंता पांडे, भुवनेश्वरी कोसरिया, श्याम बाई सिन्हा, सरोज ढीढी, फेकन दीवान, चमेली निर्मलकर, पंचू पटेल, तुलसी राम निषाद, उर्मिला सहिस, चित्र रेखा मारकंडे, लक्ष्मी शर्मा, जमुना दीवान, नीलम निर्मलकर, पुनीत खड़िया, नागेंद्र चंद्राकर, गुंजा साहू, त्रिवेणी ध्रुव आदि शामिल है।

घरों में कर रहे पूजा-पाठ, मंदिरों में सन्नाटा

बिरकोनी। कोरोना वायरस के चलते मंदिरों में सन्नाटा पसरा है। ग्राम के कुल देवी मंदिरों में दुर्गा मंदिर, मौली मंदिर, शीतला मंदिर, खल्लारी मंदिर, महामाया मंदिर में एक-एक ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। वहीं चंडी मंदिर में तीन ज्योत प्रज्वलित की गई। मंदिरों में लाऊड स्पीकर पर प्रतिबंध लगाया गया है। पूजा पाठ के दौरान श्रध्दालु नजर नहीं आए। ग्रामीण श्रध्दालुओं ने महिला, पुरुष, बालक, बालिकाओं ने घरों में रहकर उपवास रखा है। मंदिर के दरवाजे के बाहर दूरी बना कर 3 की संख्या में दर्शन कर रहे हैं। मंदिर भीड़ एकत्रीकरण को लेकर हिदायत जारी की गई है।

यूपी से लौटे मजदूरों को जांच के बाद भेजा गया गांव

महासमुंद। बुधवार रात 9 लोग उत्तरप्रदेश से वापस महासमुंद लौटे। इन सभी को शहर के टाउन हॉल में रखा गया था। गुरुवार को पुलिस ने इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दी, जिसके बाद डॉ. अनिरुद्ध कसार और उनकी टीम ने सभी के सेहत की जांच की। डॉ. कसार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में किसी में भी लक्षण नजर नहीं आया है। इसके बाद उनके बाएं हाथ की सभी अंगुलियों में अमिट स्याही लगातार उन्हें घर भेज दिया गया है। ये सभी अगले 14 दिन तक होम आइसोलेशन में रहेंगे।

ऑनलाईन आवेदन नहीं कर पा रहे

महासमुंद। आरटीई के तहत ऑनलाइन आवेदन करने में पालकों की परेशानी एक बार फिर बढ़ गई है। पहले चरण में आवेदन करने के लिए पालकों को 15 अप्रैल तक का समय दिया गया है। वहीं कर्फ्यू के कारण पालक अपने बच्चों को निजी स्कूल में पढ़ाने के लिए आरटीई के तहत आवेदन नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि सरकार ने 14 अप्रैल तक शहर को लॉकडाउन कर दिया है। आरटीई के तहत प्रवेश प्रकिया भी प्रभावित हो सकती है।

हम अपनी जान पर खेलकर काम कर रहे, कोरोना को हराने लोग साथ दें

नवप्रदेश संवाददाता

लवन। कोरोना वायरस से लड़ने के लिए सभी का साथ जरूरी है। पुलिस अपना काम कर रही है लेकिन आम जनता को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। लोगों को कोरोना वायरस को हटाने के लिए सिर्फ एक ही काम करना है, और वह यह है कि वे घरों से बाहन न निकलें। यह बात आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस के जवानों ने कही है।

लवन चैकी प्रभारी पुरूषोत्तम कुर्रे का कहना है कि पुलिस व जिला प्रशासन आम लोगों की सुरक्षा के लिए जान पर खेलते हुए दिन रात काम कर रहे है। वही आम लोगों को कोरोना से लड़ने की लड़ाई में सिर्फ घरों मे ही रहकर साथ देना है। उन्होंने कहा कि लोग लॉक डाउन का ईमानदारी से पालन करें, ताकि पुलिस को बल प्रयोग करने विवश न होना पड़े। पुलिस प्रशासन नहीं चाहता कि किसी पर भी बल प्रयोग किया जाए। लेकिन आम नागरिक लॉकडाउन में भी बेवजह सड़कों में निकलेंगे तो मजबूरन बल प्रयोग करना पड़ता है। आम लोगों की सुरक्षा के लिए पूरा प्रशासन लगा हुआ है। आम नागरिकों को भी समझारी दिखानी चाहिए।

लॉकडाउन के दौरान ड्यूटी कर रहे पुलिस कर्मी अजय बंजारे का कहना है कि कोरोना वायरस से सिर्फ एक दूसरे से दूरी बनाने व घरों में ही रहने से हराया जा सकता है। इसका अधिकांश लोग पालन नहीं कर रहे है। लोग बेवजह घर से निकलकर सड़कों में धुम रहे है। बहुत ही जरूरी होने पर ही आवश्यक सामाग्री खरीदने के लिए प्रशासन ने छूट दी थी। जिसका लोग गलत उपयोग कर रहे है।

पुलिसकर्मी रमाकांत भारद्वाज का कहना है कि आम नागरिकों को सतर्क करने समझाइश दी जा रही है। इस समय नागरिकों को लगातार बेवजह घरों के बाहर नहीं निकलने की समझाइश दी जा रही है। इसके बावजूद कुछेक लोग बिना काम के सड़कों पर घूम रहे है। ऐसा कर वे न केवल स्वयं बल्कि अपने परिवार व संपर्क में आने वाले सभी लोगों को खतरें में डाल रहे है।

पुलिसकर्मी नंद किशोर यादव कहना है कि पुलिस सिर्फ लोगों को सख्ती से सड़कों पर न निकलने के लिए कार्रवाई कर सकती है लेकिन आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

पुलिसकर्मी देवेन्द्र देवांगन का कहना है कि पूरे नगर में व गांव में पुलिस व प्रशासन सभी जगहों के लिए दिन रात काम कर रहा है। इसके बावजूद भी लोग घर से बाहर निकलकर झुण्ड में बातचीत कर रहे है। ऐसा करने वाले एक बार अपने परिवार के बारे में सोंच ले। गली मोहल्लों में झुंड बनाकर आपस में गप्पें लड़ाने वालों को यह समझना चाहिए कि वे कितना बड़ा खतरा मोल ले रहे है।

पुलिसकर्मी सुनील डहरिया का कहना है कि वह कड़ाई से हर आने जाने वाले वाहनों की जांच कर रहे है। बेवजह सफर करने वाले लोगों को समझाइश देकर वापस लौटाया जा रहा है।

जुड़ा में लॉकडाउन का हो रहा खुलेआम उल्लंघन

गांव में धड़ल्ले से बिक रही है कच्ची शराब

पुलिस प्रशासन गंभीर नहीं

लवन। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस को लेकर जिला प्रशासन गंभीर हो चुका है, कोरोना वायरस नामक संक्रमण की रोकथाम व उससे बचने के लिए 21 दिन तक लॉक डाउन घोषित किया गया है इसके मद्देनजर प्रदेश में 25 मार्च तक देशी- अंग्रेजी शराब भट्टी को बंद किया गया था। वही छत्तीसगढ़ में कोरोना के 6 पॉजिटिव मरीज मिलने से हड़कंप मच गया है । जिसके चलते कोरोना संक्रमण से आम जनता के बचाव को ध्यान में रखते हुए 31 मार्च तक शराब भट्टी को बंद रखने का प्रदेश सरकार द्वारा आदेशित किया गया है। शराब भट्टी के बंद होने से कच्ची शराब की बिक्री के मामले में सुर्खियों में रहने वाला गांव जुडा में धारा 144 व लॉक डाउन का असर नहीं दिखाई दे रहा है, इन गांव में सुबह और देर रात तक शराबियों की हुजूम लगा रहता है जिसकी जानकारी सरपंच प्रतिनिधि के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से दिया जा रहा है। साथ ही सरपंच के द्वारा गांव में शराब बंद करने के लिए मुनादी कराया गया है उसके बावजूद शराब बेचने वाले के ऊपर किसी भी प्रकार की कोई खौफ नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जुड़ा में लंबे समय से कच्ची शराब की अवैध बिक्री खुलेआम हो रही है जिसकी जानकारी पूर्व में सरपंच प्रतिनिधि श्यामलाल घृतलहरे के द्वारा शांति समिति की बैठक में चौकी प्रभारी को दिया गया था इसके बावजूद यहां अधिकांश घरों में कच्ची शराब की अवैध बिक्री को अंजाम दिया जा रहा है। इन दिनों कोरोना वायरस की रोकथाम व इस महामारी को फैलने से रोकने देश प्रदेश में धारा 144 और लॉकडाउन घोषित किया गया है । धारा 144 और लॉक डाउन में किसी भी लोगों को घर से बाहर नहीं निकलने एक ही जगह 3 से अधिक व्यक्ति नहीं रहने का प्रवधान है।

गैस एजेंसियां को नियमित रूप से खुला रखने एवं घर पहुंच सेवा प्रदान करने की अनुमति

कांकेर । नोवल कोरोना वायरस से उत्पन्न परिस्थितियों के प्रबंधन की आवष्यकता को दृष्टिगत रखते हुए गैस एजेंसियों को नियमित रूप से खुला रखने एवं घर पहुंच सेवा प्रदान करने की अनुमति कलेक्टर श्री के.एल. चौहान द्वारा दी गई है। जारी आदेष में उन्होंने कहा कि सभी गैस एजेंसी संचालक एल.पी.जी. गैस सिलेण्डरों की सतत आपूर्ति एवं पर्याप्त स्टॉक की व्यवस्था रखेंगे। किसी भी उपभोक्ता को कार्यालय एवं गैस गोदाम में रिफ्लि प्रदाय नहीं करेंगे। उपभोक्ताओं से आनलाईन, दूरभाष से बुकिंग उपरांत शतप्रतिषत उपभोक्ताओं को एजेंसी के द्वारा घर पहुँच सेवा प्रदान की जावे।

ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका नहीं रही ब्रह्माकुमारीज संस्थान में शोक की लहर

काँकेर। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक संगठन ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका नारी शक्ति की प्रेरणा स्रोत तथा स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड अम्बेसडर राजयोगिनी दादी जानकी का देहावसान हो गया। वे 104 साल की थी, माउण्ट आबू के ग्लोबल हास्पिटल में 27 मार्च को प्रातः 2 बजे अंतिम सांस ली। राजयोगिनी दादी जानकी दुनिया की एकमात्र महिला थी जिससे मोस्ट स्टेबल माइंड इन द वर्ल्ड का खिताब था। स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड अम्बेसडर डॉ दादी जानकी का अंतिम संस्कार सायं 3.30 बजे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शांतिवन राजस्थान में होगा। विश्व की दादी के नाम से मशहूर राजयोगिनी दादी जानकी का जन्म 1 जनवरी, 1916 को हैदराबाद सिंध (जो अभी पाकिस्तन में है) में हुआ था। दादी जानकी ने 21 वर्ष की उम्र में ही इस आध्यात्मिक पथ को अपना लिया था। सन् 1970 में भारतीय संस्कृति, मानवीय मूल्यों और राजयोग का संदेश देने के लिए पश्चिमी देशों का रुख किया था। विश्व के 140 देशों में उन्होंने ब्रह्माकुमारीज केन्द्रों की स्थापना कर लाखों लोगों के अन्दर एक सच्चे मानव के संस्कार का बीज बोया था। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के देहावसान के पश्चात सन् 27 अगस्त, 2007 को वे संस्थान की मुख्य प्रशासिका बनी।

जिले के नए पुलिस अधीक्षक डी. श्रवण ने कार्य भार सम्हाला

मुंगेली। राज्यशासन के आदेशानुसार जिले के नए पुलिस अधीक्षक डी. श्रवण ने आज जिले के नये पुलिस अधीक्षक के रूप में अपना पद भार ग्रहण किया, डी. श्रवण 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी है। डी. श्रवण सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर से स्थानांरित होकर मुंगेली जिले में पदस्थ हुए है।

सब्जी बाजार खुलते ही लोगों की उमड़ी भीड़

मुंगेली। कोरोना वायरस से बचाव सुरक्षा व प्रसार को रोकने के लिए जिले में लॉकडाउन घोषित किया गया है। सुबह सब्जी बाजार खुलते ही लोगो की उमडती भीड को देखते हुए जिला प्रशसन के द्वारा ऐतिहात के तौर पर अब नयी पहल की गई है, नगर की सब्जी मंडियों में ज्यादा भीड न हो सके इसके लिए अब नगर के पडाव चैक, शंकर मंदिर, दाउपारा चैक, सहित विभिन्न स्थानो पर सब्जी दुकानो का लगाया गया है, साथ प्रशासन द्वारा कुछ किराना दुकानो को चिन्हांकित किया गया है जो लोगो को एक निश्चित सेवा शुल्क लेकर उनको घर पहुच सेवायें दे रहे है, जिससे बाजार में अनावश्यक भीड भाड न हो, और लोग अपने घरो में सुरक्षित रहे ।

इन दिनों सब्जी बाजार में पर्याप्त आवक नही हो रही है जिसके पीछे , जिसके चलते सब्जियों के मांग ज्यादा होने व आवक कम होने से जहां सब्जियों के दाम बढ़ने लगे है वहीं संब्जि उत्पादकों के लिए यह प्रतिबंध नुकसानदायक साबित हो रहा है सब्जि उत्पादक प्रशासन से आस लगाये बैठे है उन्हें सब्जि बाजार में लाने के लिए साधन वाहन के साथ अनुमति प्रदान करें ताकि सब्जि बाजार में पहुच सके और सब्जि की कमी न हो।

सब्जी बाजार में आलू, प्याज, की मांग ज्यादा हो रही है लोग एक किलो बजाय दो किलो, पांच किलो, आलू प्याज, ले रहे है। सब्जी बाजार में मुनगा, केला, भीडी, बरबट्टी, करेला, कटहल, गाजर, पत्तागोभी, फूलगोभी, के साथ लोग सब्जी खरीदने में जुटे रहे।

पुराने डेली मार्केट वालो को नई सब्जी मंडी में दुकान लगाने मिली नोटिस

काँकेर। कोरोना के भयावह स्थिति को देखते जिला प्रशासन ने शहर के हृर्दयस्थल में बने सबसे पुराने डेली मार्केट को बंद कराने का फैसला लिया है। डेली मार्केट में लगने वाली दुकान जिसमें साग सब्जी आलू प्याज चिकन मटन की दुकानों को गुरुवार को नोटिस देकर शुक्रवार 27 मार्च से नया बस स्टैंड में बनी न्यू सब्जी मंडी में लगाने का निर्देश जारी किया गया है। तहसीलदार मनोज मरकाम ने बताया की पुराना डेली मार्केट में संचालित सब्जी आलू प्याज़ चिकन मटन मछली की दुकानों में कोरोना के चलते नया बस स्टैंड में संचालित करने नोटिस जारी कर दिया गया है अगर कोई दुकानदार नए सब्जी मंडी में लगाने आनाकानी किया जाता है तो प्रशासनिक कार्यवाही किया जाएगा

कोरोना से निपटने के लिए मिल रहा है लोगों का भरपूर समर्थन

काँकेर। कोरोना वायरस का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है।राज्य सरकार लगातार कोरोना से लडने पूरी मुस्तैदी दे जुटा हुआ है।इधर कोरोना के कहर से दिहाड़ी मजदूर व रोज कमाने खाने वालो पर कोरोना के कहर से रोजी रोटी के संकट आन पड़ी है।लेकिन कोरोना के भयावह स्थिति के बाबजूद मदद करने वालो के हाथ मजदूरों तक पहुच रहे हैं।और बीते 25 मार्च को हमने कोरोना के कहर से निपटने चमने इस्माइल के पुत्र मदद को आए आगे शीर्षक की खबर को प्रकाशित किया गया था ।खबर के प्रकाशन के बाद सोशल मीडिया में ज़रूरतमंद लगातार मदद करने वालो से सम्पर्क कर मदद की गुजारिश किया जा रहा है। 26 मार्च को चमने इस्माइल के पुत्रों के द्वारा चलाए गए मदद अभियान में लोग खुलकर मदद की गुहार लगा रहे है। चमने इस्माईल के पुत्रों में हाजी वली मोहम्मद हाजी रज्जाक हाजी हनीफ़ हाजी लतीफ हाजी हबीब व उनके परिवार के लोगो ने गुरुवार को शहर के रामनगर सजंय नगर शितलापारा महादेव वार्ड अन्नपूर्णा पारा आमापारा टिकरापारा के करीब 16 दिहाड़ी मजदूरो को आगामी लाकडाउन तक का राशन मुहैय्या कराया गया है।जिसमे चावल आटा तेल शक्कर नमक चायपत्ती हल्दी मिर्च सहित अन्य खाद्य सामग्री देकर किसी भी तरह की परेशानी से डरने का हौसला देकर आगे भी मदद का भरोसा दिया गया है। हाजी हनीफ़ उजाला गैरेज के संचालक ने बताया की इस भयानक महामारी से निपटने हमारे परिवार का हर सदस्य प्रशासन के निर्देश का पालन करते हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया है।

वित्त मंत्री ने आज राहत पैकेज की घोषणा का कैट ने किया स्वागत

■ व्यापारियों और छोटे उद्योगों के लिए भी इसी प्रकार के पैकेज की उम्मीद जताई

काँकेर। कॉनफेडरेशन ऑफआल इंड़िया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र दोशी, प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी वली मोहम्मद,प्रदेश मंत्री मोहम्मद आरिफ,जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र सिह ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीथारमन द्वारा आज देश के गरीब और निचले तबके के एवं संगठित क्षेत्र के श्रमिकों की तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दिए गए सामाजिक सुरक्षा पैकेज का स्वागत करते हुए कहा की वर्तमान विकत परिस्थितियों में जहाँ इस वर्ग को राहत की सबसे बड़ी जरूरत थी ऐसे में सरकार ने राहत देकर इस वर्ग को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का भरपूर प्रयास किया है ! इस समय सामाजिक कल्याण पैकेज की बहुत आवश्यकता थी क्योंकि देश में सब कुछ बंद होने के कारण गरीब तबका तालाबंदी की अवधि के लिए चिंतित था। यह संतोष की बात है कि सरकार चरणबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर काम कर रही है जो संकट की इस घड़ी में सही दृष्टिकोण है।कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने आज की गई।

सुरक्षित रहे और घरों में रहे, प्रदेश सचिव सुशील बंजारे ने लोगों से किया अपील

लवन। आज पूरे विश्व में कोरोना महामारी पूरी तरह से फैला हुआ है और पूरे विश्व में अपने कहर बरपा रहा है। जिसमें अलग अलग देशो में सुरक्षा के दृष्टिकोण से कदम उठाया जा रहा है। वहीं हमारे भारत देश में भी इस महामारी से बचाव के लिए 21 दिन का लाकडाउन किया गया है, और हर संभव प्रयास किया जा रहा है कि इस महामारी को रोका जा सके और पूरा देश सुरक्षित रह सके और इसके लिए राहत कोष भी बनाया गया है। जिस पर छग छात्र संगठन जोगी के प्रदेश सचिव सुशील बंजारे ने प्रदेश व क्षेत्र के लोगो से अपील किया है कि आप शासन प्रशासन का सहयोग करें और घरों में रहे इस कोरोना वायरस महामारी से हमें खुद को और अपने परिवार वालों को सुरक्षित रखना हमारी ही जिम्मेदारी है। साथ ही प्रदेशो और देश का भी जिम्मेदारी हमारा ही फर्ज बनता है।

होम आइसोलेशन की घरेलू निगरानी में जुटी हैं आरबीएसके की 11 टीमें

महासमुंद। कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका खत्म करने के लिए होम आइसोलेशन सबसे उपयुक्त उपाय है। लेकिन, होम आइसोलशन में सुरक्षित रहने के प्रति जानकारी और जागरुकता के अभाव में इसका प्रभाव निष्क्रिय हो जाने की संभावना भी हो सकती है। जिसे देखते हुए लोगों को सतर्क और सजग रहने की हिदायत देने के लिए जिले में राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के ग्यारह दलों को उन क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया है, जहां, हाल ही में विदेश यात्रा कर लौटे स्थानीय लोगों के निवासरत होने की सूचना सहित कोविड-19 के कुल करीब 28 संदिग्ध मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। यहां, जरूरत है इस दौरान चिकित्सक द्वारा दिए गए सुरक्षा निर्देशों के शत-प्रतिशत पालन की।

इस ओर राज्य शासन से मिले निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एसपी वारे के मार्गदर्शन एवं जिला नोडल अधिकारी (आरबीएसके) डॉ आरके परदल की अगुआई में राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के अधिकारी व कर्मचारियों का दल कोरोना वायरस संक्रमण के संदेहास्पद मरीजों की पहचान कर व्यवस्थागत सहयोग प्रदाय करने में भी जुटा हुआ है। जिला सलाहकार (शिशु स्वास्थ्य) डॉ मुकुंद राव से मिली जानकारी के मुताबिक इन सदस्यों को कोरोना वायरस संक्रमण नियंत्रण के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आरबीएसके के इन भ्रमण दलों में चिकित्सा अधिकारी (आयुष), एएनएम, फार्मासिस्ट एवं प्रयोगशाला प्रशिक्षक शहरी एवं ग्रामीण दोनों ही अंचलों में मौके पर जा कर न केवल संदिग्ध मरीजों का मुआयना कर रहे हैं, बल्कि होम आइसोलेशन में रह कर संक्रमण से बचने और बचाने के तरीके भी सिखा रहे हैं। जिले के सभी विकासखंडों में क्रमशः महासमुंद, पिथौरा, बसना, सरायपाली व बागबाहरा में अलग-अलग दल अपने अपने क्षेत्रों में होम आइसोलेशन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

क्वारंटीन केंद्र में तैनात हैं तीन विशेषज्ञ

जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार ने बताया कि उद्यपि जिले में कोविड-19 से पीड़ित एक भी पुष्टि प्रकरण नहीं मिला है। अपितु, संक्रमण की स्थिति को देखते हुए जिले के जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र में बनाए गए क्वारंटीन केंद्र में डॉ देवेंद्र साहू, डॉ रूही नाज एवं डॉ सुजाता शुक्ला सहित अनुभवी स्वास्थ्यकर्मियों की बारी-बारी ड्यूटी लगाई जा रही है। विपदा की स्थिति में सभी आवश्यक उपकरणों से लैस चालीस बिस्तरों वाला यह क्वारंटीन केंद्र संक्रमण रोकने के साथ प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने में भी उपयोगी आश्रय साबित होगा।

होम आइसोलेशन में ऐसे रखें ख्याल

14 दिनों तक घर पर अलग कमरे में रहें, जो हवादार और स्वच्छ हो, बार-बार अपनी नाक, चेहरा या आंखों को न छुएं, छींकने और खांसने के बाद अपने हाथ साबुन से धोएं, संतुलित मात्रा में तरल पदार्थ लेते रहें, परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भोजन न करें, परिवार के अन्य सदस्यों के निकट नहीं आएं, अनावश्यक रूप से अतिथियों को आमंत्रित कर जमावड़ा न करें, एवं लक्षण उत्पन्न होने पर तत्काल स्वास्थ्यकर्मी से संपर्क करें। अधिक जानकारी के लिए छत्तीसगढ़ टोल फ्री नंबर 104 व जिला स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर 6267770531 स्थापित की गई है।

■ न्यूज गैलरी

भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को मूडीज ने घटा कर 2.5 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कैलेंडर वर्ष 2020 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अपने पहले के अनुमान को घटा कर 2.5 प्रतिशत कर दिया है। पहले उसने इसके 5.3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। कारोना वायरस और उसके चलते देश दुनिया में आवागमन पर रोक के मद्देनजर आर्थिक लागत बढ़ी और इसी वहज से देश की वृद्धि दर घटने का अनुमान है। वर्ष 2019 में वृद्धि 5 प्रतिशत रहने का आकलन है। मूडीज ने कहा है कि अनुमानित वृद्धि दर के हिसाब से भारत में 2020 में आय में तेज गिरावट हो सकती है। इससे 2021 में घरेलू मांग और आर्थिक स्थिति में सुधार की दर पहले से अधिक प्रभावित हो सकती है। एजेंसी ने कहा है, 'भारत में बैंकों और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास नकद धन की भारी कमी के चलते भारत में कर्ज हासिल करने को लेकर पहले से ही बड़ी बाधा चल रही है।'

1992 के बाद सबसे कम रफ्तार

इस तरह जीडीपी विकास दर में 2 पर्सेंटेज पॉइंट की कमी हो सकती है। इसलिए बार्कले ने भारत के लिए विकास दर अनुमान को 4.5 पर्सेंट से घटाकर 2.5त्न कर दिया है। यदि ऐसा होता है तो यह 1992 के आर्थिक सुधारों के बाद देश का सबसे कम ग्रोथ रेट होगा। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था 1991 में 1.06त्न की गति से बढ़ी थी। इसके बाद देश में आर्थिक सुधारों को अंजाम दिया गया। 2020-21 के लिए वर्ल्ड बैंक ने विकास दर 3.5 पर्सेंट रहने का अनुमान लगाया है।

रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था को बचाने उठाया बड़ा कदम: मोदी

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि नीतिगत दरों में कटौती , तीन महीने तक ऋण की किश्तों की वसूली नहीं करने और कार्यशील पूंजी पर ब्याज की वूसली तीन माह तक टालने का निर्णय कोरोना वायरस के प्रभावों से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए उठाया गया बड़ा कदम है। मोदी ने रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिनों की आज समाप्त बैठक के बाद एक ट्विट कर कहा है कि केन्द्रीय बैंक के इस निर्णय से तरतला में सुधार होने के साथ ही पूंजी की लागत कम होगी और मध्यम वर्ग तथा कारोबारियों को मदद मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी तरह के ऋण के किश्तों की तीन महीने तक वसूली टालने और कार्यशील पूंजी पर इस दौरान ब्याज की वसूली से राहत देने के रिजर्व बैंक के निर्णय की सराहना करते हुये कहा कि नीतिगत दरों में की गयी कटौती का लाभ ग्राहकों को तत्काल दिया जाना चाहिए।

3 महीने के लिए ईएमआई रुकेगी, इनको नहीं चुकानी होगी किस्त

होम लोन लेने वालों को, कार या किसी अन्य मोटर वाहन के लिए लोन लेने वालों को फायदा

नई दिल्ली (ए.)। कोरोनावायरस की वजह से गंभीर संकट से गुजर रही भारतीय अर्थव्यवस्था में लोन लेकर मकान खरीदने वाले, कार खरीदने वाले, पर्सनल लोन लेने वाले या अन्य लेनदारों को तीन महीने तक ईएमआई चुकाने से राहत मिल गई है। हालांकि क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करने वालों को फिलहाल यह राहत नहीं मिल रही है। रिजर्व बैंक के गर्वनर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति की समीक्षा के बाद आज कई बड़े ऐलानों में टर्म लोन लेने वाले सभी ग्राहकों को तीन महीने तक ईएमआई नहीं चुकानी होगी, यह बात भी कही। यह लाभ सरकारी एवं निजी क्षेत्र के बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों या किसी हाउसिंग फाइनैंस कंपनी से टर्म लोन लेने वाले सभी ग्राहकों को मिलेगा।

क्या है टर्म लोन?

बैंकिंग जगत में टर्म लोन वैसे लोन को कहा जाता है, जिसकी अदायगी के लिए बैंक एक निश्चित राशि की किस्त बांध देता है। इसे ही आम भाषा में ईएमआई कहा जाता है। इस लिहाज से इस घोषणा का लाभ होम लोन लेने वालों को, कार या किसी अन्य मोटर वाहन के लिए लोन लेने वालों को, पर्सनल लोन लेने वालों, मशीनरी के लिए लोन लेने वाले कारोबारियों आदि को मिलेगा।

टली है ईएमआई, माफनहीं हुइह्र है

रिजर्व बैंक की घोषणा के बाद कुछ लोग यह मानने लगे हैं कि उन्हें तीन महीने तक लोन की ईएमआई नहीं चुकानी होगी। इसे चुकाने से मुक्ति मिल जाएगी। लेकिन ऐसी बात नहीं है। रिजर्व बैंक ने सिर्फतीन महीने तक ईएमआई का भुगतान टाला है। इसका लाभ लेने वाले ग्राहकों की तीन किस्त तो बढ़ ही जाएगी, इन तीन महीनों की अवधि का अतिरिक्त ब्याज भी देना होगा।

क्रेडिट कार्ड के ग्राहकों को फिलहाल राहत नहीं

स्टेट बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि क्रेडिट कार्ड का बिल टर्म लोन नहीं है बल्कि आपकी खरीदारी का बिल है। यह रिजर्व बैंक की घोषणा में शामिल नहीं है। हां, यदि किसी ने क्रेडिट कार्ड से बड़ी खरीदारी की हो और उसे ईएमआई में बदलवा लिया हो तो उस पर इसे लागू किया जा सकता है लेकिन इसके लिए भी संबंधित अथारिटी को एक क्लैरिफिकेशन जारी करना होगा।

ग्राहकों के लिए राहत

बैंक बाजार डॉट कॉम के सीईओ आदिल शेट्टी का कहना है कि लोन के ईएमआई भुगतान पर तीन महीने का मोराटोरियम ग्राहकों के लिए बड़ी राहत होगी। यह इसलिए क्योंकि अभी कोरोनावायरस के प्रकोप की वजह से अर्थव्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि तीन महीने तक ईएमआई नहीं चुकाने से उनके क्रेडिट स्कोर पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

रिजर्व बैंक के उपायों को सीतारमण ने सराहा

ग्राहकों को जल्द लाभ देने की अपील

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाने और कर्ज सस्ता करने के लिये शुक्रवार को घोषित रिजर्व बैंक के कदमों की सराहना की है। उन्होंने रेपो दर में की गई कटौती का लाभ जल्द से जल्द ग्राहकों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद शुक्रवार को इसके परिणामों की घोषणा की। रेपो दर को 0.75 प्रतिशत घटाकर 4.40 प्रतिशत और रिवर्स रेपो दर को .90 प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत पर ला दिया गया है। इसके साथ ही नकद आरक्षित अनुपात में 1 फीसदी कटौती कर उसे 3 प्रतिशत कर दिया है। इसके अलावा कर्ज वसूली किस्तों पर तीन महीने की रोक लगाने और कार्यशील पूंजी के ब्याज भुगतान से छूट देने जैसे उपायों की भी घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस घोषणा के तुरंत बाद जारी अपने ट्वीट में वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के रिजर्व बैंक गवर्नर के आश्वासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि कर्ज किस्तों के भुगतान और कार्यशील पूंजी के ब्याज पर तीन महीने के लिए रोक लगाने के कदम जरूरी राहत पहुंचाने वाले कदम हैं। ब्याज दरों में कमी का लाभ ग्राहकों तक जल्द से जल्द पहुंचाया जाना चाहिए। उद्योगों और कर्ज लेने वालों की यह शिकायत रही है कि रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दर में पिछले कुछ महीने के दौरान भारी कटौती किए जाने के बावजूद बैंकों ने कर्ज की दर में उतनी कटौती नहीं की है।

नए जमाने के पॉवर ब्रांड, ग्राडो ने स्त्रीजा कलेक्शन के साथ प्रीमियम क्वालिटी वाले फैब्रिक्स को बाजार में उतारा

■ **स्त्रीज़ा कलेक्शन बेहद आरामदायक और स्टाइलिश है**

मुंबई(ए.)। नए जमाने के पॉवर ब्रांडए ग्राडो ने मेन्स वियर तथा वुमन्स वियर सेगमेंट में अपने बिल्कुल नए स्त्रीज़ा् कलेक्शन को बाजार में उतारा है, जिसमें कई तरह के फैब्रिक्स प्रस्तुत किए गए हैं। ग्राडो ब्रांडए दरअसल पारंपरिक विरासत को संजोने वाले ब्रांड ग्रासिम ;पहले ग्वालियर सूटिंग्स के नाम से मशहूर तथा ओसीएम के बेहतर तालमेल के साथ एकजुटता का परिणाम हैए जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को पॉली विस्कोस से लेकर कॉटन एवं अति उत्तम ऊनी धागों से निर्मित सभी प्रकार के वस्त्रों को एक ही ब्रांड की छत के नीचे उपलब्ध कराना है। आरामदेह वस्त्रों के एकदम सटीक उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत स्त्रीज़ा वास्तव में एक प्रीमियम 4.वे स्ट्रेच फैब्रिक हैए जिसमें इस उद्योग जगत में सामान्य तौर पर फैब्रिक में स्ट्रेच फिलामेंट के उपयोग की तुलना में कॉन्सेप्ट का इस्तेमाल किया गया है और यह अवधारणा बिल्कुल नई एवं दूसरों से अलग है। यह स्ट्रेचेबल फैब्रिक सही मायने में आरामए लग्जरी और स्टाइल का बेजोड़ मिश्रण है जिसे आप हर अवसर पर पहन सकते हैं।

फॉर्मल वियर

स्मार्ट और बेहद बारीकी से तैयार किए गए कपड़ों की यह रेंज काफी आरामदायक है। इन कपड़ों को पहनकर आप बड़े आराम से इधर.उधर घूम सकते हैं और हर काम कर सकते हैय साथ ही आप दिन भर कई तरह की गतिविधियों को पूरा कर पाते हैं। ये फैब्रिक्स नेवीए ब्लैकए कॉफीए बेज़ और ग्रे जैसे विभिन्न पारंपरिक रंगों में उपलब्ध हैं।

कैजुअल वियर

कपड़ों की बेहद आरामदेह और अव्वल दर्जे की रेंज हैए जिसे पहनने के बाद आपको अपने सपनों का पीछा करने की ऊर्जा मिलती है। ये फैब्रिक्स ऑलिवए पाउडर ब्लूए खाकी और इसी तरह के कई आकर्षक रंगों में उपलब्ध हैं।

पार्टी वियर

इस रेंज के फैब्रिक्स पूरी तरह से ग्लैमरस है जो आपके व्यक्तित्व में चार चाँद लगा देते हैं। ये फैब्रिक्स भी बेहद स्ट्रेचेबल हैंए जिसे पहनकर आप पार्टी की जान बन जाते हैंय और सभी की निगाहें आप पर ही टिकी होती हैं। पुरुषों और महिलाओं के लिए ये फैब्रिक्स अनगिनत रंगों में उपलब्ध हैं।

रिजर्व बैंक की घोषणाओं से शेयर बाजार निराश, सेंसेक्स में 500 अंकों की गिरावट

मुंबई। लॉकडाउन की वजह से अर्थव्यवस्था के लिए रिजर्व बैंक की घोषणाओं से शेयर बाजार मायूस हो गया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने रेपो रेट में 75 बेसिस पॉइंट की कमी सहित कई बड़े ऐलान किया। इसके बाद करीब 11:30 बजे सेंसेक्स करीब 500 अंक गिरकर 29,469.28 पर आ गया तो निफ्टी भी लाल निशान में चला गया।

लॉकडाउन की वजह से प्रभावित अर्थव्यवस्था और गरीबों की मदद के लिए सरकार की ओर से जारी 1.70 लाख करोड़ रुपये के पैकेज से शेयर बाजार उत्साहित था शुक्रवार को भी शेयर बाजार में तेजी का रुख रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 886.02 अंकों की तेजी के साथ 30,832.79 पर खुला सेंसेक्स तो नैशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने 326 अंकों के उछाल के साथ 8967.85 पर कारोबार की शुरुआत की। सुबह करीब 10 बजे सेंसेक्स की बढ़त करीब 1000 अंकों की थी और निफ्टी 329 अंक ऊपर था। गुरुवार को सेंसेक्स 1410.99 अंकों की तेजी के साथ 29,946.77 पर बंद हुआ तो निफ्टी 323.60 अंकों के उछाल के साथ 8641.45 पर रहा। इंडसइंड बैंक के शेयर तो सेंसेक्स पर 45.07 पर्सेंट उछले थे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो लगातार दूसरे दिन इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे अधिक तेजी है।

कोरोना इफेक्ट | कॉग्निजेंट के कर्मचारियों को मिलेगी 25 पर्सेंट अधिक सैलरी

कोरोना के कारण वेतन काट रहीं कंपनियां

नई दिल्ली। ऐसे समय में जब कोरोना वायरस और लॉकडाउन की वजह से कंपनियां कर्मचारियों का वेतन काट रही हैं और छंटनी की तैयारी में जुटी हैं आईटी कंपनी कॉग्निजेंट ने कर्मचारियों को अधिक सैलरी देने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा है कि एसोसिएट और उससे निचले स्तर के कर्मचारियों को अप्रैल में मूल वेतन के आधार पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त वेतन दिया जाएगा।

कंपनी के इस फैसले से भारत में उसके 1 लाख 30 हजार कर्मचारियों को फायदा होगा। भारत के अलावा यह घोषणा फिलिपींस के कर्मचारियों के लिए भी है। अमेरिकी कंपनी ने कहा है कि कर्मचारियों को अतिरिक्त भुगतान अप्रैल के वेतन में किया जाएगा। कंपनी ने कोरोना संकट के समय भी कर्मचारियों के काम में जुटे रहने की वजह से उन्हें प्रोत्साहन के रूप देने की बात कही है।

कॉग्निजेंट के सीईओ ब्रायन हंफ्रीज ने कर्मचारियों को लिखे एक नोट में कहा है कि अतिरिक्त भुगतान अप्रैल महीने के वेतन के साथ किया जाएगा और कंपनी इस फैसले पर मासिक समीक्षा करेगी। इस महामारी को दुनिया के लिए सबसे बड़ा झटका बताते हुए हंफ्रीज ने कहा कि दूसरी अन्य वैश्विक कंपनियों की तरह उनकी कंपनी भी मांग और पूर्ति के मोर्चे पर चुनौती का सामना कर रही है, यह लंदन से मुंबई और मनाली से न्यूयॉर्क तक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में भी उसके कर्मचारी ग्राहकों के लिए सेवाओं को सुचारू बनाने में लगे हैं और वह उनके लगन, ईमानदारी और साहस की सराहना करते हैं। हंपरीज ने कहा, 'भारत और फिलीपींस में हमारे एसोसिएट की सेवाओं को जारी रखने के असाधारण प्रयासों का हम सम्मान करते हैं। हम एसोसिएट और उससे निचले स्तर के कर्मचारियों अप्रैल में उनके मूल वेतन के आधार पर 25 प्रतिशत अधिक वेतन देंगे।'

गौरतलब है कि कोरोना वायरस की वजह से पूरी दुनिया में अधिकतर कंपनियों का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई कंपनियों ने कर्मचारियों के वेतन में कटौती शुरू कर दी है तो कई कंपनियों में छंटनी की तैयारी चल रही है। हालांकि, इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने व्यापार जगत से अपील की थी कि यदि उनके कर्मचारी आने वाले कुछ समय में काम पर ना आ पाएं तो उनके वेतन में कटौती ना की जाए।

हंपरीज ने कहा, 'भारत और फिलीपींस में हमारे एसोसिएट की सेवाओं को जारी रखने के असाधारण प्रयासों का हम सम्मान करते हैं। हम एसोसिएट और उससे निचले स्तर के कर्मचारियों अप्रैल में उनके मूल वेतन के आधार पर 25 प्रतिशत अधिक वेतन देंगे।' गौरतलब है कि कोरोना वायरस की वजह से पूरी दुनिया में अधिकतर कंपनियों का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई कंपनियों ने कर्मचारियों के वेतन में कटौती शुरू कर दी है तो कई कंपनियों में छंटनी की तैयारी चल रही है। हालांकि, इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने व्यापार जगत से अपील की थी कि यदि उनके कर्मचारी आने वाले कुछ समय में काम पर ना आ पाएं तो उनके वेतन में कटौती ना की जाए। उन्होंन सभी से मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की थी।

कर्जधारकों की तीन महीने तक नहीं कटेगी ईएमआई

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से देशभर में लॉकडाउन है। इसका सीधा असर लोगों की आमदनी और कारोबार पर पड़ा है। ऐसे में लोगों को लोन चुकाने में दिक्कत स्वभाविक है। रिजर्व बैंक ने ऋणधारकों के लिए राहत की घोषणा की है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि सभी टर्म लोन पर 3 महीने का मोरोटोरियंम होगा। इसका मतलब है कि तीन महीने तक किसी के अकाउंट से ईएमआई नहीं कटेगी। तीन महीने के बाद ही दोबारा ईएमआई की अदायगी शुरू होगी। रिजर्व बैंक ने 1 मार्च से इसे लागू किया है तो आपको अब जून से ही ईएमआई देनी है। हालांकि यह भी ध्यान रखें कि ईएमआई माफनहीं हुई है, बल्कि तीन महीने के लिए अस्थगित की गई है। यदि आपका लोन 2021 में जनवरी में खत्म होने वाला था तो अब यह अप्रैल 2021 में खत्म होगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कार्यशील पूंजी पर ब्याज भुगतान को टाले जाने को चूक नहीं माना जाएगा, इससे कर्जदार की रेटिंग (क्रेडिट हिस्ट्री) पर असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश की बैंकिंग व्यवस्था मजबूत है। निजी बैंकों में जमा भी बिल्कुल सुरक्षित है। लोगों को घबराकर पैसा निकालना नहीं चाहिए। यह फैसला रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लिया है। समिति की बैठक 31 मार्च को होनी थी, लेकिन कोरोना वायरस की वजह से बढ़ते संकट के बीच इसे समय से पहले अंजाम दिया गया। अर्थव्यवस्था को कोरोना वायरस से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए रिजर्व बैंक ने कई तरह के कदम उठाए हैं।

आज का भविष्यफल

मेष: आज आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे। विलासितापूर्ण माहौल का लुफ्त उठाएंगे। बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने से आप संतुष्टि महसूस कर सकते हैं। सायंकाल के समय आप परिवार के सदस्यों और दोस्तों के प्रति उदार रवैया अख्तियार करेंगे।

वृषभ: आज का दिन स्वास्थ्य के लिए खराब होने की आशंका है। खान-पान से बचें। आलस्य का भी त्याग करें। ध्यान रहे किसी भी वस्तु की अधिकता हानिकारक होती है।

मिथुन: आज आप एक महत्वपूर्ण परियोजना आरम्भ करने वाले हैं, जिसके सफलतापूर्वक पूरा होने में एक साल लग सकता है। आर्थिक लाभ की उम्मीद कर सकते हैं।

कर्क: भाग्य आज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति की दिशा में आगे बढ़ेंगे। योजनाओं से संबंधित प्रस्ताव की मंजूरी मिलेगी। घटनाएं आपके अनुकूल रहेंगी।

सिंह: निजी संबंध प्रेमपूर्ण और सहयोगपूर्ण रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहने से आप विभिन्न कार्यों में सक्रियता पूर्वक भाग लेंगे। अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे।

कन्या: सहकर्मियों के सहयोग से आज आप एक परियोजना को पूरा करने में सफल रहेंगे। किसी महान व्यक्ति के हस्तक्षेप से पारिवारिक विवाद का समाधान हो जाएगा। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी।

तुला: आपको त्रिकोणीय व्यापारिक साझेदारी व संबंधों से लाभ होगा, लेकिन निजी संबंधों के मामले में आपके जीवन में समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं।

वृश्चिक: आपकी राशि से तृतीय शनि एवं धनु: में केतु, का द्विग्रही योग मिश्रित फलकारक है। शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान होने के बावजूद आप सफल होंगे।

धनु: सेहत और वित्तीय संसाधनों पर ध्यान देने की जरूरत है। दूसरे लोगों के कार्यों के लिए ज्यादा वक्त और ऊर्जा बर्बाद न करें, क्योंकि ऐसे लोग एक के बाद एक दूसरी फरमाइशें पेश कर सकते हैं।

मकर: आपकी राशि से पहले स्थान मकर राशि पर शनि संचार कर रहा है। आप परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण मुहाने पर खड़े हैं। किसी कठिन दौर से गुजर सकते है।

कुंभ: राशि स्वामी शनि के एकादश भाव में होने से निजी संबंधो पर भावनाएं हावी रहेंगी। अन्तर्मन की पुकार को सुनें। हर मामले में अतिवादी से बचें। जीवन के कड़वे अनुभवों से सबक सीखें।

मीन: आज चमा मिथुन राशि पर संचार कर रहा है। जो कि आपकी राशि से पंचम भाव है। जो उम्मीदें संजो रखी हैं, उनके पूरा न होने पर आप खिन्न रहेंगे।

सू- दोकू

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

शब्द सामर्थ्य

बाएं से दाएं
1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे
1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबास, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थित प्रसिद्ध जेल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक का हल

प्रदेश में 7 पॉजिटिव मरीजों में से दो केस पर बोले मंत्री सिंहदेव

दो मरीजों की हिस्ट्री ने बढ़ाई चिंता

0 नीजि अस्पतालों को फिलहाल नहीं अभी सिर्फ रिम्स लिया गया

0 बोले कोविड-19 का उपचार नहीं है, केवल बचाव ही उपचार है

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव कोविड-19 के प्रदेश में असर को लेकर नहीं बल्कि दो पॉजिटिव मरीजों की केस हिस्ट्री से चिंतित हैं। उन्हों ने यह भी रहस्योद्घाटन किया कि फिलहाल नीजि अस्पतालों को शासन ने अधिग्रहित करने का विचार त्याग दिया है। लेकिन उन्हें कोरोना संक्रमण पर ऐहतियात बरतने व तैयारियों के लिए निर्देशित किया जा चुका है। श्री सिंहदेव ने कहा है कि अभी सिर्फ रिम्स हॉस्पिटल को ही हमने लिया है। लगातार हालातों पर प्रदेश सरकार की निगाहें हैं और जरुरी जान पड़ा तो फिर नीजि अस्पतालों को भी नियंत्रण में लिया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा अभी हमने रिम्स में 500 से अधिक बेड की व्यवस्था रखी है। अन्य किसी भी अस्पताल, नर्सिंग होम को हमने न ही अधिग्रहित किया है न ही नियंत्रण में लिया है। श्री सिंहदेव ने यह भी कहा है कि यदि स्थिति चिंताजनक हुई तो हम शेष नीजि चिकित्सा संस्थानों को लेने पर विचार कर सकते हैं।

अब तक प्रदेश में 7 कोरोना पॉजिटिव मरीजों के मिलने के बाद स्थिति पर कहा कि कोविड-19 प्रदेश, देश ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय चिंता का विषय है। इसलिए हम भी और हमारा प्रदेश भी उससे अछूता नहीं कहा जा सकता। रही बात 7 पॉजिटिव मरीजों की तो दो मरीजों की केस हिस्ट्री उन्हें ज्यादा चिंतित किये हैं। क्योंकि अब तक कहा जा रहा था चौदह दिन में लक्षण आते हैं, एक के साथ यह संक्रमण तकरीवन महीने भर बाद सामने आया है, एक अन्य मरीज को लेकर सूचना है कि वह कभी विदेश ही नहीं गया है। ऐसे में इस स्थिति से संक्रमण को लेकर चिंता जरुर होनी चाहिए। बोले इसका अब तक उपचार नहीं है हमारे पास। केवल बचाव ही उपचार है, इसलिए बचाव के अलावा विकल्प नहीं है और इसमें हर नागरिक अगर सहयोग देगा तब ही कोरोना से हम जीत पाएंगे।

केरल से आए 87 मजदूर लॉक डाउन में फंसे, स्थिति सामान्य होने पर उन्हें भेजा जाएगा घर

रायपुर/बिलासपुर। केन्द्र सरकार द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण के जरिए इस वक्त पूरे देश में एवं प्रदेश में लॉक आउट घोषित किया गया है। उक्त घोषित अवधि में एर्नाकुलम एक्सप्रेस से रोजी-रोटी की तलाश में आए 87 मजदूर फंस गए हैं। नगर निगम द्वारा उक्त 87 मजदूरों के लिए भोजपा एवं नाश्ते की व्यवस्था त्रिवेणी विहार, व्यापार विहार एवं रैन बसेरा में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त 87 मजदूरों का स्वास्थ्य परीक्षण करने पर संतोषजनक स्थिति पाई गई है। नगर निगम एवं राज्य शासन द्वारा उक्त जत्थे में आए मजदूरों को बिलासपुर में कब तक रखा जाएगा यह तय नहीं है किंतु नगर निगम सूत्रों के अनुसार स्थिति सामान्य होने पर ही राज्य शासन इन्हें इनके गृहराज्य भेजने की समुचित व्यवस्था करेगा।

लॉकडाउन का उल्लंघन एवं विदेश यात्रा की जानकारी छिपाने पर 20 अपराध दर्ज

लॉक डाउन का उल्लंघन करने एवं विदेश यात्रा की जानकारी छिपाने पर पुलिस ने 20 अपराध दर्ज किये हैं। रायपुर, दुर्ग सहित अन्य जिलों में पिछले 24 घंटे में पुलिस द्वारा आईपीसी की धारा 188, 269, 270 के तहत अपराध दर्ज किए गए हैं। डीजीपी डीएम अवस्थी ने पुलिस अधीक्षकों को प्रतिदिन दर्ज मामलों की जानकारी एआईजी राजेश अग्रवाल को प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश ने की अपील, जरुरतमंद लोगो की करें मदद

बेमेतरा/साजा (नव प्रदेश)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से निपटने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोगो से अपील की है कि, वो इस संकट के समय मे दैनिक वेतनभोगी मजदूरों और जरुरत मंदो की आगे आकर मदद करें, इसके लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष मे आवश्यक सहयोग राशि प्रदान की जा सकती है। मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए भारतीय स्टेट बैंक के खाता नंबर 30198873179, आईएफसी कोड एसबीआईएन 0004286 पर यह सहयोग राशि जमा की जा सकती है।

बेमेतरा जिला प्रशासन की नयी पहल, ई-पास

बेमेतरा/साजा (नव प्रदेश)। कोरोना से बचने के लिए वर्तमान में केवल एक ही विकल्प है और वो है सोशल डिस्टेन्सिंग अर्थात् लोगों से दूरी बना के रखना व भीड़ में एकत्रित नहीं होना। इस सोच को आगे बढ़ाते हुए बेमेतरा कलेक्टर ने कर्फ्यू में अत्यावश्यक सेवा को जारी रखने के लिए ई-पास की परिकल्पना की है। वर्तमान में आम जनता को पास प्राप्त करने के लिए सुदूर क्षेत्र से ब्लॉक मुख्यालय या जिला मुख्यालय आना पड़ता है। ई पास शुरू होने से जिले के व्यापारियों को दैनिक आवश्यकता के सामान कि आपूर्ति के लिए कार्यालय आने से निजात मिलेगी जिससे व्यापारीगण के समय और संसाधन की बचत होगी। ई-पास योजना शुरू हो जाने से जिले के किसी भी आवेदनकर्ता को कार्यालय नहीं आना पड़ेगा, कोई भी व्यक्ति आवश्यकता पड़ने पर ई पास हेतु इंटरनेट के माध्यम से आवेदन कर सकता है। यदि आवेदन उपयुक्त या विचारणीय पाया जाएगा तो जिला प्रशासन के द्वारा ई-पास को स्वीकृत कर दिया जाएगा। पास स्वीकृत होते ही आवेदक अपने मोबाइल में ई-पास का पीडीएफ डाउनलोड कर सकेगा। बेमेतरा कलेक्टर ने बताया कि भविष्य में ई-पास को व्हाट्स एप एवं ई-मेल के माध्यम से भी भेजे जाने की सुविधा प्रदाय कि जा सकती है। साथ ही समयनुसार और भी सुविधाएं जिले के नागरिक को उपलब्ध कराई जाएगी।

राष्ट्रपति ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग से ली राज्यपालों की बैठक

राज्य में कोरोना वायरस के संक्रमण की स्थिति पर राज्यपालों को नजर रखने के लिए कहा

■ विद्यार्थियों के लिए ऑनलाईन कोर्स, रेडक्रॉस समिति को सक्रिय करने के दिए सुझाव

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। शुक्रवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर देश के समस्त राज्यपालों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली। बैठक में उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु, राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके सहित अन्य राज्यों के राज्यपाल शामिल थे। वे राज्य जहां कोरोना वायरस संक्रमणों की संख्या अधिक है और जहां पर संक्रमित लोगों की मृत्यु हुई, उनसे विशेष रूप से चर्चा की गई।

राष्ट्रपति श्री कोविंद ने सुझाव दिया कि समस्त राज्यपाल अपने राज्य में कोरोना वायरस के संक्रमण की स्थिति पर नजर बनाए रखें और टेस्टिंग किट और अन्य चिकित्सा उपकरण इत्यादि की कमी और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की सलाह आवश्यकता के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा कर सकते हैं। राज्यों में मुख्यमंत्री की मुख्य भूमिका है, उनसे नियमित रूप से या फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें, ताकि सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। उन्होंने कहा- राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति स्वयं आपसे इस संक्रमण की आपदा से उपजी परिस्थितियों की चर्चा के संबंध में संपर्क में रहेंगे, आवश्यकतानुसार आप सभी उनसे संपर्क कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि जिलों में रेडक्रास सोसायटी को सक्रिय किया जाए, ताकि वे स्वयंसेवकों के माध्यम से कोरोना वायरस से बचाव में सहयोग कर सके। उनके माध्यम से चिकित्सा सुविधा, गरीबों को भोजन पैकेट तैयार कर वितरित कराने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रमुख अधिकारियों की बैठक लेकर चर्चा किया जाना उपयुक्त होगा। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालयों के लिए कहा कि समस्त कुलपति विद्यार्थियों के साथ आम जनता को जागरूक करने में मदद करें। इन सभी कार्यों में सोशल डिस्टेंसिंग का अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए ऑनलाईन कोर्स प्रारंभ करने का सुझाव दिया।

राज्यपालों से चर्चा के दौरान विभिन्न राज्यों में उठाए गए कदम और सुझाव सामने आए। इनके अनुसार सेवानिवृत्त चिकित्सकों और मेडिकल पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के छात्रों का सूची बनाकर रिकार्ड रखा जाए, जो स्वेच्छा से सेवा देना चाहे, उनसे आवश्यकतानुसार सेवा ली जाए। दैनिक वेतनभोगी, गरीब मजदूर जो किसी भी योजना में पंजीकृत नहीं है, उनके जीवनयापन के लिए भोजन एवं राशि की व्यवस्था की जानी चाहिए। जनजाति क्षेत्रों में भी इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए, मास्क इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में विपरीत परिस्थितियों के लिए रेनबसेरा, धर्मशालाओं, सरकारी योजनाओं के आवासों को तथा इसी प्रकार की अन्य भवनों को तैयार रखे जाने का भी सुझाव दिया गया। बैठक में यह भी बात आई कि लॉक डाउन का अर्थ लोगों को समझ नहीं आया है और गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, इसके लिए सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें जागरूक किया जाए। लॉक डाउन सिर्फ शहरी क्षेत्र में न होकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी पालन करवाएं और वहां फैलने से रोकें।

सभी धर्मो के धार्मिक गुरूओं से अपील की जाए कि वे अपने-अपने अनुयायियों को निर्देशित करें कि वे पूजा, प्रार्थना, धार्मिक उत्सव सामूहिक रूप से न करते हुए अपने-अपने घरों में ही रहकर यह कार्य करें।